नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 25

सोमवार, 03 से 09 अगस्त 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

झाबुआ कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों-कर्मचारियों... 03

आतंकियों का काल बना 'अननोन' मारे गए 30 से ज्यादा लश्कर ... 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

पुरुष वनडे के 5000 मुकाबले पूर 10

प्याज का इंस्टेंट अचार बदलेगा खाने का जायका... 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज गिल 12

एक नजर

देश की कुल बिजली का 54 प्रतिशत स्वच्छ स्रोतों से

नई दिल्ली, एजेंसी। देश ने 31 जुलाई तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता के 300 गीगावाट का आंकड़ा पार कर लिया है। यह साल 2030 तक हासिल किए जाने वाले 500 गीगावाट क्षमता के लक्ष्य का 60 प्रतिशत से अधिक है। देश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता (जो वर्तमान में लगभग 552 गीगावाट है) में गैर-जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न विद्युत क्षमता का हिस्सा 54 प्रतिशत से अधिक हो गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता का विवरण इस प्रकार है- सौर ऊर्जाः 164.59 गीगावाट, पवन ऊर्जाः 58.14 गीगावाट, जल विद्युत (बड़े और छोटे): 57.24 गीगावाट, जैव-ऊर्जाः 11.75 गीगावाट, परमाणु ऊर्जाः 8.78 गीगावाट। यह कुल मिलाकर 300.50 गीगावाट। वर्तमान सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए मंत्रालय का कहना है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में हुई तीव्र प्रगति देश में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भी परिलक्षित होती है, जो 2014-15 में 190.96 अरब यूनिट से बढ़कर 2025-26 में 477.79 अरब यूनिट हो गई है।

प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' से डरी भाजपा ने लगाए प्रोपेगैंडा बैनर- चिब

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' संवाद कार्यक्रम को लेकर भारतीय युवा कांग्रेस ने भाजपा पर प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप लगाया है। युवा कांग्रेस अनुसार, कार्यक्रम से पहले शहर में जगह-जगह लगाए गए कथित प्रोपेगैंडा बैनरों को युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने हटाकर फाड़ दिया। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भाजपा 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से बौखलाई हुई है और रात के अंधेरे में प्रयागराज में बैनर लगाए गए। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने इन बैनरों को तत्काल हटाकर फेंक दिया। श्री चिब ने आरोप लगाया कि इसी तरह की अन्य हरकतों के जरिए छात्रों को राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, जितनी तिकड़में अपनानी हैं, अपना लो, आज शाम 5 बजे प्रयागराज के छात्र इसका जवाब दे देंगे। उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के युवा राहुल गांधी के इस संवाद कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका की नौसेनाएं करेंगी समुद्र में छिपे विस्फोटकों से निपटने का अभ्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय और अमेरिकी नौसेना एक विशेष अभ्यास करने जा रही हैं। इसके तहत समुद्र के भीतर छिपे विस्फोटक खतरों को खोजने और उन्हें निष्क्रिय करने का अभ्यास किया जाएगा। दोनों देशों के नौसैनिक विशेषज्ञ एक साथ प्रशिक्षण लेंगे। भारत व अमेरिका की नौसेनाओं का यह 'एक्सपलोसिव ऑडेनेंस डिस्पोजल' (ईओडी) अभ्यास 10 से 14 अगस्त तक कोच्चि स्थित नौसेना की दक्षिणी कमान में आयोजित किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण समुद्री अभ्यास पांच दिन तक चलेगा। इसमें दोनों नौसेनाओं के विशेषज्ञ गोताखोर और विस्फोटक आयुध निष्क्रियकरण दल एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। दोनों ही देशों के नौसैनिक तकनीक और काम करने के अपने-अपने तरीके साझा करेंगे। अभ्यास के दौरान विशेषज्ञों के बीच चर्चा, संयुक्त प्रशिक्षण, उपकरणों का प्रदर्शन और अलग-अलग चुनौतीपूर्ण

कॉमनवेल्थ गेम्स के चैंपियंस से मिले पीएम नरेंद्र मोदी

जो खेलेगा, वो खिलेगा: प्रधानमंत्री

- सोशल मीडिया पर शेयर की मुलाकात की खास झलक
- 'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का दिया मूलमंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगा लहराकर लौटे भारतीय दल का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर भव्य स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने देश के पदक विजेताओं के साथ लंबी बातचीत की, उनके अनुभवों को सुना और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूरे देश की तरफ से बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने एक वीडियो भी सेशल मीडिया पर शेयर किया है, जो काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स के एथलीटों के साथ हुई इस खास मुलाकात की एक झलक अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके भी साझा की। इस वीडियो में वह गोल्ड मेडल विजेता मुक्केबाज साक्षी चौधरी समेत कई अन्य चैंपियंस के साथ खुशनुमा माहौल में संवाद करते दिख रहे हैं। वीडियो में साक्षी चौधरी ने पीएम मोदी की सादगी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जी से मिलकर हमें बेहद खुशी हुई, वह बहुत ही विनम्र हैं।'

बातचीत के दौरान जब खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री से कुछ कहने का आग्रह किया, तो पीएम मोदी ने देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाला अपना प्रसिद्ध संदेश दोहराया, 'जो खेलेगा, वो खिलेगा! Always Cheer4Bharat।' इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए भारत माता की जय के नारे भी लगाए।

39 पदकों के साथ भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

उल्लेखनीय है कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपनी झोली में डाले। इसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं। इस जीत के साथ ही भारतीय खेमे का हौसला बुलंद है और प्रधानमंत्री के साथ हुई इस मुलाकात ने एथलीटों के मनोबल को और अधिक बढ़ा दिया है।

छात्रों पर हुई कार्रवाई की जवाबदेही मांगना बंद नहीं करेंगे : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में एक छात्र से हुई बातचीत का हवाला देते हुए छात्रों की समस्याओं और दिल्ली में प्रदर्शनकारी युवाओं पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कहा है कि छात्रों पर हुए अत्याचार की जवाबदेही तय होने तक वह आवाज उठाते रहेंगे। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा' उन्होंने कहा कि कल प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे यही पूछा था। उनका कहना था कि वर्षों की तैयारी, घर की जमीन बेचने, माता-पिता के कर्ज और इसके बावजूद हाथ में कुछ नहीं आने की स्थिति उस छात्र की हार नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की हार है, जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। ल्लउन्होंने कहा कि 13 दिन हो गए लेकिन गृह मंत्री अमित शाह के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगने की अपेक्षा थी लेकिन वह 'क्षमा' बांट रहे हैं।

श्री गांधी ने कहा, 'अमित शाह जी, यह मत समझिए कि हम जवाबदेही मांगना बंद कर देंगे। राजधानी की सड़कों पर बच्चों पर लाठियां और पैलेट चले और आपने एक शब्द नहीं कहा। आज नहीं तो कल, इस जुर्म का जवाब आपको देना ही पड़ेगा। उन्होंने 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक का भी उल्लेख किया और कहा कि उस समय भी विपक्ष ने गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग की थी लेकिन उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह उस समय गृह मंत्री इस मुद्दे पर चुप रहे, उसी तरह अब पिछले महीने प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी चुप्पी साधे हुए हैं। श्री गांधी ने कहा कि 14 से 21 दिसंबर 2023 के बीच लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46, कुल 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था।

ममता के काफिले पर हमले को लेकर सियासत तेज

'घटना से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं' : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के काफिले पर हुए कथित हमले को लेकर राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। ममता बनर्जी उस समय एक दिवंगत टीएमसी नेता (कार्यकर्ता) के परिवार से मिलने जा रही थीं, जिसे लेकर टीएमसी ने दावा किया कि उसकी पुलिस कस्टडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी।

घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने पार्टी का किसी भी तरह का हाथ होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि इस घटना से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है।

समिक भट्टाचार्य ने कहा कि इस घटना से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। अगर भाजपा ने इस तरह की राजनीति की होती, तो कई विधायकों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई होती लेकिन किसी विधायक की मौत नहीं हुई है। सभी अपने घरों में सुरक्षित हैं। किसी पार्षद की पिटाई नहीं हुई और किसी का घर नहीं तोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र में विश्वास करती है। टीएमसी हमें लोकतंत्र का पाठ न पढ़ाए। पूर्व सीएम पर हुए हमले की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी पूर्व मुख्यमंत्री या महिला नेता पर कीचड़ और पत्थर फेंकना गलत बात है, हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। पुलिस इस मामले में अपने स्तर पर कार्रवाई करेगी।

दूसरी ओर, टीएमसी सांसद डोला सेन ने इस घटना को लेकर पुलिस और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के काफिले पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी टीएमसी की नेता हैं और पार्टी कार्यकर्ता की मौत के बाद उनके परिवार के लोगों से मिलने गई थी। लेकिन, उनके ऊपर भी हमला हो सकता था, यह हम लोग कल्पना नहीं किए।

उन्होंने कहा कि जिस वक्त घटना हुई, हमें भी ममता बनर्जी की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई। इस मामले पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सीधे तौर पर भाजपा पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये सब भाजपा के लोग हैं। ये सुवेंदु अधिकारी और समिक भट्टाचार्य के लोग हैं। ये बाहर कुछ और कहते हैं और करते कुछ और हैं।

कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने दावा किया कि जब ममता बनर्जी पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ता के घर पहुंचीं, उससे पहले ही भाजपा के लोगों ने उनकी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को निशाना बनाकर पत्थर फेंके गए और यह जान से मारने की कोशिश का मामला है। कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि मौके पर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने इस घटना के पीछे सुवेंदु अधिकारी की ओर से निर्देश दिए जाने का भी आरोप लगाया।

उपराष्ट्रपति ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में मनाए जाने वाले अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर श्री विजयपुरम के ध्वज बिंदु पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हर घर तिरंगा अभियान का उद्घाटन किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा किया।

भारत के उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दौरे के तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा किया। उन्होंने ऐतिहासिक जगहों का दौरा किया, जिसमें वह इमारत भी शामिल है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस दिसंबर 1943 में अंडमान द्वीप समूह की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान रुके थे। उन्होंने चर्च, सैनिकों की बैरक, गन पॉइंट एरिया और स्मृतिका संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां उन्हें द्वीप के समृद्ध इतिहास और इसके भविष्य के विकास की प्रस्तावित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इससे पहले उन्होंने डीबीआरएटी सभागार में वंदे मातरम के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह और तिरंगा संगीत कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस अभियान को शुरू करने के लिए इन ऐतिहासिक द्वीपों से अधिक उपयुक्त स्थान अन्यर कोई और नहीं हो सकता, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम और तिरंगे के इतिहास से गहराई से जुड़े हुए हैं।

हवाई अड्डों की साइबर सुरक्षा होगी अभेद्य

सीआईएसएफ ने आईआईटी रोपड़ के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तथा साइबर सुरक्षा को और अधिक मजबूत एवं अभेद्य बनाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आईआईटी रोपड़ के साथ एक अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौते के तहत सीआईएसएफ के जवानों को साइबर सुरक्षा में निपुण बनाने के लिए छह सप्ताह की विशेष आवासीय ट्रेनिंग दी जायेगी। सीआईएसएफ ने शनिवार को बताया कि दोनों पक्षों के बीच इस समझौता ज्ञापन पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किये गये।

पुलिस महानिदेशकों के 2024 में हुए सम्मेलन में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस संगठनों में एक समर्पित 'साइबर कमांडो' कैडर विकसित करने पर जोर दिया गया था। सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन के नेतृत्व में, बल ने उभरते हुए साइबर खतरों को पहचानने, उनसे निपटने और उनका त्वरित समाधान करने के लिए विशेष जवानों की एक टीम तैयार करने का बीड़ा उठाया है। हवाई अड्डे देश के सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों में से एक हैं।

ऐसे में यहां होने वाला कोई भी साइबर व्यवधान बड़े पैमाने पर सुरक्षा, संचालन और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है। इसी खतरे को भांपते हुए यह विशेष कैडर तैयार किया जा रहा है। आईआईटी रोपड़ स्केल फाउंडेशन और सीआईएसएफ की इस संस्थागत साझेदारी के तहत 6 सप्ताह का यह कार्यक्रम पूरी तरह से निःशुल्क आयोजित किया जायेगा।

15 अगस्त पर गड़बड़ी की फिराक में खालिस्तान समर्थक, अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। खुफिया एजेंसियों ने इनपुट के आधार पर पंजाब को अतिरिक्त सर्तकता बरतने की सलाह दी है। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब को हाई अलर्ट पर रखा है। एजेंसियों का कहना है कि खालिस्तान समर्थक तत्व उस दिन हमला करने की फिराक में होंगे।

खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की योजना बना रहे हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि वो लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहे थे।

अधिकारी ने आगे कहा कि खालिस्तान समर्थक आतंकी ग्रुप सांकेतिक हमला करना चाहता है इसलिए उन्होंने 15 अगस्त को चुना है। अधिकारी के अनुसार वो भारत के राष्ट्रीय पर्व पर दुनिया का ध्यान आकर्षित कराना चाहेंगे।

यह चेतावनी पंजाब में खालिस्तान मूवमेंट को फिर से शुरू करने के लिए आईएसआई की बड़ी कोशिशों के बीच आई है। भारत और कनाडा द्वारा गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ कार्रवाई के कारण, ये ग्रुप खुद को बैकफुट पर पा रहे हैं।

बेचैनी बढ़ रही है, यही कारण है कि वे पंजाब में कुछ गलत करने की सोच रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि बैन किए गए संगठन, सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

बैन किए गए संगठन का चीफ, गुरपतवंत सिंह, आजकल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है। वह पंजाब के युवाओं से स्कूलों और दूसरे सार्वजनिक स्थलों पर खालिस्तान के झंडे फहराने की अपील कर रहा है। वह युवाओं को स्वतंत्रता दिवस पर भारत सरकार के खिलाफ प्रोटेस्ट करने के लिए उकसा रहा है।

जहां एक तरफ टेरर स्ट्राइक की प्लानिंग हो रही है, वहीं ये लोग ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान को भी तेजी से बढ़ा रहे हैं।

इंटेलिजेंस एजेंसियां एसएफजी की ऑनलाइन गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही हैं। गुरपतवंत सिंह सोशल मीडिया पर खालिस्तान समर्थक कंटेंट जोरों-शोरों से फैलाने की कोशिश कर रहा है। जो अलग प्रांत की उसकी मांग और युवाओं को भड़काने पर केंद्रित है।

वह भारत के विरुद्ध ह्यहेट कैंपेनह्ल चलाने की भी कोशिश में लिप्त है। पहले, सिंह के अभियान ज्यादातर भारत के खिलाफ हमले पर केंद्रित थे, लेकिन अब उसने इसमें थोड़ा बदलाव किया है और खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने का खेल रच रहा है।

अधिकारियों ने आगाह किया है कि ये लोग अलग-अलग देशों में जनमत संग्रह कराने की कोशिश करेंगे। कनाडा और यूके की एजेंसियों के इस मूवमेंट और इसके सदस्यों पर सख्ती बढ़ाने के बाद, खालिस्तान ग्रुप्स ने मलेशिया और अजरबैजान में शिफ्ट होने की कोशिश की। हालांकि, मलेशिया इन लोगों पर सख्त रहा और इस साल जून में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के सदस्यों को भारत भेज दिया।

अधिकारी के अनुसार, एजेंसियों का कहना है कि कट्टरपंथी समूह हताश हो गए हैं; उनके समर्थक और आईएसआई, परेशान हैं इसलिए उनके किसी बड़े हमले में शामिल होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

भारतीय मजदूर संघ के 72वें स्थापना दिवस पर हुआ भव्य आयोजन, निकाली गई शोभायात्रा

गोबिंदा दास

पश्चिम बंगाल: भारत के प्रमुख श्रमिक संगठनों में से एक भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के 72वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को कूचबिहार जिले के तूफानगंज-2 प्रखंड शाखा के तत्वावधान में बक्सीरहाट में भव्य शोभायात्रा, विचार गोष्ठी तथा विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, संगठन की विचारधारा का व्यापक प्रचार-प्रसार तथा श्रमिक समाज में एकता और संगठन की भावना को सुदृढ़ करना था। सुबह से ही बक्सीरहाट में संगठन के पदाधिकारी, सदस्य तथा विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिक बड़ी संख्या में एकत्रित होने लगे। निर्धारित समय पर संगठन के ध्वज, बैनर एवं जागरूकता संबंधी तख्तियों के साथ एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा बक्सीरहाट नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी और आम लोगों तक संगठन के सिद्धांतों एवं श्रमिक हितों का संदेश पहुँचाया। शोभायात्रा के दौरान श्रमिकों के अधिकार,

सामाजिक सुरक्षा, कार्यस्थल पर सम्मान तथा संगठनात्मक एकता के समर्थन में विभिन्न नारे लगाए गए। अनुशासित एवं आकर्षक शोभायात्रा ने नगरवासियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

शोभायात्रा के उपरांत बक्सीरहाट बस स्टैंड स्थित सभा मंच पर स्थापना दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, वरिष्ठ सदस्यों एवं संगठन के पदाधिकारियों का उत्तरीय एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। विचार गोष्ठी में संगठन के जिला, प्रखंड एवं स्थानीय नेतृत्व ने श्रमिकों की वर्तमान स्थिति, कार्यस्थलों की विभिन्न समस्याओं तथा संगठन की भावी कार्ययोजना पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि श्रमिकों के न्यायोचित अधिकारों की रक्षा, कार्यस्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने, सामाजिक सम्मान बढ़ाने तथा श्रमिक कल्याण संबंधी गतिविधियों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए भारतीय मजदूर संघ लंबे समय से निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने संगठन की विचारधारा और सिद्धांतों को आधार बनाकर भविष्य में भी श्रमिक हितों के लिए सतत संघर्ष एवं संगठनात्मक गतिविधियाँ जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि देश के आर्थिक विकास एवं उत्पादन व्यवस्था को सशक्त बनाने में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ उनमें कर्तव्यबोध, कार्यकुशलता और सामाजिक एकता की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से युवा श्रमिकों से बड़ी संख्या में संगठन से जुड़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों को संगठन के इतिहास, स्थापना के उद्देश्य तथा पिछले सात दशकों से अधिक समय में भारतीय मजदूर संघ द्वारा श्रमिक कल्याण के लिए किए गए विभिन्न कार्यों और उपलब्धियों की भी जानकारी दी गई। साथ ही असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, रोजगार की स्थिरता तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान सदस्यों एवं समर्थकों का उत्साह और बड़ी संख्या में सहभागिता देखने को मिली। अनुशासित वातावरण में आयोजित यह स्थापना दिवस समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी श्रमिकों के हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती तथा समाज के सभी श्रमिक वर्गों के कल्याण के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। भारतीय मजदूर संघ के 72वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम श्रमिक समाज में एकता, अनुशासन, संगठन और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश प्रसारित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। उपस्थित वक्ताओं एवं प्रतिभागियों ने इसे श्रमिक हितों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल बताया।

राणापुर पुलिस ने 24.84 लाख की अवैध शराब व आयशर वाहन किया जब्त

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेश: पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ श्री देवेन्द्र पाटीदार के द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को अवैध गतिविधीयों में लिप्त अपराधियो की धरपकड करने हेतु लगातार निर्देशित किया गया था, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपालसिंह मोहबिया, एवं एसडीओपी झाबुआ श्री कमलेश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राणापुर उप पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश रावत द्वारा पुलिस टीम बना कर अवैध गतिविधीयो में लिंप्त अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु टीम बना कर रवाना किया, जिसके तारम्य में मुखबीर की सुचना मिली की ग्राम पाडलवा चौराहा पर चार पहिया वाहन आयशर जिसका रजिस्ट्रशन क्रमांक MP09GJ0491 चालक अपने आयशर वाहन में अवैध शराब भर कर ले जा रहा है।

उक्त आयशर को पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर रोका जिसमें वाहन चालक आरोपी मुकेश पिता छबला मुवेल उम्र 24 साल निवासी ग्रामं छापरी व साथी आरोपी प्रताप पिता अजमेर सिह मोरी उम्र 28 साल निवासी ग्राम भुतखेडी के कब्जे से अंग्रेजी शराब बेगपाईपर कम्पनी की कुल 120 पेटीयाँ जिसमें करीब 1036.8 लीटर शराब जिसकी कीमत 984960 रुपये एवं आयशर वाहन क्रमांक MP09GJ0491 कीमती 15,00,000 रुपये कुल सम्पुर्ण मश्रुका किमती 24,84,960 रुपये का विधीवत जप्त कर थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 398/2026 धारा 34(2),36 आबकारी एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। नाम आरोपीः- 1. मुकेश पिता छबला मुवेल उम्र 24 साल निवासी ग्राम छापरी

2. प्रताप पिता अजमेर सिह मोरी उम्र 28 साल निवासी ग्राम भुतखेडी जप्त मश्रुकाः-
1.अंग्रेजी शराब बेगपाईपर कम्पनी की कुल 120 पेटीयाँ जिसमें करीब 1036.8 लीटर शराब जिसकी कीमत 9,84,960 रुपये
2.आयशर वाहन क्रमांक MP09GJ0491 कीमती 15,00,000 रुपये कुल सम्पुर्ण मश्रुका किमती 24,84,960 रुपये। सराहनीय कार्यः- उक्त सराहनीय कार्यवाही मे थाना राणापुर प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश रावत, उपनिरीक्षक राहुल भिडे, सहायक उपनिरीक्षक अमरसिंह बिलवार, प्रधान आरक्षक 182 जितेन्द्र पुरी, प्रधान आरक्षक 384 गुलाबसिहं, प्रधान आरक्षक 577 जितेन्द्र, आरक्षक 607 दिनेश भयडिया एवं आरक्षक 57 अनिल का महत्वपुर्ण योगदान रहा।

नशे के कथित कारोबार को लेकर उठे सवाल, बाइक चोरी की घटनाओं से बढ़ी चिंता

अज्जू प्रसाद साहू

मध्य प्रदेश: शहडोल जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में कथित तौर पर कोरेक्स और गांजे की अवैध बिक्री को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों का कारोबार एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। इसी के साथ इलाके में बाइक चोरी जैसी घटनाओं के सामने आने से लोगों की चिंता भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नशे का अवैध कारोबार युवाओं के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में कुछ स्थानों पर कथित तौर पर नशीले पदार्थों की बिक्री की जा रही है। ऐसे में पुलिस की नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है।

वहीं, धनपुरी क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाओं को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर नशे की बिक्री पर प्रभावी तरीके से रोक लगाई जाए तो अपराध से जुड़े मामलों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, बाइक चोरी की घटनाओं के पीछे नशे के कारोबार या नशे की लत का सीधा संबंध है या नहीं, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ कथित नशे के कारोबारी पुलिस कार्रवाई से बेखौफ होने का दावा करते हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पुलिस के लिए जरूरी है कि वह शिकायतों की निष्पक्ष जांच करे और यदि अवैध गतिविधियों की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे।

मामले की जानकारी धनपुरी पुलिस को दिए जाने के बाद पुलिस ने नशे के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अब लोगों की नजर पुलिस की आगामी कार्रवाई पर है। स्थानीय लोगों की मांग है कि नशे के कथित कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाए और बाइक चोरी जैसी घटनाओं पर भी प्रभावी रोक लगाई जाए। फिलहाल पूरे मामले में पुलिस की जांच और कार्रवाई का इंतजार है। नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

छात्रों ने उठाया प्रकृति बचाने का बीड़ा, अरण्य सप्ताह में किया पौधारोपण

गोबिंदा दास

वेस्ट बंगाल: पर्यावरण संरक्षण वन क्षेत्र के विस्तार तथा आने वाली पीढ़ी में प्रकृति के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से तूफानगंज विवेकानंद विद्यालय की ओर से गरिमापूर्ण ढंग से अरण्य सप्ताह 2026 मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्र-छात्राओं तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी से पूरा कार्यक्रम हरित संदेश का उत्सव बन गया। कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा तथा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया।

इसके पश्चात विद्यालय की ओर से आमंत्रित अतिथियों का बैज, उत्तरीय एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। दीप प्रज्वलन तथा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन हुआ। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति, पर्यावरण

जागरूकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम में डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (DFO), असिस्टेंट डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (ADFO), वन विभाग के विभिन्न बीट अधिकारी, शिक्षा विभाग के असिस्टेंट इंस्पेक्टर (अक), उपमंडलाधिकारी (SDO) सहित अनेक विशिष्ट प्रशासनिक अधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई।

चर्चा सत्र में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, वायु प्रदूषण तथा प्राकृतिक संतुलन के बिगड़ने के कारण विश्वभर में अनेक पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हो रहे हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। हालांकि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें बड़ा करने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी सभी को समान रूप से निभानी होगी। वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि विद्यालय और परिवार के संयुक्त प्रयास से बच्चों में बचपन से ही पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित की जानी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. विक्रमजीत साहा ने अपने संबोधन में कहा, "पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। एक पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और रहने योग्य पृथ्वी के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए हमारी अपेक्षा है कि प्रत्येक छात्र-छात्रा कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं निभाए।"

उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय में केवल पाठ्यपुस्तकों की शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। अरण्य सप्ताह जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अरण्य सप्ताह के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना, वृक्षारोपण के महत्व के प्रति व्यावहारिक समझ विकसित करना तथा हरित, प्रदूषण-मुक्त और सतत भविष्य के निर्माण का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना था। विद्यालय की इस पहल की उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों तथा स्थानीय लोगों ने विशेष रूप से सराहना की।

श्रावण शिवरात्रि पर बस्ती में मेगा ट्रैफिक प्लान लागू, कई मार्गों पर रहेगा रूट डायवर्जन

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: बस्ती में श्रावण शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारु एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए बस्ती पुलिस ने व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन योजना लागू की है। राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर शहर के प्रमुख मार्गों तक वाहनों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक रूट निर्धारित किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से यात्रा पर निकलने से पहले रूट डायवर्जन की जानकारी लेने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

जारी ट्रैफिक प्लान के अनुसार लखनऊ, बाराबंकी, गोण्डा, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, अंबेडकरनगर और गोरखपुर की ओर से आने-जाने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। लखनऊ से आने वाले वाहन शहीद पथ के रास्ते पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। वहीं बाराबंकी, गोण्डा और परशुरामपुर की ओर से आने वाले वाहनों को जरवल रोड, कर्नलगंज, उतरौला और डुमरियागंज मार्ग से भेजा जाएगा।

संतकबीरनगर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए दुर्गा मंदिर मगहर, टेमा रहमत, बिड़हरघाट, धनघटा और मेंहदावल रोड समेत कई स्थानों पर रूट डायवर्जन लागू रहेगा। इसके अलावा बस्ती से सिद्धार्थनगर और अंबेडकरनगर जाने वाले वाहनों को कलवारी चौराहे से गायघाट, कुदरहा और लालगंज मार्ग का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। गोरखपुर से बस्ती आने वाले वाहनों को लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ा जाएगा, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात का दबाव कम रहे। शहर के भीतर भी कई प्रमुख चौराहों पर विशेष यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। शास्त्री चौक, चेतक तिराहा, फव्वारा तिराहा, गड़गोड़िया तिराहा, अस्पताल चौराहा और सोनूपार सहित कई स्थानों पर बैरियर लगाए जाएंगे। इन मार्गों पर सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा और उन्हें वैकल्पिक रास्तों से उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए कांवड़ियों के वाहनों के लिए भी अलग ट्रैफिक व्यवस्था बनाई गई है। फुटहिया, बड़ेबन, पटेल चौक, हड़िया चौराहा, परसा जाफर, पॉलीटेक्निक चौराहा, शास्त्री चौक, चेतक तिराहा, दक्षिण दरवाजा, पाण्डेय बाजार, जिगना चौराहा, करूआ बाबा तिराहा और रेलवे स्टेशन सहित कुल 18 स्थानों पर विशेष रूट डायवर्जन लागू रहेगा। रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अतिरिक्त यातायात प्रबंधन भी किया गया है। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने अलग इमरजेंसी ट्रैफिक प्लान भी तैयार किया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और वाहन चालकों से अपील की है कि वे पुलिस के निर्देशों का पालन करें, निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें और श्रावण शिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण बनाने में सहयोग दें।

कुंदरकी में 73 स्थानों पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि और नए ट्रांसफार्मर लगाने को मंजूरी

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। विधायक ठा. रामवीर सिंह (एड.) ने लखनऊ में ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के अपर मुख्य सचिव से शिष्टाचार भेंट कर विधानसभा क्षेत्र में ओवरलोड विद्युत ट्रांसफार्मरों के कारण आमजन को हो रही समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि तथा आवश्यक स्थानों पर नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना की

मांग प्रमुखता से रखी। विधायक की मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के 73 स्थानों पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि एवं आवश्यक स्थानों पर नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा ओवरलोड ट्रांसफार्मरों के कारण होने वाली विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं से हजारों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

बैठक के दौरान विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में उपभोक्ताओं को मिल रहे गलत एवं अत्यधिक विद्युत बिलों की गंभीर समस्या भी प्रमुखता से उठाई। उन्होंने अपर मुख्य सचिव से त्रुटिपूर्ण बिजली बिलों के तत्काल संशोधन, बिलिंग प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू किए जाने की मांग की। विधायक ने कहा कि कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय को शासन स्तर पर पूरी मजबूती के साथ उठाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्युत बिलों से संबंधित समस्याओं के समाधान की दिशा में भी शीघ्र प्रभावी कार्रवाई होगी, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता के हितों की रक्षा एवं विकास कार्यों को गति देने का उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

चौकी सिंहपुरा पुलिस ने नशा तस्करी पर मारी बड़ी कार्रवाई

दर्शन सिंह

हरियाणा: डबवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चौकी सिंहपुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गांव दादू से काबू कर उसके कब्जे से 11 ग्राम हेरोइन बरामद करने में सफलता हासिल की है। काबू किए गए आरोपी की पहचान निर्मल सिंह पुत्र बिंदर सिंह निवासी दादू जिला सिरसा के रूप में हुई है। इस कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए प्रभारी चौकी सिंहपुरा पीएसआई सुखचैन ने बताया कि दिनांक

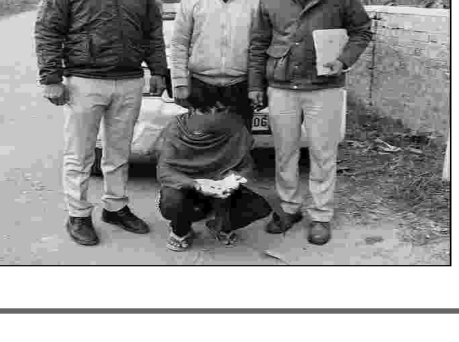

10.01.2025 को वे स्वयं अपनी टीम के साथ नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गशत करते हुए गांव दादू से कमाल की और जा रहे थे कि उन्हें गांव दादू के वाटर वर्क्स के पास एक लड़का खड़ा दिखाई दिया । जिसने पुलिस टीम को सामने देख भागने की कोशिश की। जो उन्होंने किसी अपराध का अंदेशा होने पर साथी कर्मचारियों की सहायता से उक्त शख्स को काबू कर उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम निर्मल सिंह निवासी दादू बताया।

जब उक्त शख्स की कोई नशीला पदार्थ होने के शक में नियमानुसार तलाशी ली गई ।जो तलाशी के दौरान उक्त शख्स से पारदर्शी पन्नी में 11 ग्राम हेरोइन बरामद हुई । जो आरोपी के विरुद्ध थाना कालांवाली में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। आरोपी को आज अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की जा जाएगी और इस हेरोइन तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के बारे में जानकारी हासिल कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

झाबुआ कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान, स्वच्छता का दिया संदेश

मोहम्मद खान

मध्य प्रदेश: स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बनाए रखने के उद्देश्य से आज शनिवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर झाबुआ में स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान किया जाता है। इसी क्रम में शनिवार को कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान कर कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर के विभिन्न हिस्सों में सफाई करते हुए स्वच्छता का

संदेश दिया। श्रमदान के पश्चात उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा अपने कार्यस्थल एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन की गतिविधि न होकर हमारी नियमित कार्यशैली और व्यवहार का हिस्सा होनी चाहिए। स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यस्थल से सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है और कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए नियमित रूप से श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लक्ष्य को स्थायी रूप देने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ सामूहिक सहभागिता भी आवश्यक है। नियमित स्वच्छता गतिविधियों के माध्यम से कार्यालयों के साथ-साथ समाज में भी स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचता है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की।

एक नजर

राणापुर में पहली बार भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारियों का आगमन

मुजफ्फर खान शेख/मध्य प्रदेश: भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश के प्रदेश संयोजक धीरज जी खंडेलवाल, प्रदेश सह-संयोजक निर्मल जी अग्रवाल, व्यापारी प्रकोष्ठ के कार्यालय प्रभारी प्रवीण नीखरा तथा वैश्य महासम्मेलन इंदौर के जिला प्रभारी एवं समाजअध्यक्ष अजय सोडाणी जी का 1 अगस्त 2026 (शनिवार) को सायं 6:00 बजे प्रथम बार राणापुर नगर आगमन होगा। नगर में पहली बार प्रदेश स्तर के व्यापारी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के आगमन को लेकर स्थानीय व्यापारियों एवं व्यापारी संगठनों में उत्साह का वातावरण है। उनके स्वागत की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

व्यापारी संगठन द्वारा राणापुर नगर के समस्त व्यापारी बंधुओं, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अतिथियों का आत्मीय एवं भव्य स्वागत करें तथा कार्यक्रम को सफल बनाएं। आयोजकों का कहना है कि यह आगमन राणापुर के व्यापारिक हितों एवं संगठन को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।

औढ़ा थाना पुलिस ने नशा तस्करी नेटवर्क पर की बड़ी कार्रवाई

दर्शन सिंह/हरियाणा: डबवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना औढ़ा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए हेरोइन तस्करी के मामले में वांछित मुख्य तस्कर को प्रोडक्शन वारंट पर काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान केवल सिंह उर्फ कैली पुत्र खेता सिंह निवासी घुकांवाली के रूप में हूई है। इस मामले के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रबंधक थाना औढ़ा नि. अनिल कुमार ने बताया कि दिनांक 15.12.2025 को सीआईए स्टाफ डबवाली ने गस्त पड़ताल अपराध व नशीले पदार्थों की रोकथाम के दौरान गांव खाई शेरगढ़ के स्टेडियम के नजदीक आरोपी गोपी राम पुत्र रणजीत उर्फ जीत कुमार निवासी खाई शेरगढ़ जिला सिरसा को 08.11 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया था। जिसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना औढ़ा में अभियोग दर्ज कर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की तलाश शुरू की थी। जो आरोपी गोपी राम से की गई प्रारंभिक पूछताछ के आधार पर उन्होंने आरोपी केवल उर्फ कैली को माननीय न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त पर विधिवत काबू कर अभियोग में शामिल तफ्तीश कर बंद जेल सिरसा करवाया गया।

संतकबीरनगर में 6 महीने से लापता नाबालिग सकुशल बरामद, महुली पुलिस की तत्परता से मिली राहत

इरशाद अहमद/उत्तर प्रदेश: पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर के निर्देशन में महुली पुलिस की तत्परता से गुमशुदा नाबालिग बालक सकुशल बरामद माता-पिता की उम्मीद बनी महुली पुलिस की जिम्मेदारी व अथक प्रयासों से बालक को सुरक्षित तलाशकर किया बरामद पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर श्री संदीप कुमार मीणा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्री सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी धनघटा श्री अभयनाथ मिश्र के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की बरामदगी अभियान के क्रम में थाना महुली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक गुमशुदा नाबालिग बालक को सकुशल बरामद किया।

थाना महुली क्षेत्र की एक महिला द्वारा अपने नाबालिग पुत्र के दिनांक 26.01.2026 से लापता होने की सूचना दिए जाने पर, माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में दिनांक 06.08.2026 को थाना महुली पर मु0अ0सं0 322/2026 धारा 143 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार तलाश एवं सूचना संकलन के उपरांत दिनांक 07.08.2026 को बालक को सकुशल बरामद कर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई। बालक की सकुशल बरामदगी से परिजनों ने राहत की सांस ली। थाना महुली पुलिस ने पूरे प्रकरण में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए यह सुनिश्चित किया कि बालक को विधिक प्रक्रिया के अनुरूप सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया जाए।

यातायात पुलिस का अभियान, सड़क किनारे से हटाया गया अतिक्रमण; लोगों को किया जागरूक

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: आज दिनाँक 06.08.2026 को पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर श्री संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर श्री सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी यातायात श्री अमित कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात श्री परमहंस द्वारा मुखलिसपुर तिराहा, से लेकर पुरानी सब्जी मण्डी तक अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया तथा फुटपाथ के किनारे अवैध रूप से लगाये गये ठेले, अनियमित तरीके से किये गये वाहन पार्किंग/वाहन स्टैण्ड द्वारा किये गए अतिक्रमण को हटाया गया । आम जनमानस को यातायात जागरुकता के नियमों के बारें में जागरुक करते हुए वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड से न चलाने के साथ लोगों से अपील भी किया गया कि वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें।

श्रावण मास में सीता रसोई का सेवा अभियान जारी, 350 जरूरतमंदों को कराया भोजन

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: श्रावण मास में सीता रसोई निरंतर कर रही है भंडारा - उदयभान सिंह सर्वप्रयास सीता रसोई ट्रस्ट के तत्वाधान में महानगर के विभिन्न स्थानों पर निरंतर चलने वाले निःशुल्क भोजन वितरण सेवा प्रकल्प के अंतर्गत दिनांक 4अगस्त2026 को श्रावण मास के प्रथम मंगलवार को दिल्ली रोड मिलन विहार गेट पर दोपहर 12 बजे से निःशुल्क भोजन वितरण की सेवा की गई जिसमें लगभग 300-350 राहगीरों व जरूरतमंदों ने भोजन ग्रहण किया जिसमें पूरी सब्जी हलवा व खीर का वितरण किया गया।

संस्था की ओर से भोजन वितरण स्थल पर शीतल जल की व्यवस्था भी की गई थी।

आज की भोजन वितरण सेवा संस्था के संस्थापक सदस्य इं. सुनील कुमार शर्मा जी की प्रेरणा से श्रीमती निधि त्यागी (धर्मपत्नी श्री भीष्म त्यागी जी) द्वारा अपने जन्मदिवस के शुभावसर पर आयोजित की गई थी। उपस्थित सभी सदस्यों ने श्रीमती निधि त्यागी

जी को उनके जन्मदिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

आज की सेवा में सहयोग हेतु संस्था के समस्त सदस्य व पदाधिकारीगण उपस्थित सहयोग रहे। इसके अतिरिक्त सायंकाल में 6:30 बजे संस्था की और से बुद्धिविहार स्थित श्रीहनुमान वाटिका में प्रत्येक मंगलवार को होने वाली हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया जिसमें पार्क और उसके आसपास से बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी सम्मिलित हुये। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत वहां उपस्थित समस्त श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण भी किया गया। संस्था के अध्यक्ष उदयभान सिंह ने बताया कि संस्था की और से प्रत्येक मंगलवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता है तथा प्रत्येक 11 मंगलवार के पश्चात सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन भी किया जाता है। इसी क्रम में आज ये 36वां सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया है। अभी तक संस्था की ओर से तीन सुन्दरकांड के पाठ व भंडारे का आयोजन किया जा चुका है। इस धार्मिक आयोजन में संस्था को स्थानीय निवासियों की ओर से भी बढ़ चढ़ कर सहयोग मिलता है। कार्यक्रम में संस्था की ओर से हृदयेश कुमार सिंह,उदयभान सिंह, इं. सुनील कुमार शर्मा, सत्य प्रकाश वार्ष्णेय, राकेश वर्मा, दीपक गुप्ता, विवेक पांडेय, शरद माथुर, जूही माथुर, शिवओम गुप्ता, रूपचंद मित्तल, धीरज गुप्ता, धर्म प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ड्रग्स सिंडिकेट पर पुलिस का बड़ा प्रहार, स्कूल-कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाने वाले चार तस्कर गिरफ्तार

नरेंदर

उत्तर प्रदेश: नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से प्रतिबंधित और महंगे नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहे थे तथा उनका मुख्य निशाना स्कूल, कॉलेज और हॉस्टलों में रहने वाले छात्र-छात्राएं थे। आरोप है कि गिरोह युवाओं को नशे की लत लगाकर अपने अवैध कारोबार का विस्तार कर रहा था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लगभग 15 लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। बरामद सामग्री में 1.050 किलोग्राम शिलॉन्ग गांजा,

70 ग्राम शैम्पेन एमडी और 75 ग्राम ओजी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक ये नशीले पदार्थ युवाओं के बीच ऊंची कीमत पर बेचे जाते हैं और इनकी मांग भी अधिक रहती है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सुनियोजित तरीके से शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सक्रिय रहते थे और छात्रों तक ड्रग्स की सप्लाई करते थे। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह का नेटवर्क अन्य जिलों और राज्यों तक फैला हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है और पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि नशीले पदार्थ कहां से मंगाए जाते थे, किन-किन माध्यमों से उनकी सप्लाई होती थी और इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि पूछताछ के आधार पर ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों और सप्लायरों की भी पहचान की जा सकेगी।

अधिकारियों ने बताया कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और समाज में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ड्रग्स तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस कार्रवाई को युवाओं के भविष्य की सुरक्षा और नशा मुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जोबनेर में स्कूल बस और स्कॉर्पियो की आमने-सामने भिड़ंत, डेढ़ दर्जन बच्चे घायल

लक्ष्मण प्रजापत

राजस्थान: जोबनेर में शनिवार को जोबनेर-महलां मार्ग पर बच्चों से भरी स्कूल बस और स्कॉर्पियो की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गए। हादसे में स्कूल बस में सवार करीब डेढ़ दर्जन बच्चे घायल हो गए। इनमें से 9 बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, जोबनेर-महलां मार्ग पर टैगोर स्कूल की बाल वाहिनी बस बच्चों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत के बाद दोनों वाहन पलट गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची

हादसे की सूचना मिलते ही जोबनेर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे बच्चों को बाहर निकालकर तत्काल जोबनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद 9 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं स्कॉर्पियो में सवार यात्रियों को भी चोटें आई हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो सवार लोग चित्तौड़ से खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के कारण मार्ग पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हादसे के बाद स्कूल बसों की रफ्तार और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

खलीलाबाद में MSME ऋण आउटरीच कैंप, करीब 100 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: संत कबीर नगर 07 अगस्त 2026(सूचना विभाग)। देशव्यापी एमएसएमई ऋण आउटरीच अभियान के अंतर्गत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, गोरखपुर क्षेत्र द्वारा खलीलाबाद में एक भव्य एमएसएमई ऋण आउटरीच कैम्प का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में संतकबीरनगर सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों, व्यापारियों तथा बैंक के ग्राहकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान बैंक द्वारा पात्र ग्राहकों को लगभग ?100 करोड़ के ऋणों की स्वीकृति एवं अग्रिम स्वीकृति प्रदान की गई। यह

आयोजन बैंक की ग्राहक-केंद्रित कार्यशैली, वित्तीय समावेशन तथा स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी), संतकबीरनगर के सहायक आयुक्त जितेंद्र गौतम, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विभोर अग्रवाल, मुख्य प्रबंधक श्री गौरव कुमार राय सहित बैंक के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैम्प में ग्राहकों की सुविधा हेतु विभिन्न सेवा काउंटर स्थापित किए गए, जहाँ "आपकी पूंजीझआपका अधिकार", फ्री-ङउ एवं उङउ, यूआरसी (वफ्छ), ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, तथा बैंक की विभिन्न ऋण एवं जमा योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रमुख श्री विभोर अग्रवाल ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप त्वरित, पारदर्शी एवं सहज वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बैंक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों, युवाओं, महिला उद्यमियों तथा स्वरोजगार से जुड़े व्यक्तियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक आकर्षक ऋण योजनाएँ संचालित कर रहा है, जिससे रोजगार सृजन एवं स्थानीय आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है।

श्री राम सेना का अलीगढ़ में विस्तार, केडी भैया फिर बने जिला अध्यक्ष; नई कार्यकारिणी घोषित

नरेंदर

उत्तर प्रदेश: श्री राम सेना संगठन ने अलीगढ़ जनपद में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू यशराज के नेतृत्व में गठित नई टीम में अनुभवी एवं सक्रिय कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने योगेश कुमार उर्फ (केडी भैया) पर एक बार फिर विश्वास जताते हुए उन्हें पुनः अलीगढ़ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके नेतृत्व में संगठन को जिले के प्रत्येक क्षेत्र में मजबूत करने,

सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नई कार्यकारिणी में लवकुश दिवाकर को जिला उपाध्यक्ष, प्रिंस चौहान को उपाध्यक्ष, गौरव कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुण कोहली को जिला सचिव, अतुल कुमार को जिला कोषाध्यक्ष, प्रदीप कुमार को जिला संयोजक, शिव कुमार (उर्फ बाबा) को जिला महामंत्री, नरेंद्र सिंह को जिला महासचिव तथा परवीन सिंह 'संजू फौजी' को जिला प्रचार प्रमुख नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू यशराज ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री राम सेना संगठन राष्ट्रहित, समाज सेवा, गौ संरक्षण, सनातन संस्कृति के संरक्षण और जनकल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाता रहेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे तथा

दिल्ली विधानसभा में भाषिणी की एआई लाइव ट्रांसक्रिप्शन और अनुवाद प्रणाली का पायलट ट्रायल शुरू: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को सदन की शुरूआत में घोषणा की कि दिल्ली विधानसभा ने डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग को सदन की कार्यवाही के दौरान अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित लाइव ट्रांसक्रिप्शन (सजीव प्रतिलेखन) और अनुवाद प्रणाली के प्रायोगिक परीक्षण (पायलट ट्रायल) के लिए आमंत्रित किया है। इस पहल का उद्देश्य विधाई कार्यों में आधुनिक तकनीक के उपयोग से दक्षता, पारदर्शिता और उत्पादकता बढ़ाने की संभावनाओं का आकलन करना है।

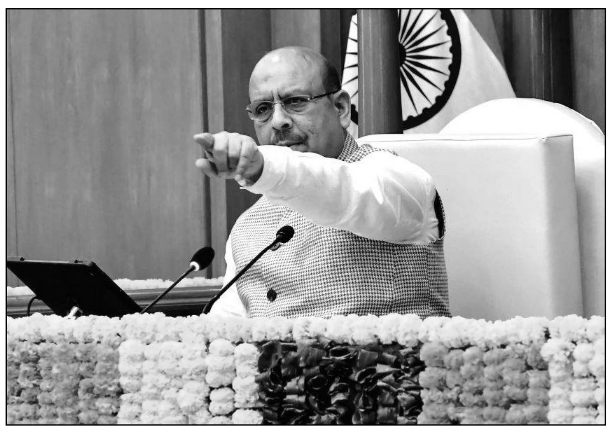

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि भाषिणी, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा जुलाई, 2022 में गुजरात के गांधीनगर में आयोजित डिजिटल इंडिया सप्ताह के दौरान किया गया था, राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन है। इसका उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को उनकी पसंदीदा भारतीय भाषा में डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं और इंटरनेट तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यह मंच बहुभाषी शासन को मजबूत करने और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी विधाई सदन में भाषिणी की लाइव ट्रांसक्रिप्शन और अनुवाद प्रणाली की पहली प्रायोगिक तैनाती है। उन्होंने बताया कि यह पहल दिल्ली विधानसभा की नवाचार और अत्याधुनिक तकनीक अपनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिससे भविष्य में सदन की कार्यवाही अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुलभ बनाई जा सके।

विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि यह पायलट ट्रायल पूरी तरह मूल्यांकन आधारित होगा। ट्रांसक्रिप्शन की गुणवत्ता और संपूर्ण प्रणाली के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी तथा परीक्षण के दौरान सामने आने वाली सभी टिप्पणियों और तकनीकी चुनौतियों का समाधान किया जाएगा। प्राप्त फीडबैक के आधार पर प्रणाली को दिल्ली विधानसभा की आवश्यकताओं के अनुरूप और अधिक परिष्कृत एवं अनुकूलित किया जाएगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि पायलट ट्रायल सफल रहता है, तो दिल्ली विधानसभा अपनी अन्य कार्यात्मक शाखाओं में भी इसी प्रकार के एआई-सक्षम समाधान अपनाने की संभावनाओं पर विचार करेगी, जिससे विधानसभा की कार्यप्रणाली को और अधिक आधुनिक एवं तकनीक-सक्षम बनाया जा सके।

विधानसभा में ओ-जोन का मुद्दा गूंजा, कपिल मिश्रा बोले- किसी का घर नहीं टूटेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन ओ-जोन क्षेत्र में रहने वाले लोगों की चिंता सदन में प्रमुखता से उठी। इस पर दिल्ली सरकार की ओर से मंत्री कपिल मिश्रा ने स्पष्ट किया कि ओ-जोन क्षेत्र में रहने वाले लोगों के घरों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही है कि वहां रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शुक्रवार को विधानसभा की कार्यवाही राष्ट्रगीत के साथ आरंभ हुई। इसके बाद महरौली अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों तथा पूर्व विधायक बलजौर सिंह के निधन पर सदन ने श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद नियम 280 के अंतर्गत विशेष उल्लेख के दौरान विभिन्न विधायकों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे सदन में उठाए। इसी क्रम में अवैध निर्माण और ओ-जोन क्षेत्र में संभावित कार्रवाई का विषय भी चर्चा में आया। सदन में जवाब देते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि ओ-जोन क्षेत्र में लगभग 30 लाख लोग निवास करते हैं। सरकार की प्राथमिकता यह है कि वहां रहने वाले किसी भी व्यक्ति का घर न टूटे। उन्होंने कहा कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से कार्य कर रही है और ओ-जोन में किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी। कार्यवाही के दौरान विपक्ष की ओर से लगातार हंगामा किए जाने पर विधानसभा अध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाया।

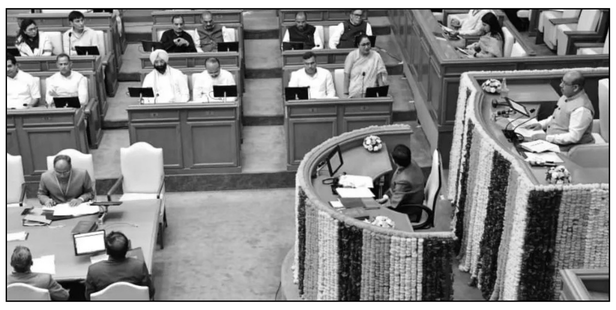

भारी बारिश से दिल्ली में जलभराव, यातायात प्रभावित; आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार को हुई भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव होने के साथ यातायात प्रभावित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए ह्यरेड अलर्टह्न जारी करते हुए अगले कुछ घंटों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के अनेक हिस्सों में मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने और बिजली गिरने का पूवार्नुमान जताया है। बारिश के कारण महरौली-बदरपुर मार्ग, आईटीओ, वजीराबाद मार्ग, पटेल मार्ग, रोहतक मार्ग, शंकर मार्ग, कीर्ति नगर मार्ग, दिल्ली-जयपुर राजमार्ग, पीरागढ़ी और शाहीन बाग मार्गों पर यातायात जाम रहा। इसके अलावा जीटी मार्ग, जीटीबी एन्क्लेव और दिलशाद गार्डन सहित पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में भी यातायात प्रभावित रहा।

इस बीच, सोशल मीडिया उपयोगकताओं ने दक्षिणपुरी, ओखला, संगम विहार, सैनिक फार्म्स और महरौली-बदरपुर मार्ग के कुछ हिस्सों सहित कई इलाकों में जलभराव होने की सूचना दी है। आईएमडी के अनुसार, शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक सफदरजंग मौसम केंद्र में 59.2 मिलीमीटर (मिमी) बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा लोधी मार्ग में 60.4 मिमी, रिज क्षेत्र में 57 मिमी, आयानगर में 26.2 मिमी और पालम में 16.9 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने 10 अगस्त तक दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

दिल्ली की सड़कों पर सफर अब होगा और सुरक्षित

गूगल मैप और मैपमाइइंडिया बताएंगे हादसे वाले क्षेत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वाहन चलाने वालों को अब रास्ते में आने वाले हादसे संभावित क्षेत्रों की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तकनीक आधारित नई पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत दिल्ली की सड़कों पर चिन्हित दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के करीब पहुंचते ही वाहन चालकों को गूगल मैप और मैप मई इंडिया के माध्यम से अलर्ट मिलेगा।

साथ ही डिजिटल मैपिंग प्लेटफार्म पर दिल्ली की सड़कों की निर्धारित अधिकतम गति सीमा की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रैफिक की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयंता गोयल आर्या ने शुक्रवार को बताया कि ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि सड़क पर संभावित खतरे और निर्धारित गति सीमा की जानकारी समय रहते मिलने से चालक अधिक सतर्क होकर वाहन चलाएंगे। इससे सड़क दुर्घटनाओं और वाहनों की टक्कर के मामलों में कमी लाने में मदद मिलेगी। यह पहल खासतौर पर तेज रफ्तार या परिस्थितियों के अनुरूप अधिक गति से वाहन चलाने के कारण होने वाले हादसों को रोकने में उपयोगी साबित हो सकती है। हादसे वाले क्षेत्र के पास पहुंचते ही मिलेगा अलर्ट दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, दिल्ली की सड़कों पर ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां दुर्घटनाओं का खतरा अधिक रहता है। इन चिन्हित क्षेत्रों के संबंध में जानकारी डिजिटल नेविगेशन प्लेटफार्म से जोड़ी जाएगी। जब कोई वाहन चालक ऐसे क्षेत्र की ओर बढ़ेगा तो गूगल मैप और मैप माई इंडिया के जरिए उसे अलर्ट मिलेगा। इसका उद्देश्य चालक को पहले से सतर्क करना है, ताकि वह अपनी गति नियंत्रित कर सके और सड़क की परिस्थितियों को देखते हुए सावधानी से वाहन चलाए। नई पहल के तहत दिल्ली की सड़कों पर लागू निर्धारित अधिकतम गति सीमा की जानकारी भी डिजिटल मैपिंग प्लेटफार्म के जरिए वाहन चालकों तक पहुंचाई जाएगी।

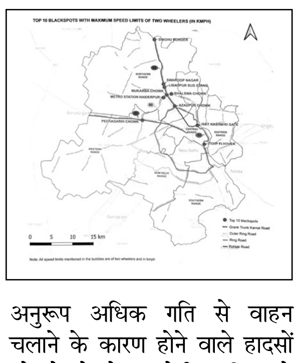

इससे चालक जिस सड़क पर सफर कर रहा होगा, वहां लागू गति सीमा को आसानी से जान सकेगा। ट्रैफिक पुलिस को उम्मीद है कि इससे गति सीमा के पालन को बढ़ावा मिलेगा और तेज रफ्तार के कारण होने वाले हादसों को कम करने में मदद मिलेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पहले से ही तकनीक का इस्तेमाल सड़क की स्थिति और यातायात प्रबंधन के लिए कर रही है।

इसके जरिए वाहन चालकों तक सड़क की स्थिति, ट्रैफिक जाम, अधिक यातायात वाले क्षेत्र, डायवर्जन, सड़क बंद होने और यातायात से जुड़े अन्य घटनाक्रमों की जानकारी समय पर पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इससे लोग अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं और जरूरत के अनुसार वैकल्पिक मार्ग चुन सकते हैं।

आआपा विधायकों ने दवा घोटाले पर विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन, मांगा स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा के बाहर कथित 650 करोड़ के दवा घोटाले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर स्वास्थ्य क्षेत्र में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन के दौरान आआपा विधायक संजीव झा ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार लगातार घोटालों में लिप्त है और पूरे दिल्ली को लूट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 650 करोड़ का दवा घोटाला सामने आया है। संजीव झा ने कहा कि यह आरोप उनकी पार्टी नहीं बल्कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की रिपोर्ट के आधार पर सामने आए हैं। इसके बावजूद अब तक किसी जिम्मेदार मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया है। विधायक कुलदीप कुमार ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 650 करोड़ के कथित स्वास्थ घोटाले के खिलाफ पार्टी स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा मांग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की खरीद 3 से 5 गुना अधिक कीमत पर कर जनता के पैसे का दुरुपयोग किया।

विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि कथित दवा घोटाले की जानकारी अब सभी के सामने है और विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। आरोप लगाया कि लक्ष्मी योजना के नाम पर महिलाओं के साथ धोखा किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना में इतनी शर्तें जोड़ दी गई हैं कि बड़ी संख्या में महिलाएं इसका लाभ नहीं उठा पाएंगी। आआपा ने मांग की है कि कथित दवा घोटाले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दिल्ली लक्ष्मी योजना पर महिलाओं ने जताया आभार, विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री का हुआ स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र की शुरूआत से पहले शुक्रवार को विधानसभा परिसर में उस समय भावुक माहौल देखने को मिला, जब बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का गर्मजोशी से स्वागत किया। महिलाओं ने पुष्पमालाएं पहनाकर, ढोल-नगाड़ों के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया और दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू किए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए योजना को महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। महिलाओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को आत्मसम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने वाली एक व्यापक पहल है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस योजना से लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा तथा महिलाओं को विकास और आत्मनिर्भरता के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा

कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र महिला तक योजना का लाभ पारदर्शी, सरल और समयबद्ध ढंग से पहुंचे। रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवेदन प्रक्रिया को अधिक से अधिक सरल और सुगम बनाया जाए, ताकि किसी भी पात्र महिला को योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि महिलाओं का विश्वास, स्नेह और समर्थन सरकार के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और इसी भावना के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए भविष्य में भी नई जनहितकारी योजनाएं लाती रहेगी तथा महिलाओं को अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, जलभराव और जाम से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शुक्रवार को लगातार हो रही वर्षा से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। हालांकि, कई क्षेत्रों में जलभराव और यातायात बाधित होने से आम जनजीवन प्रभावित रहा। सड़कों पर पानी भरने के कारण कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, विद्यालयी विद्यार्थियों और राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए वर्षा का पीला सतर्कता संकेत जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 7 अगस्त को राजधानी में मध्यम से तेज वर्षा होने की संभावना है। दिन का अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि दिनभर बादल छाए रहेंगे तथा कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ क्षेत्रों में तेज वर्षा भी हो सकती है। शाम और रात्रि के समय भी वर्षा का क्रम जारी रहने की संभावना व्यक्त की गई है। लगातार हो रही वर्षा के कारण राजधानी के अनेक क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। कनॉट प्लेस, आईटीओ, सरदार पटेल मार्ग, पंत मार्ग, बीडी मार्ग, मंडी हाउस, धौला कुआं, आश्रम, कालकाजी, लाजपत नगर, दिल्ली कैंट, जनकपुरी, डाबड़ी, द्वारका और उत्तम नगर सहित कई इलाकों की सड़कें तथा गलियां पानी से भर गईं। कई स्थानों पर वाहन पानी में फंस गए, जबकि लोगों को जलभराव के बीच होकर आवागमन करना पड़ा। सदर बाजार में भी तेज वर्षा के बाद संकरी गलियों में घुटनों तक पानी भर गया। जलभराव के कारण बाजार में आने-जाने वाले लोगों और दुकानदारों को परेशानी हुई। कई दुकानों में वर्षा का पानी प्रवेश कर गया, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा,

गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी वर्षा का व्यापक असर देखने को मिला। गौतम बुद्ध नगर में तड़के सुबह शुरू हुई वर्षा ने यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों और मुख्य सड़कों पर लंबा जाम लग गया। मॉडल टाउन गोल चक्कर के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग-9 की मुख्य लेन पर एक निजी बस खराब होने से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके अलावा सेक्टर-52, पर्थला चौक, कालिंदी कुंज और सेक्टर-18 सहित कई मार्गों पर भी यातायात धीमा रहा। ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा क्षेत्र में लगातार वर्षा के कारण सड़क पर भारी जलभराव हो गया। सड़क पर इतना पानी जमा हो गया कि वह नदी जैसी दिखाई देने लगी। इसके चलते वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और लोगों को आवाजाही में कठिनाई का सामना करना पड़ा। गुरुग्राम और फरीदाबाद के कई क्षेत्रों में भी वर्षा के बाद सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे दैनिक आवागमन प्रभावित रहा। वहीं, दिल्ली के पटेल नगर सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी जलभराव की तस्वीरें सामने आईं, जहां लोग पानी से भरी सड़कों के बीच आवागमन करने को मजबूर दिखाई दिए। मौसम विभाग ने नागरिकों से वर्षा के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने, जलभराव वाले मार्गों से बचने तथा यातायात संबंधी परामर्श का पालन करने की अपील की है।

भारतीय व्यापार महोत्सव 12 अगस्त से होगा शुरू

भारत मंडपम में आयोजित होने वाला महोत्सव चार दिन चलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (आईटीपीओ) के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय व्यापार महोत्सव (बीवीएम) 2026 का आयोजन 12 अगस्त से भारत मंडपम में होगा।

यह चार दिवसीय महोत्सव भारत की आर्थिक शक्ति, आत्मविश्वास, नवाचार और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं पर केंद्रित होगा। चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रेस वार्ता कर बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। साथ में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और कैट की रणनीतिक सलाहकार स्मृति ईरानी

शामिल होंगी। खंडेलवाल के कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प को धरातल ओर उतारने का ऐतिहासिक आयोजन है। इसमें 700 से अधिक स्टॉल लगेंगे। बड़ी संख्या में व्यापारियों के साथ-साथ 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल और खरीदार शिरकत करेंगे। महोत्सव में निमार्ता, निर्यातक, स्टार्टअप, बड़े उद्योग, महिला उद्यमी और ग्रामीण कारीगर एक ही मंच पर एकत्र होंगे। इस दौरान बायर-सेलर मीट, बी2बी और बी2जी नेटवर्किंग सत्र, निवेश-निर्यात संवाद, स्टार्टअप शोकेस और पैनल चचाएं आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव में भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। जीआई टैग प्राप्त उत्पाद, हस्तशिल्प, हथकरघा, ग्रामीण व कुटीर उद्योगों के उत्पाद भारत की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करेंगे। वहीं डिजिटल कॉमर्स, फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, लॉजिस्टिक्स, हरित प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्र भारत के आधुनिक आर्थिक सामर्थ्य का परिचय देंगे।

एक नजर

डीयू के ग्वायर हॉल में हुआ जिमनेजियम और रॉक वॉटरफॉल का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शुक्रवार को ग्वायर हॉल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए जिमनेजियम और रॉक वॉटरफॉल की सुविधा शुरू की। इन सुविधाओं का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी ने किया। इस अवसर पर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक विकास का पूरा ख्याल रखा जाता है। प्रो. रजनी अब्बी ने इन सुविधाओं के विकास के लिए मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश हेतु डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह का आभार जताया। उन्होंने ग्वायर हॉल प्रशासन की तारीफ करते हुए कहा कि इनके प्रयास से ही यहां रहने वाले सभी लोगों की सेहत और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली ये सुविधाएं विकसित की गई हैं। ग्वायर हॉल के प्रोवोस्ट प्रो. गजेंद्र सिंह ने कहा कि इस उद्घाटन के साथ ही ग्वायर हॉल में रहने वालों के लिए मनोरंजन और वेलनेस सुविधाओं में एक अहम बढ़ोतरी है। नया जिमनेजियम छात्रों को फिटनेस और शारीरिक सेहत के लिए बेहतर सुविधाएं देगा, जबकि रॉक वॉटरफॉल हॉल परिसर की सुंदरता को और बढ़ाएगा। इस अवसर पर रेजिडेंट ट्यूटर डॉ. अश्विनी सिवाल, अनेकों छात्र एवं हॉल के स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

इमारत की पांचवीं मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पालम एक्सटेंशन स्थित गुड लिविंग अपार्टमेंट में पांचवीं मंजिल की बालकनी की सफाई करने के दौरान रेलिंग में शीशा नहीं होने से 28 वर्षीय मजदूर नीचे गिर गया। उसके साथी गंभीर हालत में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने के बाद पहुंची पालम गांव थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

यूपी के उन्नाव का रहने वाला 28 वर्षीय रामू अपने साथियों के साथ पालम में किराए के मकान में रहता था। दो अगस्त की शाम करीब 4:16 बजे मन्नू और रामजी के साथ फ्लैट की साफ-सफाई का काम कर रहा था। तीनों बालकनी की सफाई कर रहे थे। सफाई के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह पांचवीं मंजिल से नीचे जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने और काफी खून बहने से उसकी मौत हो गई। मन्नू का कहना है कि यदि रेलिंग में शीशा या सुरक्षा जाली लगी होती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 2015 के मैगी नूडल्स विवाद में आपराधिक मामला रद्द किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2015 के देश भर में फैले मैगी नूडल्स विवाद से जुड़ी दो आपरधिक शिकायतों में सुनवाई अदालत के समन आदेश व सभी कार्रवाई को रद्द कर दिया। उच्च न्ययालय ने कहा कि मुकदमा जारी रखना कानून का गलत इस्तेमाल होगा, क्योंकि मामले की बुनियाद ही काफी कमजोर हो चुकी है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि बाद के कानूनी घटनाक्रमों को देखते हुए मामलों को जारी रखने की इजाजत देने से कोई फायदा नहीं होगा। इसमें जिसमें मैगी प्रतिबंध को रद्द करने वाला बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला, सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएफटीआरआई) द्वारा नए सिरे से टेस्टिंग के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश व नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन (एनसीडीआरसी) के सामने बाद की कार्यवाही शामिल है। ये मामले मई 2015 में देश भर में सैंपलिंग के दौरान दिल्ली के खाद्यय सुरक्षा विभाग द्वारा इकट्ठा किए गए मैगी नूडल्स के सैंपल से शुरू हुए थे। खाद्य विशेषज्ञ ने बताया था कि मसाला टेस्टमेकर में लेड की मात्रा 2.5 पीपीएम की तय लिमिट से ज्यादा थी।

ई-20 को लेकर केजरीवाल ने केंद्र पर साधा निशाना

पणजी/नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में ई-20 ईंधन ब्लेंडिंग योजना लागू की है। इसका मकसद अमेरिका से बड़े पैमाने पर इथेनॉल का आयात करना है। केजरीवाल ने दावा किया कि भारत ने पिछले साल अमेरिका से एक अरब लीटर इथेनॉल आयात किया था और इस साल पांच अरब लीटर आयात करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पॉलिसी का मकसद अमेरिका के लिए अतिरिक्त इथेनॉल के लिए बाजार बनाना था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किए या यह सुनिश्चित किए बिना कि मौजूदा गाड़ियां ज्यादा इथेनॉल वाले मिश्रण के अनुकूल हैं, जबरदस्ती ई-20 पॉलिसी लागू कर दी।

राजापुरी इलाके की दुकान में आग लगी, दमकल की नौ गाड़ियां भेजी गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मटियाला इलाके के राजापुरी इलाके में बृहस्पतिवार रात एक दुकान में भीषण आग लगने के बाद दमकल की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि राजापुरी की गली नंबर 40 में स्थित दुकान में आग लगने की सूचना रात आठ बजकर 20 मिनट पर मिली जिसके बाद दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

उन्होंने बताया कि इसके बाद रात साढ़े नौ बजे दमकल की चार और गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

सपा छात्र और युवजन सभा के कार्यकर्ताओं ने इथेनॉल मिश्रण और महंगाई के विरोध में किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के छात्र और युवजन सभा के कार्यकर्ताओं ने ई-20 पेट्रोल (इथेनॉल मिश्रण) और महंगाई के विरोध में शनिवार को राजधानी लखनऊ में प्रदर्शन किया। यहां हजरतगंज चौराहा (अटल चौक) के पास कार्यकर्ताओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। मौके पर भारी पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर धरना स्थल इको गार्डन भेजा। दरअसल, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज साहनी और सपा युवजन सभा के राम प्रकाश के साथ दर्जनों कार्यकर्ताओं ने आज ई-20 पेट्रोल (इथेनॉल मिश्रण) और महंगाई के विरोध में हजरतगंज चौराहे पर प्रदर्शन करने पहुंच गए। इस दौरान हाथों में पेट्रोल में इथेनॉल मिलावट (ई-20 पेट्रोल) और

बढ़ती महंगाई को लेकर स्लोगन लिखी तख्तियों को लहराते हुए उन्होंने केंद्र और प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ई-20 का समझो खेल, मोदीराज में मिलावटी तेल और मुरादाबाद जैसे नारे लगाए। लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज साहनी ने कहा कि इथेनॉल मिलावट वाला पेट्रोल वाहनों को खराब कर रहा है। वाहनों का माइलेज काम हो गया है। यह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार शुद्ध पेट्रोल भी नहीं दे पा रही है। इसका असर कमजोर और आर्थिक रूप से छात्रों एवं आम आदमी पर पड़ रहा है। उग्र प्रदर्शन के दौरान मौके पर पुलिस बल ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और उन्हें हिरासत में ले लिया। हजरतगंज थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया की प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाते हुए बसों के माध्यम से इको गार्डन व अन्य स्थानों के लिए तरफ भेज दिया।इस दौरान यातायात पर पड़े असर को भी सामान्य करा दिया गया है।

कानपुर का पनकी हनुमान मंदिर 1.84 करोड़ से संवरेगा, सांसद ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास

कानपुर, एजेंसी। पनकी हनुमान मंदिर कानपुर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। मंदिर परिसर के विकास और सौंदर्यीकरण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। यह बातें शनिवार को सांसद रमेश अवस्थी ने मंदिर परिसर में आयोजित भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कहीं। सांसद ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर एक करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। पर्यटन विभाग की ओर से कराए जाने वाले इन कार्यों से मंदिर परिसर को बेहतर और व्यवस्थित स्वरूप दिया जाएगा। कार्यक्रम में गोविंद नगर विधायक सुरेंद्र मैथानी, मंदिर प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रमेश अवस्थी ने कहा कि पनकी हनुमान मंदिर में प्रतिदिन बड़ी

संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर के विकास से उन्हें सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भी धार्मिक पर्यटन और विरासत स्थलों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दे रही है। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि मंदिर के विकास की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। एक करोड़ 84 लाख रुपये की स्वीकृति से अब मंदिर परिसर का भव्य और व्यवस्थित विकास संभव होगा। उन्होंने इसके लिए प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग और सांसद रमेश अवस्थी का आभार जताया। मंदिर के महंत कृष्णदास ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

भोलेनाथ के भक्तों पर मुख्यमंत्री योगी ने मेरठ में की पुष्पवर्षा

मेरठ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास की दशमी तिथि में महादेव के भक्तों पर श्रद्धा के पुष्प बरसाए। गोरक्षपीठाधीश्वर के साथ रामायण सीरियल में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले मेरठ के सांसद अरुण गोविल समेत सभी जनप्रतिनिधियों ने आस्था को सम्मान देते हुए शिवभक्त कांवड़ यात्रियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं।

इसके साथ ही पूरे कांवड़ मार्ग पर हेलिकॉप्टर से भी शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की गई। इस मौके पर कांवड़ यात्रियों के 'हर-हर, बम-बम' के उद्घोष से पूरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा को भक्ति, समर्पण, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता और समरसता का अनुपम उदाहरण बताया। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से समस्त शिवभक्त कांवड़ यात्रियों का स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने हेलिकॉप्टर से किया कांवड़ मार्ग का अवलोकन आयोजन स्थल पर पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने हेलिकॉप्टर से कांवड़ यात्रा का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए भोलेबाबा के भक्तों की श्रद्धा को नमन किया और प्रशासनिक अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों की नियमित सुरक्षा, सम्मान, सुविधा आदि की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। पवित्र गंगाजल लेकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने निकले कांवड़ यात्रियों द्वारा हर-हर बम-बम की गूंज से समूचा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोले के भक्तों पर पुष्पवर्षा कर उन्हें अहसास कराया कि यह आस्था का सम्मान करने वाली सरकार है। झांकी में विभिन्न स्वरूप में दिखे बाबा के गण कांवड़ यात्रा में निकली झांकी में 'बाबा के गण' विभिन्न स्वरूपों में भोले की मस्ती में डूबे दिखे। कोई भगवान भोलेनाथ की यात्रा में झूम रहा था तो कोई कार्तिकेय, गणेश के स्वरूप में शिवपरिवार के प्रति श्रद्धा निवेदित कर रहा था। भूत-प्रेत के स्वरूप में भी बाबा के गण रथ पर सवार रहे। बम भोले-बम भोले, बम-बम-बम समेत भोलेनाथ के विभिन्न गीतों पर श्रद्धालु जमकर थिरकते रहे।

रंगों के माध्यम से विद्यार्थियों ने उकेरी रवींद्रनाथ टैगोर की कलात्मक दृष्टि, भारतीय संस्कृति एवं विरासत

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में आरएसडी एकेडमी पब्लिक स्कूल में शनिवार को बॉम्बे टैगोर आर्ट प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुरादाबाद मंडल के लगभग 10 इंटर स्कूलों एवं 2 डिग्री कॉलेजों के करीब 250 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को रवींद्रनाथ टैगोर की कलात्मक दृष्टि, भारतीय संस्कृति एवं विरासत, राष्ट्रीय एवं स्वदेशी कला, रवींद्रनाथ टैगोर के वैज्ञानिक विचार, प्रकृति एवं मानवता, ग्रामीण भारत तथा शांति एवं शिक्षा जैसे विषय दिए गए। जिस पर विभिन्न रंगों और ब्रश के माध्यम से छात्राओं ने आकर्षक तस्वीर उकेरी। कला प्रतियोगिता का शुभारंभ आरएसडी समूह के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जी कुमार, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. गरिमा शर्मा, डॉ अजय शर्मा, सुषमा मल्होत्रा एवं प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर विमला,

सुमन लता एवं अंजू सुखीजा सहित अन्य शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शराब के नशे में घर पहुंचे किसान ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में फफूंद थाना क्षेत्र में बीती रात शुक्रवार को शराब के नशे में घर पहुंचे किसान ने परिजनों से विवाद के बाद नीम के पेड़ पर फंदा लगाकर फांसी लगा ली। परिजन उन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। फतेहपुर लखमी गांव निवासी अरविंद कुमार परिहार (५०) खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। शुक्रवार रात वह शराब के नशे में घर पहुंचे। इसी दौरान किसी बात को लेकर परिजनों से उनका विवाद हो गया। इसके बाद

उन्होंने घर के बाहर नीम के पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रात करीब 12 बजे परिजनों की नजर अरविंद पर पड़ी तो उन्होंने आनन-फानन में उन्हें फंदे से नीचे उतारा और उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक अपने पीछे पत्नी ललिता देवी, पुत्र अनुराग (23), हिमांशु (15), अतुल (12), अखिलेश (10) और विवाहित पुत्री शिवानी को छोड़ गए हैं। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने शनिवार को बताया कि बीती रात एक अधेड़ ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

लखनऊ में मेडिकल टूरिज्म के विकास की अपार संभावनाएं: मुख्य सचिव

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने शनिवार को गोमती नगर विस्तार स्थित हेल्थसिटी विस्तार सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि संस्थान की ओर से बड़ी संख्या में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मरीजों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप नई सुपरस्पेशियलिटी सेवाओं तथा अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों को निरंतर शामिल किया जाना सराहनीय है। मुख्य सचिव ने कहा कि विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। लखनऊ में मेडिकल टूरिज्म के विकास की अपार संभावनाएं हैं।

शहर में सार्वजनिक क्षेत्र में संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान तथा किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान उपलब्ध हैं। इसके साथ ही निजी क्षेत्र में भी अनेक उत्कृष्ट एवं अत्याधुनिक अस्पताल तथा चिकित्सा सुविधाएं विकसित हुई हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ को देश-विदेश के मरीजों के लिए एक प्रमुख मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के लिए सभी संबंधित संस्थानों एवं हितधारकों को मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया तथा अन्य देशों से मरीजों को लखनऊ की ओर आकर्षित करने के लिए संगठित एवं सुनियोजित प्रयास किए जा सकते हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि इसके लिए अस्पतालों, होटल एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र, ट्रैवल एजेंसियों, संबंधित सरकारी विभागों तथा अन्य सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। ऐसी व्यवस्था हो, जिसके माध्यम से विदेशी मरीजों को वीजा संबंधी आवश्यकताओं, यात्रा एवं आवास, अस्पताल में भर्ती, सर्जरी एवं उपचार, स्थानीय परिवहन तथा उपचार के बाद की आवश्यक सेवाओं में समुचित सहायता उपलब्ध हो सके। इससे विदेशी मरीजों के लिए उपचार की पूरी प्रक्रिया सरल, सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सुव्यवस्थित बनाई जा सकेगी।

ऑपरेशन सेवा के तहत आरपीएफ ने 2 वर्षीय बीमार बच्चे को समय पर दिलाई चिकित्सा सहायता

मुरादाबाद, एजेंसी। कांवड़ मेला-2026 के दौरान हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने शनिवार को तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बीमार 2 वर्षीय बच्चे को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर उसकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में मदद की। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने शनिवार को बताया कि बीती रात्रि लगभग 9 बजकर 15 बजे हरिद्वार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर कांवड़ मेला ड्यूटी के दौरान तैनात सहायक उप निरीक्षक जसबीर सिंह एवं आरपीएफ कांस्टेबल मोहन पाल को एक महिला यात्री ने सूचना दी कि उसका लगभग 2 वर्षीय पुत्र कृतक पुत्र श्री विजय कुशवाहा, निवासी ग्राम/पोस्ट-पारा, जनपद हरदोई, उत्तर प्रदेश तेज बुखार के कारण अचानक बेहोश हो गया है। महिला यात्री अपने बच्चे के साथ हरिद्वार से हरदोई की यात्रा करने वाली थी। बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए वह काफी परेशान थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ कर्मियों ने बिना किसी देरी के एम्बुलेंस की व्यवस्था कर बच्चे को उसकी माता के साथ मेला अस्पताल, हरिद्वार

भेजा, जहां चिकित्सकों ने बच्चे का तत्काल उपचार शुरू किया। समय पर चिकित्सा सहायता मिलने से बच्चे की स्थिति में सुधार हुआ और उपचार के बाद उसकी स्वास्थ्य स्थिति सामान्य हो गई।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी ने कसी नकेल, लंबित विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर की अध्यक्षता में शनिवार को अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय सहित सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और शाखा प्रभारी मौजूद रहे। गोष्ठी में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिस कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, चोरी, नकबजनी समेत गंभीर अपराधों की समीक्षा करते हुए वांछित अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी और मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

दिए। महिला और बाल अपराधों को लेकर संवेदनशीलता बरतने तथा पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने के लिए विवेचना की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। साइबर अपराध, एनडीपीएस एक्ट, गौ-तस्करी, अवैध शराब, जुआ और सट्टे के खिलाफ थाना स्तर पर अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अपराधियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई, गैंगस्टर एक्ट, गुंडा एक्ट और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा गया। वांछित और इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर परिणाममुखी कार्रवाई पर जोर दिया गया।

भाजपा के क्षेत्र एवं मोर्चों के प्रभारी घोषित,दिलीप पटेल बने अवध के प्रभारी

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के क्षेत्र एवं मोर्चा प्रभारियों के नामों की घोषणा शनिवार को कर दी। पार्टी कार्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार, भाजपा के प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान को पश्चिम, प्रदेश महामंत्री गीता शाक्य को ब्रज और प्रदेश महामंत्री शंकरलाल लोधी को कानपुर क्षेत्र को प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार प्रदेश महामंत्री

दिलीप पटेल को अवध,प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा को गोरखपुर और प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह को काशी क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। राजेश चौधरी को बनाया गया युवा मोर्चा का प्रभारी

भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेश चौधरी को युवा मोर्चा, संजय राय को पिछड़ा मोर्चा और शंकर गिरि को किसान मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है।

इसी प्रकार डा.धर्मेन्द्र सिंह को अनुसूचित मोर्चा, कामेश्वर सिंह को महिला मोर्चा, प्रियंका रावत को अनुसूचित जनजाति मोर्चा और देवेश कोरी को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है।

एक नजर

महिला पर दबाव बनाने के मामले में सपा पार्षद गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी के मध्यमेश्वर वार्ड से समाजवादी पार्टी के पार्षद भइया लाल यादव को थाना चेतगंज पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एक विधवा महिला ने पार्षद पर गंभीर आरोप लगाते हुए चेतगंज थाने में प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराया था।

चेतगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने कहा कि पार्षद भइया लाल यादव को बीएनएस की धारा 78(2) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। एक विधवा महिला ने उनके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि पार्षद लगातार महिला को फोन करते हैं, बात नहीं करने पर खुदकुशी करने की धमकी देते हैं। महिला पर बात करने का दबाव बनाते हैं। महिला तंग आकर थाने पहुंची और आप बीती बताई है। इसके बाद पार्षद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की गई और प्रारंभिक जानकारी में महिला के आरोप सही पाये गए। विधवा महिला ने बताया कि करीब आठ वर्ष पहले पिता की तबीयत खराब थी। पार्षद भइया लाल यादव ने उन्हें आर्थिक मदद दी थी। इसके बाद पार्षद का उसके घर आना-जाना शुरू हो गया। पार्षद उससे फोन पर बातचीत करने लगे और उनकी नीयत साफ नहीं दिखती थी। वह लगातार फोन पर बात करने का दबाव बनाते थे।

कांवड़ मेला के मद्देनजर चलेगी सहारनपुर-हरिद्वार-सहारनपुर अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने शनिवार को बताया कि कांवड़ मेला 2026 के दौरान रेल यात्रियों की सुविधा जनक आवागमन के लिए सहारनपुर-हरिद्वार-सहारनपुर (04558-04557) अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी का संचालन 8 अगस्त से 10 अगस्त तक किया जाएगा। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने आगे बताया कि सहारनपुर-हरिद्वार (04558) सहारनपुर से शाम 7:45 पर चलेगी इसके बाद यह ट्रेन रुड़की ज्वालापुर में दो-दो मिनट का करो लेकर शाम 7:40 पर हरिद्वार पहुंचेगी वहीं वापसी में हरिद्वार-सहारनपुर (04557) हरिद्वार से रात्रि 9:09 बजे चलेगी जो ज्वालापुर रुड़की में दो-दो मिनट का ठहराव लेकर रात्रि 10:45 पर सहारनपुर पहुंचेगी। इस दौरान मेरठ के सांसद अरुण गोविल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई, प्रदेश सरकार के मंत्री सोमेंद्र तोमर, दिनेश खटिक, महापौर हरिकांत अहलूवालिया, विधान परिषद सदस्य अश्विनी त्यागी, पूर्व विधायक संगीत सोम, भाजपा नेता सुनील भराला आदि मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक ने लंबित विधिक मामलों को लेकर की बैठक, कहा-जल्द कराएं निस्तारण

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक विनोद शुक्ला ने शनिवार को रेलवे के लंबित विधिक मामलों को लेकर एक बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि रेलवे की जमीन पर कब्जा करने वालों को हटाया जाना जरूरी है। उनसे जुड़े मुआवजे को लेकर रेलवे पहल करेगा, जिससे कब्जा संबंधित मामले को समाप्त किया जा सके। भारतेंदु सभागार में मंडलीय अधिकारियों के साथ अपर महाप्रबंधक ने बैठक करते हुए कहा कि न्यायालय में विचाराधीन लंबित मामलों को जल्द से जल्द निस्तारण करने के लिए अपनी ओर से पहल करनी है। इसमें ठेकेदारों के विवादों जैसे मामलों को निस्तारित करने के लिए उनकी समक्ष अपनी बातों को रखते हुए निस्तारण का अपना प्रयास तेज करना है। बैठक में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल अभियंता प्रथम शैलेंद्र सिंह, वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय विनीत कुमार सहित प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

प्रतापपुर ओवरब्रिज के पास डीसीएम की टक्कर में चालक की मौत

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-19 पर प्रतापपुर ओवरब्रिज के पास शुक्रवार देर रात आवारा गोवंश के कारण दो डीसीएम की भिड़ंत हो गई। हादसे में पीछे चल रही डीसीएम के चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कानपुर देहात के हाथूमा गांव निवासी 20 वर्षीय विशाल पुत्र ऊदल कुमार कानपुर के स्वरूप नगर स्थित भोले बाबा मिल्क फूड इंडस्ट्रीज लिमिटेड से घी लादकर डीसीएम से आगरा जा रहे थे। प्रतापपुर ओवरब्रिज के पास उनके आगे चल रही डीसीएम में सवार इटावा निवासी श्याम सुंदर कानपुर से टाइल्स पाउडर लादकर ग्वालियर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सड़क पर गौवंश आ जाने से श्याम सुंदर ने डीसीएम में इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। अचानक ब्रेक लगने से पीछे तेज गति से आ रही विशाल की डीसीएम अनियंत्रित होकर आगे चल रही डीसीएम से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विशाल डीसीएम के क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गए। हादसे की सूचना पर अजीतमल पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद विशाल को केबिन से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर सीओ अजीतमल मनोज गंगवार और कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सीओ ने बताया कि डीसीएम चालक विशाल की मौत हुई है।

संपादकीय

अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती उड़ान

मानव सभ्यता के इतिहास में अंतरिक्ष हमेशा से जिज्ञासा, साहस और वैज्ञानिक उपलब्धियों का सबसे बड़ा प्रतीक रहा है। धरती की सीमाओं को पार कर अनंत अंतरिक्ष में कदम रखना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानव की अदम्य इच्छाशक्ति और ज्ञान की निरंतर खोज का प्रमाण भी है। 18 मार्च 1965 को सोवियत संघ के अंतरिक्ष यात्री एलेक्सी लियोनोव ने पहली बार अंतरिक्ष यान से बाहर निकलकर इतिहास रचा था। लगभग 12 मिनट तक खुले अंतरिक्ष में रहकर उन्होंने यह साबित किया कि मानव अंतरिक्ष में भी काम कर सकता है। इसके बाद अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ और आज स्पेसवॉक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियानों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

समय के साथ अनेक देशों के अंतरिक्ष यात्रियों ने इस क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने भी अपने अद्भुत साहस और समर्पण से दुनिया को प्रभावित किया। उन्होंने तीन अंतरिक्ष यात्राओं के दौरान नौ बार स्पेसवॉक कर कुल 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में काम करके महिलाओं में सबसे अधिक स्पेसवॉक का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पूर्व रिकॉर्डधारी पेगी व्हिटसन का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। वर्ष 2012 में दिल्ली के नेशनल साइंस सेंटर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि रिकॉर्ड बनते ही इसलिए हैं ताकि उन्हें तोड़ा जा सके। यह कथन केवल विनम्रता का परिचायक नहीं था, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा भी था। सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली दुनिया की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री भी बनीं, जिसने यह संदेश दिया कि मनुष्य की इच्छाशक्ति के सामने कोई सीमा नहीं होती।

अब इसी गौरवशाली परंपरा में भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन का नाम भी स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलकर अपनी पहली स्पेसवॉक सफलतापूर्वक पूरी की और भारतवंशियों के लिए गर्व का एक नया अध्याय लिख दिया। अपने साथी अंतरिक्ष यात्री जेसिका मीर के साथ उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन के सौर ऊर्जा तंत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए, जिससे भविष्य में नए सौर पैनल लगाए जा सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को पहले से अधिक ऊर्जा प्राप्त होगी। यह कार्य केवल तकनीकी दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष अनुसंधान के भविष्य को सुरक्षित और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। अनिल मेनन का जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारतीय मूल के लोग विश्व के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। अमेरिका के मिनियापोलिस में जन्मे मेनन के पिता केरल से और माता यूक्रेन से थीं।

रेपो दर पर रिजर्व बैंक का बड़ा फैसला

रिजर्व बैंक द्वारा तैयार किए गए महंगाई के आंकड़ों में विस्तार में जाएं तो, '2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई दर 5.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें दूसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत, तीसरी में 5.9 प्रतिशत और चौथी में 5.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वर्ष 2027-28की पहली तिमाही के लिए महंगाई दर 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जोखिम समान रूप से संतुलित हैं।' लेकिन रिजर्व बैंक ने बताया कि कोर महंगाई, यानी ईंधन और खाने-पीने की चीजों की कीमतों को छोड़कर, आरामदायक जोन में है। यानी, महंगाई का मौजूदा दबाव मुख्य रूप से दो तरह की चीजों- ईंधन और खाने-पीने की चीजों- से आ रहा है। इनमें से, ईंधन की महंगाई मुख्य रूप से मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध की वजह से कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण है।

अंजन रॉय

रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में ज्यादा उदार रुख अपनाकर अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ावा देने का जोखिम उठाया है। विकास और महंगाई के बीच के तालमेल का, जैसा कि बैंक का विश्लेषण बताता है, महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाने के बजाय विकास को बल देने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 अगस्त को अपनी नई ऋ ण नीति का ऐलान किया, जिसमें नीतिगत ब्याज दरों को जस का तस रखा गया। नीतिगत ब्याज दरें एक बहुत जरूरी उपकरण हैं जिनका इस्तेमाल केन्द्रीय बैंक कीमतों में स्थिरता और अर्थव्यवस्था की रफ्तार को बनाए रखने के लिए करता है।

ऊपर से देखने पर यह बात थोड़ी अजीब लगती है क्योंकि मौजूदा महंगाई दर, महंगाई के लक्षित दर से काफी ज्यादा है। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि आने वाले महीनों से लेकर अगले वित्तीय वर्ष की शुरूआत तक महंगाई दर लगभग 5 प्रतिशत से ऊपर बनी रहेगी। इसके उलट, रिजर्व बैंक की महंगाई का लक्ष्य स्तर 4 प्रतिशत है।

रिजर्व बैंक ने महंगाई को लक्षित स्तर पर लाने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाने के बजाय मौजूदा स्तर पर ही बनाए रखने का फैसला इसलिए किया क्योंकि महंगाई के उतार-चढ़ाव के उसके विश्लेषण में नीति बनाने वालों को यकीन हो गया है कि कीमतों में यह बढ़ोतरी सीमित तरह की है और आम तौर पर कीमतों में बढ़ोतरी का ज्यादा डर नहीं है।

रिजर्व बैंक द्वारा तैयार किए गए महंगाई के आंकड़ों में विस्तार में जाएं तो, '2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई दर 5.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें दूसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत, तीसरी में 5.9 प्रतिशत और चौथी में 5.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वर्ष 2027-28की पहली तिमाही के लिए महंगाई दर 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जोखिम समान रूप से संतुलित हैं।'

लेकिन रिजर्व बैंक ने बताया कि कोर महंगाई, यानी ईंधन और खाने-पीने की चीजों की कीमतों को छोड़कर, आरामदायक जोन में है। यानी, महंगाई का मौजूदा दबाव मुख्य रूप से दो तरह की चीजों-ईंधन और खाने-पीने की चीजों- से आ रहा है। इनमें से, ईंधन की महंगाई मुख्य रूप से मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध की वजह से कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण है।

एक बार युद्ध की स्थिति स्थिर हो जाने पर, यह उम्मीद करना वाजिब है कि ईंधन की महंगाई में काफी कमी आएगी। इसलिए, कीमतों में कुछ समय के लिए हुई बढ़ोतरी को रोकने के लिए नीतिगत दरों को बढ़ाने से कुल विकास की संभावनाओं और अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है।

जहां तक खाने-पीने की चीजों की कीमतों की बात है, तो इनमें मौसम के हिसाब से बदलाव होता है और इसलिए महंगाई के रूझान में भी बदलाव होगा। आम तौर पर, गर्मियों के महीनों में और अक्टूबर के आखिर में फसल कटाई के मौसम तक खाने-पीने की चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं। इसके बाद, बाजार में खाने-पीने की चीजें आने पर उनकी कीमतें कम होने लगती हैं।

इस माहौल को देखते हुए रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में ज्यादा उदार रुख अपनाकर अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ावा देने का जोखिम उठाया है। विकास और महंगाई के बीच के तालमेल का, जैसा कि बैंक का विश्लेषण बताता है, महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाने के बजाय विकास को बल देने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यह नियंत्रण करने की सावधानी भरी सोच के बजाय ज्यादा उम्मीद जगाने वाला है, क्योंकि रिजर्व बैंक को घरेलू मांग पर भरोसा है कि यही विकास दर को आगे बढ़ाएगी।

रिजर्व बैंक का तरीका असल में आंकड़ों पर आधारित होता है, यानी नए आंकड़ों के हिसाब से अपनी मौद्रिक नीति बदलाव करना। सभी केन्द्रीय बैंक ऐसा करने का वादा करते हैं और भारतीय रिजर्व बैंक भी ऐसा ही करता है। फिर भी, आखिर में, अंदरूनी समझ –यानी फैसला लेने की क्षमता– ही असल में कार्रवाई को प्रेरित करती है।

रिजर्व बैंक गवर्नर के नीतिगत वक्तव्य में बताए गए आंकड़े को देखें तो लगता है कि मौजूदा नीति मुख्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की लगातार विकास दर में मदद करने के लिए बनाई गई है। साथ ही बढ़ती अर्थव्यवस्था के दायरे में कीमतों में स्थिरता भी बनाए रखी गई है। वैश्विक हालात की आम तौर पर निराशाजनक तस्वीर के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था की मदद करने वाली नीति का यह एक अच्छा शुरूआती कदम है।

सरकार को भी ऐसा रुख पसंद आना चाहिए। प्रशासन आम तौर पर केन्द्रीय बैंकिंग प्राधिकरण से मौद्रिक नीति में उदार रुख बनाए रखकर मदद की उम्मीद करता है। देखिए रिजर्व बैंक गवर्नर ने अपने नीतिगत बयान में क्या कहा है।

रिजर्व बैंक का कहना है, 'लगातार वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद, घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने मजबूती दिखाई है, जैसा कि पहली तिमाही के लिए उपलब्ध उच्च आवृत्ति संकेतकों से पता चलता है।इ अब रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा बताए गए आंकड़े पर एक नजर डालें:

निजी खपत में अपनी मर्जी से किए जाने वाले खर्च (डिस्क्रीशनरीस्पेंडिंग) की वजह से तेजी बनी रही, जबकि अवसंरचना और निर्माण पर सरकार के मजबूत खर्च की वजह से निवेश की गतिविधियां स्थिर रहीं।

2026-27 की पहली तिमाही में मोटर वाहनों की बिक्री (खुदरा) में 14.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में दोपहिए और ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री में क्रमशः 15.1 प्रतिशत और 21.4 प्रतिशत की दोहरे अंकों वाली बढ़ोतरी दर्ज की गई।

दूसरी ओर, इसी अवधि में खुदरा पैसेंजर वाहनों की बिक्री और आईआईपी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की बिक्री में क्रमशः 21.0 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत की मजबूत रफ्तार से बढ़ोतरी हुई। 2026-27 की पहली तिमाही में स्टील की खपत में 8.3 प्रतिशत और सीमेंट के उत्पादन में 8.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2026-27 की पहली तिमाही में पोर्ट कार्गो में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। पहली तिमाही के लिए कंपनियों के शुरूआती नतीजे विनिर्माण क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन का संकेत देते हैं। पीएमआई में बढ़ोतरी भी इस बात की पुष्टि करती है। घरेलू मांग में मजबूती के कारण सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में भी तेजी बनी रही।

1 अगस्त, 2026 तक, 413 सूचीबद्ध निजी विनिर्माण कंपनियों के नतीजे सामने आए। 2026-27 की पहली तिमाही में शुद्ध बिक्री में 21.9 प्रतिशत और संचालन लाभ में 15.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पहली तिमाही में आईआईपी विनिर्माण में 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। विनिर्माण क्षेत्र में, 23 में से 16 औद्योगिक ग्रुपों ने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 2026-27 की पहली तिमाही में सकारात्मक विकास दर दर्ज की।

वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में विनिर्माण पीएमआई 54.6 पर रहा, जो विस्तार वाले जोन (चौथी तिमाहीः 2025-26 में 55.4) में बना रहा। पहली तिमाही 2026-27 में जीएसटी ई-वे बिल में 12.4 प्रतिशत की अच्छी बढ़ोतरी हुई, जबकि टोल से वसूली (वॉल्यूम) में 16.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पहली तिमाहीः 2026-27 में जीएसटी राजस्व में 8.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पहली तिमाहीः 2026-27 में घरेलू एयर कार्गो में 9.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिजर्व बैंक के लिए सकारात्मक रुख अपनाने और नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करके विकास दर को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा देने वाली नीति अपनाने के लिए ये काफी अच्छी खबरें थीं।

सड़ाकों के कागज के पक्षी याद दिलाते हैं हिरोशिमा की

बाबा मायाराम

उसकी कक्षा के दोस्तों ने शेष 356 चिड़ियाएं बनाई और हजार चिड़ियों के साथ दफना दिया गया। उसके बाद सडाको के मित्रो ने उसकी याद में स्मारक बनाया। अब शांति दिवस के दिन सडाको के स्मारक पर कागज के पक्षियों की मालाएं पहनाते हैं। उस स्मारक पर लिखा है- यही हमारे आंसू हैं, यही हमारी प्रार्थना है, दुनिया में शांति हो। सडाको की कहानी को याद करना जरूरी है। आज युद्धों में महिलाओं, बच्चों के मारे जाने, उनके भूखे और बीमार रहने की तस्वीरें आती है तो हमें विचलित कर देती हैं। आज दुनिया को शांति की जरूरत है, युद्ध की नहीं।

दो दिन पूर्व हिरोशिमा दिवस था, इस दिन को याद करने की आज बहुत जरूरत है, क्योंकि दुनिया में कई छोटे-बड़े युद्ध हो रहे हैं। अशांति व अराजकता का माहौल है। कई बार तो ऐसा लगता है कि दुनिया को खतरनाक युद्ध के बड़े नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। ऐसे में हिरोशिमा पर हुई बमबारी के नतीजों को जानना जरूरी है, जिससे हम यह समझ सकें कि ऐसे विनाशकारी हथियारों का असर न केवल तत्कालीन होता है, बल्कि पीढ़ियों तक बना रहता है।

एक कहानी सडाको की है इस सडाको और कागज के पक्षी नामक किताब में एक लड़की की मार्मिक दर्द है। द्वितीय विश्व युद्ध जब अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर बम बरसाए थे, तब जापानी लड़की सडाको दो साल की थी। लेकिन बाद में वह बीमार हो गई। उसका बम गिरने के 9 साल बाद सडाको के जीवन पर असर पड़ा।

जब हिरोशिमा दिवस को याद किया जा रहा था। दीवारों पर एटम बम में मारे गए लोगों के फोटो चिपकाए गए थे। कागज की बनी लालटेन के अंदर मोमबत्तियां जलाई गई थी। सडाको ने उसकी लालटेन पर मृत दादी का नाम लिखा था, और उसे नदी में बहा दिया था। ये सब लालटेनें जुगुनियों की तरह टिमटिमा रही थीं।

सडाको का सारा परिवार एक मेज के सामने प्रार्थना के लिए इक्ा हुआ। मेज पर दादी की फोटो एक सोने के फ्रेम में सजी रखी थी। मिस्टर ससाकी, जो सडाको के पिता थे, ने अपने पुरखों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बम को गिरे हुए नौ साल हो चुके थे। परंतु उसकी किरणें, उसका जहर, लोगों की मौत का कारण बना हुआ था।

सडाको का स्कूल की रिले रेस में दौड़ने के लिए चयन हुआ था। वह बहुत उत्साहित थी। इसके पहले उसने दौड़ने का अभ्यास किया था। सडाको की तेज रफ्तार देखते ही बनती थी। ऐसा लगता था जैसे वह हवा से बातें कर रही है। आखिर रेस का दिन आ गया। रिले रेस में जब उसकी बारी आई, तब सडाको जी जान व पूरी ताकत लगाकर दौड़ी। वह जीत गई थी। पर उसका दिल तेजी से धड़कने लगा, इसी दौरान उसका सिर चकराने लगा। कुछ दिन बाद भी स्कूल में वह दौड़ने समय गिर गई। जब अस्पताल में उसका एक्स रे लिया गया तो खून का कैंसर निकला।

उसे कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ा। इस दौरान उसके परिजन व स्कूल के दोस्त मिलने आए। एक दिन उसकी प्रिय मित्र चुजूकी आई। उसने उसे अच्छा होने का अनोखा तरीका बताया। उसने कहा मैंने तुम्हारी तबियत ठीक करने का एक अच्छा तरीका खोज निकाला है। फिर चुजूकी ने एक सुनहरे कागज को काटा और उसे मोड़कर एक सुंदर चिड़िया बना दी। उसने कहा कि अगर कोई व्यक्ति बीमार हो तो एक हजार कागज की चिड़िया बनाए तो स्वस्थ हो जाता है।

जब सडाको ने पूछा यह कागज की चिड़िया मुझे कैसे ठीक करेगी। तब चुजूकी ने उसे सारस की कहानी सुनाई।

इस तरह कागज की चिड़िया बनाने का सिलसिला शुरू हो गया। सडाको ने काफी मेहनत से कागज की चिड़िया बनाना सीखा। और सभी को कतार में सजा दिया। उसकी कुछ चिड़िया एकदम ठीक नहीं बनी थीं। एक-दो थोड़ी टेढ़ी- मेढ़ी बनी थी। परंतु यह तो शुरूआत थी।

वह चिड़िया बनाती रही। जगह कम पड़ी तो उसके एक दोस्त मासाहीरो ने उन्हें छत से लटका दिया। सडाको कई दिनों तक चिड़िया बनाती रही पर बीमारी शरीर में फैलती रही। उसको नजरअंदाज कर वह चिड़िया बनाने में लगी रही। अब तक वह चार सौ चौसठ चिड़िया बना चुकी थी। अब वह जल्दी थक जाती थी। कुछ और हिम्मत की। पूरे दिन सडाको खूब व्यस्त रहने लगी थी। वह अपने स्कूल का काम करती। अपने मित्रों को पत्र लिखती और मिलने आने वाले व्यक्तियों के साथ खेलती, गाने गाती। शाम के वक्त वह कागजों को मोड़कर चिड़िया बनाती। अब पक्षी बनाने में उसका हाथ साफ हो गया था। उसकी उंगलियां कागज के मोड़ों को अच्छी तरह पहचानने लगी थी। अब पक्षी सुंदर और सजीव बनने लगे थे।

एक दिन उसे बेहद कमजोरी लगी। वह गहरे सोच में डूब गई। इसी दौरान उसकी एक और मरीज केनजी से मुलाकात हुई। उसने उसके लिए भी पक्षी बनाए। अब कागज मोड़ने की अवस्था नहीं रही। उसे बीमारी के साथ-साथ उसे मौत के डर से भी लड़ना था। सुनहरा पक्षी उसके संघर्ष में सहायक था। वह सडाको की उम्मीद थी। उसने 644 चिड़िया बनाई, पर उसमें शक्ति नहीं बची। सारा परिवार उसके साथ था और एक दिन वह चिड़ियों को निहारते-निहारते गहरी नींद में सो गई। फिर कभी नहीं उठी।

उसकी कक्षा के दोस्तों ने शेष 356 चिड़ियाएं बनाई और हजार चिड़ियों के साथ दफना दिया गया। उसके बाद सडाको के मित्रो ने उसकी याद में स्मारक बनाया।

मोल की दुल्हन पर चुप्पी, लव मैरिज पर पंचायत?

– डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के जींद जिले में नौगामा खाप की महापंचायत द्वारा प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के 21 गांवों में प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी कथित निर्णय ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो समय-समय पर भारतीय समाज के सामने खड़ी होती रही है–क्या सामाजिक परंपराएं किसी बालिग नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से ऊपर हो सकती हैं? यह विवाद केवल एक पंचायत या एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि बदलते भारतीय समाज, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संतुलन की चुनौती को भी सामने लाता है।

खाप पंचायतों का इतिहास सदियों पुराना है। ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में भी उनकी सकारात्मक भूमिका रही है। इसलिए उन्हें केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। किंतु जब कोई निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करता दिखाई देता है, तब उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट कर चुका है कि दो वयस्कों का सहमति से किया गया विवाह कानून की दृष्टि में पूरी तरह वैध है। ऐसी स्थिति में किसी सामाजिक संस्था द्वारा ऐसे विवाहों पर रोक लगाने या सामाजिक बहिष्कार की घोषणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं मानी जा सकती।

इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक युवती का वीडियो चर्चा का केंद्र बन गया। उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसे केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर टाला नहीं जा सकता। उसका प्रश्न था कि जब हरियाणा में वर्षों तक कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कियों की संख्या कम होती रही और अनेक परिवार दूसरे राज्यों से महिलाओं को खरीदकर विवाह करने लगे, तब समाज की सामूहिक चेतना उतनी मुखर क्यों नहीं दिखाई दी? यदि सहमति से किया गया प्रेम विवाह सामाजिक संकट माना जाता है, तो मानव तस्करी जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई जाती?

यह प्रश्न केवल खाप पंचायतों के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है। दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और बेटियों के प्रति भेदभाव जैसे अनेक सामाजिक संकट आज भी हमारे सामने हैं। यदि समाज की सामूहिक शक्ति इन समस्याओं के समाधान में अधिक सक्रिय हो, तो उसका सकारात्मक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होगा।

यह भी सत्य है कि हर प्रेम विवाह सफल नहीं होता। कई बार जल्दबाजी, अपरिपक्व निर्णय या पारिवारिक संवाद की कमी से रिश्तों में तनाव पैदा होता है। माता-पिता की चिंताएं भी कई बार वास्तविक होती हैं। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णय परिपक्वता, पारदर्शिता और परिवार के सम्मान को ध्यान में रखकर लें। संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है।

उधर सामाजिक संस्थाओं को भी यह स्वीकार करना होगा कि बदलते समय में अधिकारों और स्वतंत्रताओं की नई समझ विकसित हुई है। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है, किंतु वे तभी टिकाऊ होती हैं जब वे न्याय, समानता और मानव गरिमा के साथ सामंजस्य स्थापित करें। समाज की भूमिका भय पैदा करने की नहीं, विश्वास बनाने की होनी चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण पक्ष प्रतिनिधित्व का है। जिन निर्णयों का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है, उनमें महिलाओं की भागीदारी कितनी है? क्या सामाजिक निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की पर्याप्त सहभागिता सुनिश्चित है? लोकतांत्रिक समाज में यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना परंपरा और अधिकार का प्रश्न। आज का भारत तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, रोजगार, तकनीक और संचार ने नई पीढ़ी की सोच को नया आयाम दिया है। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे अपनी ऐतिहासिक भूमिका को बनाए रखते हुए संवैधानिक मूल्यों के साथ तालमेल बैठाएं।

असहमति से नफरत तक: लोकतंत्र की नैतिक परीक्षा

निलेश देसाई

सत्याग्रह का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी को पराजित करना नहीं, बल्कि उसके भीतर सोई हुई नैतिक संवेदना को जगाना है। यही कारण है कि सत्याग्रह केवल सत्याग्रही के साहस पर निर्भर नहीं करता। उसकी सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि समाज, मीडिया और शासन उस पीड़ा को देखने, समझने और उसका उत्तर देने के लिए तैयार हैं या नहीं।

महात्मा गांधी ने सत्याग्रह को कभी आंदोलन की तकनीक नहीं माना। उनके लिए सत्याग्रह सत्य की खोज, आत्मबल की अभिव्यक्ति और लोकतंत्र की नैतिक चेतना को जागृत करने का माध्यम था। वे कहते थे कि जब कोई व्यक्ति बिना घृणा, बिना हिंसा और बिना प्रतिशोध के अन्याय का सामना करते हुए स्वयं कष्ट सहता है, तो वह केवल शासक से नहीं, बल्कि पूरे समाज की अंतरात्मा से संवाद करता है।

सत्याग्रह का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी को पराजित करना नहीं, बल्कि उसके भीतर सोई हुई नैतिक संवेदना को जगाना है। यही कारण है कि सत्याग्रह केवल सत्याग्रही के साहस पर निर्भर नहीं करता। उसकी सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि समाज, मीडिया और शासन उस पीड़ा को देखने, समझने और उसका उत्तर देने के लिए तैयार हैं या नहीं। यदि सुनने की यह क्षमता कमजोर पड़ जाए तो सत्याग्रह का नैतिक प्रभाव भी क्षीण होने लगता है।

हाल के वर्षों में शिक्षा, पर्यावरण, कृषि, रोजगार, भूमि अधिकार और क्षेत्रीय स्वायत्तता जैसे अनेक मुद्दों पर शांतिपूर्ण धरने, पदयात्राएं और अनशन हुए हैं। इनमें से कुछ को व्यापक समर्थन मिला, कुछ को सीमित ध्यान मिला और कुछ लगभग सार्वजनिक विमर्श से बाहर रह गए, लेकन इनसे अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या आज भी अहिंसक प्रतिरोध लोकतांत्रिक निर्णय-प्रक्रिया को प्रभावित करने की क्षमता रखता है? यह प्रश्न केवल किसी एक आंदोलन या सरकार का नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का प्रश्न है।

भारत का स्वतंत्रता संग्राम विश्व इतिहास का शायद सबसे बड़ा अहिंसक जनांदोलन था। गांधीजी ने यह स्थापित किया कि जनता की नैतिक शक्ति किसी भी साम्राज्य की राजनीतिक शक्ति से बड़ी हो सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी इसी परंपरा ने भूदान आंदोलन, चिपको, सूचना के अधिकार, नर्मदा बचाओ आंदोलन, जनलोकपाल आंदोलन और अनेक स्थानीय जनसंघर्षों को दिशा दी। इन आंदोलनों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं किया; बल्कि उसे अधिक उत्तरदायी बनाया।

इतिहास यह भी बताता है कि सत्ता और जनांदोलनों के बीच तनाव हमेशा रहा है। औपनिवेशिक शासन ने गांधी और लोकमान्य तिलक पर देशद्रोह के मुकदमे चलाए। स्वतंत्र भारत में भी अलग-अलग विचारधाराओं की सरकारों ने विभिन्न आंदोलनों को संदेह की दृष्टि से देखा। इसलिए यह प्रश्न किसी एक दल या सरकार का नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक संस्कृति का है जिसमें असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना धीरे-धीरे कठिन होता जा रहा है।

डिजिटल युग ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। आज सूचना पहले पहुंचती है और समझ बाद में बनती है। सोशल मीडिया ने नागरिकों को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व अवसर दिया है, लेकिन उसी के साथ समाज वैचारिक खेमों में भी बंट गया है। किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसके तर्कों से पहले उसकी राजनीतिक पहचान के आधार पर होने लगता है। परिणामस्वरूप संवाद की बजाय आरोप-प्रत्यारोप उसका स्थान ले लेते हैं।

लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। हर आंदोलन सही हो, यह आवश्यक नहीं। हर मांग स्वीकार हो, यह भी संभव नहीं। किसी भी लोकतंत्र की परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह असहमति का उत्तर किस प्रकार देता है। क्या वह संवाद करता है? क्या वह तथ्यों के आधार पर बहस करता है? या फिर वह विरोध करने वाले की नीयत पर ही प्रश्नचिह्न लगा देता है?

गांधीजी का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने राजनीति को नैतिकता से जोड़ा। उन्होंने यह विश्वास पैदा किया कि बिना हिंसा के भी अन्याय का प्रतिरोध किया जा सकता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ने लगे कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध का कोई अर्थ नहीं रह गया है, तो इसका असर केवल आंदोलनों पर नहीं पड़ेगा; यह लोकतंत्र की बुनियाद को प्रभावित करेगा।

ऐसी स्थिति में समाज सामान्यतः तीन दिशाओं में बढ़ता है- पहली है उग्रता। जब लोगों को लगता है कि शांतिपूर्ण मार्ग से कुछ नहीं बदलता, तब कुछ लोग हिंसक या कट्टर रास्तों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। दूसरी है, उदासीनता। लोग यह मान लेते हैं कि उनकी आवाज का कोई महत्व नहीं है। वे सार्वजनिक जीवन से दूरी बना लेते हैं। यह मौन लोकतंत्र के लिए उतना ही खतरनाक है जितनी हिंसा, क्योंकि इससे जवाबदेही की संस्कृति कमजोर होती है।

तीसरी दिशा आशा की है। प्रत्येक पीढ़ी अपने समय के अनुरूप प्रतिरोध के नए माध्यम खोजती है। गांधी के समय चरखा, 'दांडी यात्राइ और पदयात्राएं प्रतीक बने थे। आज डिजिटल अभियान, नागरिक नेटवर्क, सामुदायिक संवाद, जनसुनवाई और सोशल मीडिया माध्यम बन रहे हैं। अहिंसा समाप्त नहीं होती; वह अपने स्वरूप बदलती है, किंतु उसका नैतिक आधार वही रहता है–सत्य, आत्मानुशासन और संवाद।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

शिव मंदिर के दानपात्र से नकदी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरी की रकम बरामद

बिजनौर (एजेंसी)। शेरकोट पुलिस ने शिव मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 6,370 रुपये की नकदी भी बरामद कर ली। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।
पुलिस के अनुसार, मोहल्ला खुराड़ा निवासी वेद प्रकाश ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनके मोहल्ले स्थित शिव मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी दान की राशि चोरी कर ली गई है। शिकायत में उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जनपद के दिनेशपुर थाना क्षेत्र निवासी करण पुत्र मनीराम पर चोरी का संदेह व्यक्त किया गया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने नामजद आरोपी करण को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से मंदिर के दानपात्र से चोरी की गई 6,370 रुपये की नकदी बरामद हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई पूरी की गई है। पुलिस का कहना है कि धार्मिक स्थलों पर चोरी जैसी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ लोगों की आस्था से जुड़े स्थलों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

समीपुर सीएचसी में डायलिसिस सेंटर स्थापना की कवायद तेज, सीएमओ ने महानिदेशक को भेजा प्रस्ताव

बिजनौर (एजेंसी)। नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में डायलिसिस सेंटर स्थापित कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने पहल तेज कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने इस संबंध में महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, लखनऊ को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है। इससे क्षेत्र के किडनी रोगियों को भविष्य में स्थानीय स्तर पर ही डायलिसिस की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। आदर्श नगर निवासी सूचना का अधिकार कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजकर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में डायलिसिस सेंटर स्थापित करने की मांग उठाई थी। उनका कहना था कि वर्तमान में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण बीपीएल परिवारों, आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों तथा क्षेत्र के अन्य लोगों को उपचार के लिए बिजनौर अथवा अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने के साथ समय और परेशानी भी बढ़ जाती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने लिखित रूप से अवगत कराया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में डायलिसिस सेंटर की स्थापना के लिए आवश्यक प्रस्ताव महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ को भेज दिया गया है। अब विभागीय स्तर पर प्रस्ताव पर निर्णय होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि यदि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस सेंटर स्थापित हो जाता है तो नजीबाबाद तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

गरिमा हत्याकांड का खुलासा, बहन की हत्या के आरोप में भाई गिरफ्तार

शामली (एजेंसी)। आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के चर्चित गरिमा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए युवती की हत्या के आरोप में उसके भाई अर्जुन दहिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चुन्नी भी बरामद कर ली है। मामले में एक अन्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई की तड़के डायल-112 पर सूचना मिली थी कि एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद उसके परिजन जल्दबाजी में अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया, जिसमें गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। विवेचना के दौरान सामने आया कि मृतका गरिमा का पिछले आठ वर्षों से एक युवक से प्रेम संबंध था। परिवार द्वारा दूसरी जगह विवाह तय किए जाने के बाद विवाद की स्थिति बनी रही। पुलिस का आरोप है कि बहन के विवाह को लेकर नाराज अर्जुन दहिया ने परिवार की बदनामी के भय से उसकी हत्या की योजना बनाई और खुशहाली विहार स्थित मकान में चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को पैतृक गांव ले जाकर अंतिम संस्कार का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस ने समय रहते रोक दिया। पुलिस ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गहन जांच के आधार पर इनामी आरोपी अर्जुन दहिया को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उसने हत्या में प्रयुक्त चुन्नी बरामद कराई। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने बताया कि मामले की निष्पक्ष विवेचना के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि सह-आरोपी सुधीर दहिया को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जेपीएससी परीक्षा विवाद पर रांची में छात्र आंदोलन तेज

परीक्षा रद्द करने और निष्पक्ष भर्ती की मांग

रांची(एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम छात्र आंदोलन का केंद्र बन गया है। 25 जुलाई से शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब लगातार तेज होता जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके समर्थक स्टेडियम में जुटे हैं, जहां धरना, अनशन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी है। आंदोलनकारी परीक्षा रद्द करने, पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने तथा राज्य में नियमित भर्ती के लिए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के माध्यम से हुई 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। उनका कहना है कि जब तक परीक्षा रद्द कर निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत दोबारा आयोजन नहीं कराया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि उन्हें सरकारी योजनाओं से अधिक रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की जरूरत है। आंदोलन फिलहाल दो अलग-अलग समूहों में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन दोनों की प्रमुख मांगें समान हैं। एक समूह का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र महतो कर रहे हैं, जो भूख हड़ताल पर हैं। वहीं दूसरे समूह में ब्रह्मानंद समेत कई छात्र खुले आसमान के नीचे आमरण अनशन कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और अब निर्णायक कार्रवाई जरूरी है।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम का माहौल बड़े जनआंदोलन जैसा नजर आ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से लोग छात्रों को नैतिक समर्थन देने पहुंच रहे हैं। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और छात्र अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच अपराध अनुसंधान विभाग कर रहा है। जांच के दौरान जेपीएससी से जुड़े कुछ कर्मचारियों और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पास अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट और प्रवेश पत्र मिलने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी ने कुछ सफल अभ्यर्थियों से भी ओएमआर शीट मांगी है। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि आयोग के पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ जारी है और उनका पासपोर्ट भी जब्त किया गया है। आंदोलनकारी छात्र परीक्षा रद्द करने, केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने और भविष्य में समयबद्ध व निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग पर अब भी अडिग हैं।

ओणम पर साड़ियों से बनी दुनिया की सबसे बड़ी रंगोली, बना विश्व रिकॉर्ड

कोच्चि (एजेंसी)। ओणम उत्सव के अवसर पर केरल के कोच्चि स्थित फोरम मॉल में परंपरा और कला का अनूठा संगम देखने को मिला। एक नामी ब्रांड कलेक्शंस द्वारा 2,000 वर्ग फुट क्षेत्र में 2,100 से अधिक सिल्क और कांचीपुरम सिल्क साड़ियों का उपयोग कर दुनिया की सबसे बड़ी साड़ी पूक्कलम (साड़ियों से बनी रंगोली) तैयार करवाई गई। इस अनोखी कलाकृति को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम (यूआरएफ) ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। थोडुपुझा स्थित इस खास ब्रांड के कलेक्शंस के इस आयोजन को प्रसिद्ध कलाकार दा विंची सुरेश और अपनी रचनात्मक टीम के सहयोग से विशेष रचनात्मक रंगोली का निर्माण किया। पारंपरिक फूलों की जगह लगभग 5,000 रंगों और डिजाइनों वाली साड़ियों का इस्तेमाल कर ओणम की सांस्कृतिक विरासत को नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया। आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग फोरम मॉल पहुंचे। आयोजकों ने इसे भारतीय परंपरा, वस्त्र कला और रचनात्मकता का अनूठा उदाहरण बताया।

शेख हसीना के लाइव कार्यक्रम से घबराया बांग्लादेश

-भारत ने कहा- घबराएं नहीं, ये उनका निजी मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर एक नए घटनाक्रम ने ढाका की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि भारत ने दो टूक कहा है कि घबराने की जरुरत नहीं है ये उनका अपना निजी मामला है। भारत में शरण ले रहीं शेख हसीना करीब दो साल बाद पहली बार मीडिया से लाइव संवाद करने जा रही हैं। वह बुधवार को वर्चुअल माध्यम से विदेशी पत्रकार क्लब की प्रेसवार्ता में शामिल होंगी और सीधे सवालों के जवाब देंगी। भारत आने के बाद यह पहला मौका होगा जब वह सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने अपनी बात रखेंगी। इससे पहले वह केवल लिखित बयान जारी करती रही हैं।

अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में किसी अज्ञात स्थान पर रह रही हैं। उनके आगामी मीडिया कार्यक्रम की घोषणा के बाद बांग्लादेश सरकार ने भारत के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। ढाका ने इस कार्यक्रम को रोकने की अपील भी की, लेकिन भारत ने इसे निजी मामला बताते हुए दूरी बना ली है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने सवाल उठाया कि एक भगोड़े नेता को भारत में राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति कैसे दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंध आगे बढ़ाना चाहते हैं और ऐसी गतिविधियों से प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भारत से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शेख हसीना का मीडिया के सामने आना बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के लिए चुनौती बन सकता है। हसीना अपनी बात रखकर समर्थकों और आम जनता के बीच अपनी छवि मजबूत करने की कोशिश कर सकती हैं। इसी संभावना को लेकर ढाका में चिंता बढ़ी हुई है। बांग्लादेश की आपत्तियों पर भारत ने स्पष्ट किया है कि शेख हसीना का मीडिया कार्यक्रम सरकार से जुड़ा हुआ नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह एक निजी कार्यक्रम है और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मीडिया सीधे उनसे संपर्क कर रहा है और साक्षात्कार देना या नहीं देना उनका व्यक्तिगत फैसला है। भारत के अनुसार आने वाले समय में शेख हसीना अन्य माध्यमों से भी अपना पक्ष रख सकती हैं। यही बात बांग्लादेश सरकार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। बांग्लादेश सरकार कई बार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है। इसके लिए औपचारिक अनुरोध भी किया गया है, लेकिन भारत में अभी तक इस संबंध में कोई कानूनी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। जानकारों के अनुसार भारत का मानना है कि यदि शेख हसीना खुद बांग्लादेश लौटने का फैसला करती हैं तो प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी।

कुंभ-2027 के निर्माण कार्यों में आएगी तेजी, पांच नए पुलों की गुणवत्ता जांच करेगा आईआईटी रुड़की

हरिद्वार (एजेंसी)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को गति देने के लिए कांवड़ मेला समाप्त होते ही मेला क्षेत्र में चल रही सभी अवस्थापना विकास परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर कार्य शुरू किया जाएगा। इस संबंध में मेला प्रशासन ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को मेलाधिकारी सोनिका ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
मेलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ मेला समाप्त होते ही सभी परियोजनाओं पर पूरी क्षमता के साथ कार्य प्रारंभ किया जाए तथा प्रत्येक निर्माण की गुणवत्ता की नियमित तीसरे पक्ष से जांच कराई जाए। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए जा रहे पांच नए पुलों का निर्माण तय समय में पूरा कराया जाएगा और उनकी गुणवत्ता का परीक्षण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से कराया जाएगा। साथ ही तकनीकी अधिकारियों को पुलों के इस्पात ढांचे के निर्माण का कार्यशालाओं में जाकर निरीक्षण करने और गुणवत्ता की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बस अड्डों, पार्किंग स्थलों, प्रमुख चौराहों, पैदल मार्गों, फुटपाथों, प्रकाश व्यवस्था और शहर के सौंदर्यीकरण से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। वषार्काल समाप्त होने के बाद कुंभ शिविरों के लिए चिन्हित भूमि की सफाई और समतलीकरण तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए गए। मेलाधिकारी ने सभी सड़कों, पुलों और घाटों के आसपास व्यापक पौधारोपण कराने, अतिक्रमण हटाने तथा जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण न हटाने की स्थिति में संबंधित कार्यदायी संस्था का भुगतान रोक दिया जाएगा।

ऑपरेशन में महिला के पेट में तौलिया छोड़ने का मामला: उपभोक्ता आयोग ने दो महिला चिकित्सकों पर लगाया 17 लाख रुपये का जुमार्ना

हापुड़ (एजेंसी)। पिलखुवा स्थित नेशनल हाईवे-9 के रामा हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान महिला मरीज के पेट में तौलिया छूट जाने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बड़ी राहत देते हुए दो महिला चिकित्सकों को 17 लाख रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।
जानकारी के अनुसार पिलखुवा निवासी नियाज अहमद की पत्नी मीना वर्ष 2014 में गर्भवती थीं। 26 फरवरी 2014 को रामा हॉस्पिटल में चिकित्सक डॉ. मोनिका और डॉ. रेणुका ने उनका ऑपरेशन किया था। ऑपरेशन के बाद भी महिला के पेट में लगातार दर्द बना रहा। बाद में दूसरे अस्पताल में कराई गई जांच और एक्स-रे में पता चला कि ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में गॉज का कपड़ा (तौलिया) रह गया था। इसके बाद दोबारा ऑपरेशन कर तौलिया बाहर निकाला गया। इस उपचार पर करीब 1.70 लाख रुपये का खर्च आया। पीड़िता ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में 17 लाख रुपये के मुआवजे की मांग की थी। मामले की सुनवाई के बाद आयोग के अध्यक्ष भोपाल सिंह तथा सदस्य संतोष रावत और राजीव कुमार सिंह की पीठ ने चिकित्सकीय लापरवाही मानते हुए आदेश दिया कि उपचार पर हुए खर्च के साथ मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक क्षति के मद्देनजर कुल 17 लाख रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित पीड़िता को अदा किए जाएं। वहीं रामा हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. राहुल ने कहा कि आयोग का आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

कांवड़ मार्ग पर स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल चिकित्सा इकाइयां बनीं संजीवनी, सात हजार शिवभक्तों को मिला तत्काल उपचार

हरिद्वार (एजेंसी)। कांवड़ मेला-2026 के दौरान शिवभक्तों को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहली बार संचालित की गई पांच मोबाइल चिकित्सा इकाइयां श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित हो रही हैं। कांवड़ मार्ग के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर तैनात इन इकाइयों के माध्यम से अब तक लगभग सात हजार कांवड़ यात्रियों का मौके पर ही उपचार किया जा चुका है। इससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल गई।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह ने बताया कि इस वर्ष पहली बार मंगलौर, बहादराबाद टोल प्लाजा, शंकराचार्य चौक, अलकनंदा होटल तथा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित 4एक्सओ प्वाइंट पर मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की तैनाती की गई है। प्रत्येक इकाई में प्रतिदिन सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रत्येक इकाई में चिकित्सक, औषधि वितरक, प्रयोगशाला तकनीशियन और नर्सिंग कर्मियों सहित पांच सदस्यीय दल तैनात है। यहां प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाएं, ऑक्सीजन, स्ट्रेचर तथा सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है। गंभीर मरीजों को तत्काल उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की भी व्यवस्था की गई है।
कांवड़ मेले के स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. राजेश गुप्ता इन चिकित्सा इकाइयों की लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को उपचार में देरी न हो। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान पर्याप्त पानी पीने, अधिक थकान होने पर विश्राम करने तथा स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर निकटतम मोबाइल चिकित्सा इकाई या स्वास्थ्य शिविर से तुरंत संपर्क करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार ही सुरक्षित और सफल कांवड़ यात्रा की सबसे बड़ी कुंजी है।

उर्स मेले की तैयारियों को लेकर पुलिस-प्रशासन की बैठक, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर बनी सहमति

हरिद्वार (एजेंसी)। आगामी उर्स मेले की तैयारियों को लेकर बुधवार को कोतवाली कलियर परिसर में पुलिस-प्रशासन और उर्स मेला कमेटी के सदस्यों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक देहात शेखर चंद सुयाल ने की। इसमें उर्स मेला कमेटी के सदस्यों के साथ कलियर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया। बैठक में मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।
पुलिस अधीक्षक देहात शेखर चंद सुयाल ने कहा कि उर्स मेले में बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था, सुचारु यातायात और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने मेला कमेटी के सदस्यों से अपील की कि सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू कराने में पुलिस और प्रशासन का पूरा सहयोग करें, ताकि मेले का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके।

बैठक के दौरान यातायात डायवर्जन, पार्किंग स्थलों के निर्धारण, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मेला कमेटी के सदस्यों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और मेले की सफलता के लिए सभी आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। बैठक में मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने पर भी विशेष जोर दिया गया।

मदरसों में वंदे मातरम् विवाद पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने वंदे मातरम् गाने की अनिवार्यता से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में केंद्र सरकार से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या जाति, धर्म या पंथ से परे सभी लोगों के लिए वंदे मातरम् गाना अनिवार्य किया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर को निर्धारित की गई है। तब तक केंद्र सरकार को अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखना होगा। फिलहाल हाई कोर्ट ने किसी भी प्रकार का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार किया है।

यह विवाद राज्य मदरसा विभाग की उस अधिसूचना के बाद सामने आया, जिसमें राज्य के मदरसों में भी सुबह की प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य करने की बात कही गई थी। इस आदेश को चुनौती देते हुए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जनहित याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वंदे मातरम् का गायन पूरी तरह स्वैच्छिक होना चाहिए और किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। याचिका में तर्क दिया गया कि ऐसी अनिवार्यता देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सिद्धांतों के विपरीत हो सकती है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस आदेश से किस प्रकार प्रभावित हुए हैं और बिना केंद्र सरकार का पक्ष जाने अंतरिम राहत कैसे दी जा सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से आग्रह किया गया कि अंतिम फैसला आने तक इस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाए, लेकिन अदालत ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हालांकि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यदि आदेश के पालन को लेकर किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई होती है तो संबंधित पक्ष अदालत का रुख कर सकता है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि देश के अनेक ईसाई शिक्षण संस्थानों में भी प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह मुद्दा सांप्रदायिक सद्भाव और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है तथा किसी भी व्यक्ति पर राष्ट्रगीत गाने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि यह जनहित याचिका नहीं, बल्कि प्रचार पाने के उद्देश्य से दायर की गई याचिका है। उनका कहना था कि सरकार का उद्देश्य केवल 'वंदे मातरम्'को लोकप्रिय बनाना है, न कि किसी व्यक्ति को इसे गाने के लिए बाध्य करना। उन्होंने अदालत से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए समय देने का अनुरोध किया। वहीं, सुनवाई के दौरान कुछ अन्य अधिवक्ताओं ने भी इस मुद्दे को धर्मनिरपेक्षता, संवैधानिक अधिकारों और संसद में पहले हो चुकी बहस से जुड़ा बताते हुए अपने-अपने तर्क अदालत के समक्ष रखे। अब सभी की नजर 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर है, जब केंद्र सरकार अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करेगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों का यौन उत्पीड़न, पूर्व रग्बी कोच आरोपी

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व राष्ट्रीय रग्बी कोच और रेडियो प्रस्तोता एलन जोन्स (85) के खिलाफ छह पुरुषों और लड़कों के यौन उत्पीड़न के आरोपों में सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ। उन्होंने 2003 से 2020 के बीच लगे अनुचित व्यवहार और यौन स्पर्श के 22 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में जस्टिस ग्लेन वॉल्श के समक्ष यह सुनवाई चल रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 साल की उम्र में जोन्स ने उसकी मदद की, लेकिन बाद में अनुचित व्यवहार शुरू कर दिया। वहीं, जोन्स की वकील गैब्रिएल बशीर ने आरोपों को प्रतिद्वंद्विता और मौकापरस्ती से प्रेरित मनगढ़ंत कहानी करार दिया।

ब्रॉड पीक हिमस्खलन में जान गंवाने वाले तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान स्थित ब्रॉड पीक पर आए घातक हिमस्खलन में मारे गए तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। 7,000 मीटर की ऊंचाई पर आए इस हिमस्खलन की चपेट में 10 सदस्यीय टीम आ गई थी। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) के अनुसार, बरामद शवों में दिग्गज ब्रिटिश-नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुरजा, नेपाल के पुर बहादुर गुरुंग, किली पेम्बा शेरपा, नीमा शेरपा, ग्यालु शेरपा, नधीरा अहमद अब्दुल्ला, ओमान के अल हार्थी, अमेरिका की मेलोरी गीस और चीन के वांग झोंग शामिल हैं। पाकिस्तान के सोहेल सखी और नवांग थिंडू शेरपा अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पीओके में नवाज शरीफ की पार्टी बना सकती है सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनाव के दूसरे चरण में नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीती हैं। 27 जुलाई को पहले चरण में नवाज की पार्टी ने 13 में से नौ सीटें जीतीं थी। पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने अब तक 31 में से 23 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आठ सीटें हासिल की हैं। पीपीपी को दोनों चरणों में चार-चार सीटें मिली हैं।

अफगानिस्तान में कबीलों के बीच जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, चौथे दिन जारी झड़प में कई घायल

काबुल, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में खोस्त और पक्तिया प्रांतों की सीमा पर स्थित एक पहाड़ी इलाके के मालिकाना हक को लेकर दो कबीलों के बीच हुई सशस्त्र झड़पें सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहीं। अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस के मुताबिक, यह झड़प खोस्त प्रांत के स्पाइरा जिले के बोरी खेल कबीले और पक्तिका प्रांत के गियान जिले के गियान खेल कबीले के लोगों के बीच शुरू हुई। स्थानीय रिपोर्टों का हवाला देते हुए एजेंसी ने बताया कि दोनों पक्षों ने संघर्ष के दौरान हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। इससे लंबे समय से चल रहे जमीन विवाद के और बढ़ने की चिंता पैदा हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवादित पहाड़ स्पाइरा और गियान जिलों के बीच स्थित है। यह इलाका जंगलों से घिरा हुआ है, जिनमें कीमती पाइन नट के पेड़ भी हैं। लोगों का कहना है कि इन्हीं संसाधनों की वजह से जमीन के मालिकाना हक, उपयोग और नियंत्रण को लेकर मतभेद और बढ़ गए हैं। कई दशकों से यह विवाद समय-समय पर सशस्त्र झड़पों का कारण बनता रहा है। स्पाइरा जिले के निवासी शाह मीर खान ने कहा कि पहले भी इस पहाड़ को लेकर हुई झड़पों में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि इस विवाद से जुड़े पुराने संघर्षों में करीब 80 लोग मारे गए या घायल हुए थे। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। रेडियो हुर्रियत के अनुसार, हालात को और बिगड़ने से रोकने और दोनों पक्षों को अलग करने के लिए तालिबान बलों को इलाके में तैनात किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस पहाड़ को लेकर विवाद की जड़ दोनों समुदायों के ऐतिहासिक मालिकाना दावों में है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस क्षेत्र को लेकर तनाव कई पीढ़ियों से चला आ रहा है। यह विवाद अक्सर प्राकृतिक संसाधनों, चराई की जमीन और जंगलों तक पहुंच से जुड़ा रहता है। रेडियो हुर्रियत का कहना है कि यह व्यापक विवाद लगभग 80 वर्षों से जारी है और इस दौरान दोनों पक्षों के 250 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

हर जमानत के बाद केसः क्यों नहीं हो रही चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई? वकील बोले- 'सरकार चाहे तो मिल सकती है आजादी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रमुख हिंदू संत और सनातनी समुदाय के प्रमुख प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से पैरवी कर रही कानूनी टीम ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। वकीलों का कहना है कि जिस तरह से मामले को लगातार लंबा खींचा जा रहा है, उससे यह संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से उनकी शीघ्र रिहाई को लेकर पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है।

आखिर चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी कब और क्यों हुई : चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान किया। उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और 27 नवंबर 2024 को चटगांव कोर्ट परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं।

जमानत मिलने के बावजूद जेल से बाहर क्यों नहीं आ सके : हालांकि चिन्मय कृष्ण दास को मूल देशद्रोह मामले और उसके बाद दर्ज कुछ अन्य मामलों में जमानत मिल चुकी है, लेकिन नए मुकदमों की वजह से उनकी रिहाई अब भी नहीं हो सकी है। उनके खिलाफ लगातार नए मामले दर्ज होने से वे अब भी जेल में बंद हैं।

वकील ने सरकार पर क्या आरोप लगाए? सोमवार को एएनआई से बातचीत में चिन्मय कृष्ण दास के बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य तंत्र लगातार नए मुकदमे जोड़कर उनके मुवक्किल को जेल में रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में चाहती, तो बहुत कुछ संभव हो सकता था, लेकिन इस मामले को जानबूझकर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।'

अब तक चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कितने मामले दर्ज हुए हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला 24 अक्टूबर 2024 को देशद्रोह का दर्ज हुआ था। इसके बाद 25 नवंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के समय चिन्मय कृष्ण दास रंगपुर में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद घरेलू उड़ान से चटगांव जा रहे थे। ढाका में ट्रांजिट के दौरान हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें हिरासत में लिया गया।

हर बार जमानत के बाद नए मुकदमे क्यों दर्ज किए गए : बचाव पक्ष के अनुसार, देशद्रोह मामले में 4 मई 2025 को हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन जमानत मिलने के महज दो दिन बाद उनके खिलाफ पांच नए मामले दर्ज कर दिए गए और इन्हीं मामलों में उन्हें फिर से गिरफ्तार दिखा दिया गया। वकील ने कहा कि यह घटनाक्रम इस बात की ओर इशारा करता है कि हर बार जमानत मिलने के बाद नए कानूनी मामले जोड़कर उनकी रिहाई टालने की कोशिश की गई।

इन नए मामलों में कौन-कौन से आरोप शामिल हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, पांच नए मामलों में अलीफ हत्याकांड, तोड़फोड़, विस्फोटक पदार्थ से जुड़ा मामला और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मामलों में जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। पहले हाईकोर्ट ने नियम (रूल) जारी किया और सुनवाई पूरी होने के बाद सोमवार को इनमें से दो मामलों में जमानत दे दी गई।

अब आगे कानूनी प्रक्रिया क्या होगी : फिलहाल चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ शेष मामलों की सुनवाई चटगांव के स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में चल रही है। स्थानीय अदालत ने हाल ही में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस पर बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि हम बिना किसी देरी के इस मामले में जमानत के लिए हाईकोर्ट जाएंगे। हाईकोर्ट ने शेष दो मामलों में जमानत याचिका पर सुनवाई 16 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है।

चिन्मय कृष्ण दास की क्या मांग रही है : चिन्मय कृष्ण दास लंबे समय से बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून बनाने, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल स्थापित करने और अल्पसंख्यक मामलों के लिए अलग मंत्रालय बनाने की लगातार मांग की है।

भारत पर नए टैरिफ लगाकर बुरे फंसे ट्रंप, अमेरिका के 25 राज्यों ने ठोक दिया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर नए टैरिफ लगाकर घर में ही घिर गए हैं। बंधुआ मजदूरी का हवाला देकर भारत सहित 60 देशों पर टैक्स लगाने के बाद अब अमेरिका के 25 राज्यों ने उन पर मुकदमा ठोक दिया है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने अपने 60 ट्रेड पार्टनर्स पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसे लेकर ही अमेरिका के 25 राज्यों के गठबंधन ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिका के इन राज्यों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन टैरिफ थोपने के लिए कानून का गलत इस्तेमाल कर रहा है। उनके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट टैरिफ को पहले ही निरस्त कर चुकी है। ऐसे में ट्रंप सरकार के पास इस नए टैरिफ लगाने का कोई आधार नहीं है।

'गैर-कानूनी तरीके से थोपा जा रहा टैरिफ' : राज्यों ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत लागू नए टैरिफ को लेकर सवाल उठाए हैं। राज्यों का तर्क है कि धारा 301 का इस्तेमाल किसी खास देश या कंपनी की नीतियों की जांच के लिए होता है, न कि सभी अमेरिकी आयात पर एक साथ टैरिफ लगाने के लिए। राज्यों ने यह आरोप भी लगाए हैं कि आमतौर पर 1 साल में पूरी होने वाली जांच प्रक्रिया को केवल 2-ढाई महीने में जल्दबाजी में पूरा दिखाकर बंधुआ मजदूरी रोकने का बहाना बनाया गया है। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स और ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट में हारने के बाद अब नया कानूनी बहाना बनाकर फिर से आम परिवारों और कारोबारों पर गैर-कानूनी तरीके से टैरिफ थोप रहा है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये टैरिफ उन देशों पर लगाए गए हैं जो देश बंधुआ मजदूरी से बने सामान के निर्यात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। हालांकि कड़े कदम उठाने के बाद देशों को छूट भी मिली थी। इनमें से एक भारत था। इस प्रस्ताव के तहत भारत पर पहले 12.5 फीसदी टैक्स लगाने की बात चल रही थी। हालांकि बाद में इसे घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया। वहीं कुछ आवश्यक चीजों को टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, खाद जैसी चीजें शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर कई कानूनी लड़ाई हार चुके हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को असंवैधानिक बता दिया था। सुप्रीम कोर्ट के झटके के बाद ट्रंप ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत वैश्विक टैरिफ लगा दिए। हालांकि कोर्ट ने बाद में इसे भी गैर-कानूनी माना। अब ट्रंप प्रशासन ने धारा 301 का सहारा लिया है।

पूर्वी अफ्रीका में भूस्खलन से 14 मौतें, कई लापता; इथियोपिया में धार्मिक आयोजन के समय तबाही

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में सोमवार सुबह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

क्या धार्मिक अनुष्ठान के दौरान हुआ हादसा : यह हादसा त्सादकाने देब्रे मिटमाक सेंट मैरी मठ में हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धिकरण के धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। यह अनुष्ठान लंबे समय से बीमारियों से राहत और आध्यात्मिक उपचार की मान्यता से जुड़ा माना जाता है।

कई लोग अब भी मलबे में फंसे : डायोसीज के महाप्रबंधक मेगाबे हादिस नेका तिबेब अबाबू के अनुसार, हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में से 11 का अंतिम संस्कार मठ परिसर में कर दिया गया है, जबकि अन्य के शव उनके गृह नगर भेजे गए हैं। कुछ शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

राहत-बचाव अभियान जारी : गंभीर रूप से घायल लोगों को नॉर्थ शेवा प्रशासनिक क्षेत्र की राजधानी देब्रे बिरहान के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान में जुटी हुई है।

लगातार बढ़ रही हैं ऐसी प्राकृतिक आपदाएं : इथियोपिया में जून से सितंबर तक चलने वाले बारिश के मौसम के दौरान भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं आम हो गई हैं। जुलाई 2024 में दक्षिणी इथियोपिया में हुए भूस्खलन में कम से कम 257 लोगों की मौत हुई थी, जबकि इसी वर्ष की शुरुआत में गामो क्षेत्र में भी ऐसे ही हादसे में 100 से अधिक लोगों की जान गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण देश में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

आतंकियों का काल बना 'अननोन', मारे 30 से ज्यादा लश्कर, पाकिस्तान में कौन कर रहा ऑपरेशन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ कमांडर ने पहली बार खुलेआम यह बात स्वीकार की है कि पिछले तीन से चार वर्षों में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई शहरों में संगठन के 30 से अधिक सदस्य मारे जा चुके हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अननोन' पर फोड़ा है। लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी संगठन जेकेयूएम के एक आतंकवादी ने पहली बार खुलेआम स्वीकार किया है कि पिछले तीन से चार सालों में पाकिस्तान और पीओके के कई प्रमुख शहरों में संगठन के 30 से ज्यादा सदस्य मारे गए हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अज्ञात बंदूकधारियों' यानी 'अननोन गनमैन' पर फोड़ा है। यह बयान लश्कर के अंदरूनी हलकों में हड़कंप मचाने वाला माना जा रहा है, क्योंकि अब तक संगठन इस तरह के नुकसान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से बचता रहा है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल : यह चौंकाने वाला खुलासा रिजवान हनीफ ने एक भाषण में किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिजवान हनीफ लश्कर-ए-तैयबा के पीओके ग्रुप का सीनियर कमांडर और डिप्टी चीफ है। वह सीमा पार घुसपैठ के संचालन, नए आतंकियों की भर्ती और पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट जैसे प्रॉक्सी संगठनों के साथ समन्वय करने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। उसके इस भाषण ने न सिर्फ लश्कर के अंदर, बल्कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के बीच भी चर्चा छेड़ दी है। अपने भाषण में रिजवान हनीफ ने दावा किया कि पिछले तीन-चार वर्षों के दौरान पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद समेत कई शहरों में लश्कर-ए-तैयबा के 30 से अधिक सदस्यों की हत्या कर दी गई। उसने कहा कि ये हमले किसी आम अपराधिक घटना की तरह नहीं, बल्कि संगठित तरीके से अंजाम दिए गए। हनीफ के अनुसार, इन हत्याओं के पीछे 'अज्ञात बंदूकधारी' सक्रिय थे, जिन्हें उसने भारतीय एजेंट बताया। हालांकि, उसने इस गंभीर आरोप के समर्थन में कोई ठोस सबूत, नाम या दस्तावेज पेश नहीं किया। हनीफ ने बार-बार यह दोहराया कि ये हत्याएं अचानक नहीं हुईं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही एक श्रृंखला का हिस्सा हैं। उसने संगठन के सदस्यों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि 'अननोन' अब लश्कर के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। उसके शब्दों में, पाकिस्तान और पीओके के अंदर सुरक्षित समझे जाने वाले इलाकों में भी लश्कर के कार्यकर्ता अब सुरक्षित नहीं रह गए हैं। भाषण के दौरान रिजवान हनीफ ने हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक और विषैली भाषा का भी इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान से रिश्ता खत्म! बलूचिस्तान 11 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा

क्वेटा, एजेंसी। भारत को बांटने का शौक पालने वाला पाकिस्तान आज खुद टूट रहा है। पीओके में जोरदार विरोध प्रदर्शनों के बीच बलूचिस्तान ने अपने स्वतंत्रता दिवस की तारीख भी फिक्स कर दी है। बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाएएगा। बलोच नेता इसके लिए दुनियाभर के देशों से समर्थन की मांग कर रहे हैं। रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान कीतरफ से लोगों से अपील की गई है कि वे 11 अगस्त को बलोच एकता दिखाएं और स्वतंत्रता दिवस मनाएं।

पाकिस्तान के बाहर भी मनेगा जश्न : बलोचि लिबरेशन नेता मीर यार बलोच ने कहा कि 11 अगस्त को लोग स्वतंत्र बलूचिस्तान का झंडा अपने घरों मं फहराएं। इसके साथ ही आस-पास, बाजार, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान का झंडा लगाया जाए। बलोच नेता ने अपने बायन में कहा कि हर साल अब 11 अगस्त को ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाले बलोच लोग भी इस दिन स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाएंगे। बलोच नेताओं ने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों ने ना कवल इस क्षेत्र में बल्कि बाहर भी बहुत बुरा असर डाला है। चाहे कश्मीर के लिए जहर उगलना हो. बलूचिस्तान में सैन्य कार्रवाई हो, सोवियत-अफगान युद्ध में शामिल होना या फिर परमाणु टेस्टिंग। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों की वजह से केवल खून बहता है।

दुनियाभर से समर्थन की मांग : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान ने अपने बयान में कहा है कि पाकिस्तान के साथ रहकर बलूचिस्तान कभी समृद्ध नहीं हो सकता। ऐसे में पूरी दुनिया को उनका समर्थन करना चाहिए जिससे कि इस क्षेत्र में शांति स्थापित की जा सके।

11 अगस्त को क्यों स्वतंत्रता दिवस : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के मुताबिक पहली बार 11 अगस्त 1947 को ही बलूचिस्तान को स्वतंत्र घोषित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घोषणा को तवज्जो भी दी थी।उस समय भारत और पाकिस्तान का बंटवारा भी नहीं हुआ था। दावा है कि ऑल इंडिया रेडियो और न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी यह खबर चलाई थी। इसी आधार पर बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा। भारत-पाक बंटवारे के बाद पाकिस्तान 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने लगा।

दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश ने अपना नाम बदला:अब 'नौरू' नहीं 'नाओएरो' कहलाएगा

यारेन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में बसे दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश नौरू ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अपना नाम बदल दिया है। अब यह देश आधिकारिक तौर पर 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो' कहलाएगा। संयुक्त राष्ट्र (हृ) ने भी अपने रिकॉर्ड में नया नाम लागू कर दिया है। करीब 12 हजार आबादी वाले इस द्वीपीय देश का कहना है कि 'नाओएरो' उसका असली नाम है, जबकि 'नौरू' विदेशी लोगों की सुविधा के लिए प्रचलन में आया था। अब सरकार का मानना है कि समय आ गया है कि देश दुनिया के सामने अपनी मूल पहचान के साथ जाना जाए। नाओएरो इक्कीसवीं सदी में ऐसा आठवां देश बन गया है जिसने अपना नाम बदला है। इससे पहले तुर्किये ने 2022 में ऐसा किया था।

शादी में विवाद के बाद 10 साल तक गृहयुद्ध चला : 19वीं सदी के आखिर तक नाउरू एक छोटा-सा द्वीप था, जहां 12 स्थानीय जनजातियां रहती थीं। यहां कोई आधुनिक सरकार या सेना नहीं थी। लोगों का जीवन मछली पकड़ने, नारियल की खेती और समुद्र से मिलने वाले संसाधनों पर निर्भर था। 1870 के दशक में यूरोपीय व्यापारी नाउरू पहुंचने लगे। वे यहां नारियल और दूसरे सामान का व्यापार करते थे। बदले में उन्होंने स्थानीय लोगों को शराब और बंदूकें बेचना शुरू कर दिया। इससे द्वीप का सामाजिक संतुलन बिगड़ने लगा। 1878 में एक शादी समारोह के दौरान रीति-रिवाज को लेकर बहस हुई। बहस के बीच एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर गोली चला दी, जिससे एक कबीलाई प्रमुख के बेटे की मौत हो गई। नाउरू की पारंपरिक संस्कृति में ऐसी हत्या का बदला लेना सामाजिक जिम्मेदारी माना जाता था। यहीं से बदले का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे पूरे द्वीप के 12 कबीलों के बीच गृहयुद्ध में बदल गया। यह संघर्ष करीब 10 साल तक चला, जिसे नाउरू सिविल वॉर के नाम से जाना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मारे गए, कई गांव उजड़ गए और लगभग हर परिवार किसी न किसी रूप में इस हिंसा से प्रभावित हुआ। हालात इतने खराब हो गए कि आखिरकार 1888 में जर्मनी ने हस्तक्षेप कर द्वीप पर नियंत्रण स्थापित किया, हथियार जब्त किए और इस लंबे खूनी संघर्ष को समाप्त कराया।

जर्मनी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने नौरू पर कब्जा किया : 1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू होते ही हालात बदल गए। ऑस्ट्रेलियाई सेना ने बिना ज्यादा प्रतिरोध के नाओएरो पर कब्जा कर लिया। युद्ध खत्म होने के बाद जर्मनी हार गया और उसे अपने कई विदेशी उपनिवेश छोड़ने पड़े। करीब पांच दशक तक विदेशी सरकार के कब्जे में रहने के बाद नाओएरो को 31 जनवरी 1968 को पूर्ण स्वतंत्रता मिली और यह एक संप्रभु गणराज्य बन गया।

माफी नहीं मांगते तो तबाह हो जाते 3 ठिकाने; यूक्रेन पर हमले की तैयारी में था ईरान, अब दी बड़ी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। कैस्पियन सागर में एक ईरानी कारोबारी जहाज पर हुए हालिया ड्रोन हमले ने तेहरान और कीव को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान ने दावा किया है कि वह यूक्रेन के भीतर तीन रणनीतिक ठिकानों पर जवाबी हमला करने की पूरी तैयारी कर चुका था, लेकिन ऐन वक्त पर यूक्रेनी सरकार द्वारा मांगी गई 'माफी' के बाद इस सैन्य ऑपरेशन को रोक दिया गया।

ईरान-यूक्रेन में क्या था विवाद : विवाद की शुरुआत 25 जुलाई को हुई, जब कैस्पियन सागर में ईरान के एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। यूक्रेन का आधिकारिक तौर पर कहना है कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था और यह महज एक तकनीकी गलती थी। हालांकि, ईरान इस सफाई को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। तेहरान का मानना है कि उसके पास ऐसे पुख्ता सबूत हैं जो बताते हैं कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियोजित थी। यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने था ईरान ईरान के सुप्रीम लीडर के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार और IRGC के पूर्व कमांडर मेजर जनरल मोहसन रेजाई ने सरकारी टेलीविजन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि ईरानी सेना ने यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने के लिए अपनी तैयारी पूरी कर ली थी। रेजाई के अनुसार, कीव की ओर से यह स्पष्टीकरण आने के बाद कि हमला एक चूक थी, जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि तेहरान केवल बयानों से संतुष्ट नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ईरान अब यह देख रहा है कि यूक्रेन अपनी 'गलती' के दावे को साबित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

बघाई ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उन सार्वजनिक बयानों का भी जिक्र किया, जिनमें उन्होंने कैस्पियन सागर के पास रूसी सैन्य ठिकानों पर लंबी दूरी के हमलों की बात कही थी। ईरान इसे हमले के इरादे के सबूत के तौर पर देख रहा है।

आगे क्या होगा : ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने भी इस मामले पर यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा से बात की है। यूक्रेन ने भरोसा दिलाया है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने नुकसान की भरपाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यूक्रेन ने इस मामले में ठोस राजनयिक समाधान नहीं निकाला, तो यह विवाद एक नए युद्ध के मोर्चे में तब्दील हो सकता है।

एपस्टीन का द्वीप खरीदने वाला ताकझांक से परेशान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के कुख्यात निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स और ग्रेट सेंट जेम्स अब एक नई वजह से चर्चा में हैं। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, द्वीप खरीदने वाले अरबपति निवेशक स्टीफन डेकऑफ के लिए ये प्रॉपर्टी अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट बनाने वालों की वजह से बड़ी परेशानी बन गई है। डेकऑफ ने 2023 में दोनों द्वीप लगभग 6 करोड़ डॉलर (571 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनको यहां एक लग्जरी रिसॉर्ट बनाना था, लेकिन चार साल बाद भी ऐसा न हो सका। इस बीच कई यूट्यूबर, इन्फ्लुएंसर व कंटेंट क्रिएटर बिना अनुमति द्वीप पर पहुंचकर वीडियो बना रहे व ताकझांक कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे एपस्टीन से जुड़े रहस्यों की सच्चाई सामने लाना चाहते हैं। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे। 2019 में उसकी जेल में मौत हो गई थी, लेकिन उससे जुड़ी जानकारियों को लेकर आज भी लोगों में काफी दिलचस्पी है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र सरकार ने अमेरिका से इथेनॉल आयात की खबरों को खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि

भारत पेट्रोल में मिलाने के लिए अमेरिका से बड़ी मात्रा में इथेनॉल आयात कर रहा है या ऐसा करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने इन रिपोर्ट्स को बेबुनियाद और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की प्रक्रिया) के तहत पेट्रोल में मिलाए जाने वाला इथेनॉल पूरी तरह घरेलू उत्पादकों से खरीदा जाता है। सरकार ने कहा कि ईंधन में मिलाने के लिए अमेरिका से इथेनॉल का कोई आयात नहीं हो रहा है। देश की इथेनॉल ब्लेंडिंग योजना अभी भी घरेलू उत्पादन और खरीद पर ही निर्भर है। सरकार ने उन दावों को भी गलत बताया है, जिनमें कहा गया था कि भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता में इथेनॉल आयात को लेकर भारत ने अमेरिका को कोई रियायत दी है। मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिका से फ्यूल इथेनॉल आयात करने को लेकर भारत ने न तो कोई प्रतिबद्धता जताई है और न ही कोई रियायत दी है। सरकार ने कहा कि अमेरिका से बड़े पैमाने पर फ्यूल इथेनॉल आयात की अनुमति देने के लिए नीति में बदलाव किए जाने की बात भ्रामक है। मंत्रालय के अनुसार, भारत में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की योजना और इथेनॉल की खरीद से जुड़े फैसले पूरी तरह देश की घरेलू नीति और जरूरतों के आधार पर लिए जाते हैं। भारत अपनी खपत का लगभग 88.5 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति झटकों का जोखिम बना रहता है। भारतीय गन्ना, मक्का और चावल जैसे कृषि उत्पादों से तैयार होने वाला इथेनॉल घरेलू संसाधनों का उपयोग करके इस निर्भरता और आर्थिक जोखिम को कम करने का एक प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है।

सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदेगी ईएमएस कंपनी वाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स को

मुंबई, एजेंसी। स्वदेश में ही इंटीग्रेटेड सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बना रही कंपनी आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को

तरफ से बड़ी खबर आई है। कंपनी ने बताया है कि उसने प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज कंपनी, वाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के रणनीतिक अधिग्रहण के लिए एक एमओयू और टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने यहां जारी एक बयान में बताया कि यह अधिग्रहण भारत में एक एकीकृत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने के आरआरपी के विजन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कंपनी ने हालांकि, इस सौदे के बारे में कोई फाइनेंशियल डिटेल डिस्क्लोज नहीं किया है। इस समझौते के तहत, आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स ने चार चरणों में वाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने की योजना बनाई है। अगले साल मार्च तक उसमें 50 फीसदी स्वामित्व का लक्ष्य है। इसके बाद, मार्च 2028 तक पूरी तरह से उस कंपनी का अधिग्रहण हो जाएगा। अधिग्रहण से पहले नियामक अनुमति भी ली जाएगी। आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स ने आरआरपी डिफेंस के साथ मिल कर इसी साल मार्च में डिफेंस पीएसयू भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। इसके मुताबिक दोनों कंपनी मिल कर सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और अनमैन्ड सिस्टम डेवलप करेंगे। माना जा रहा है कि इस सिस्टम के डेवलप होने से डिफेंस एक्सपोर्ट को भी बढ़ावा मिलेगा।

बिहार में लगेंगे बड़े उद्योग, 51600 करोड़ रूपये के एमओयू साइन

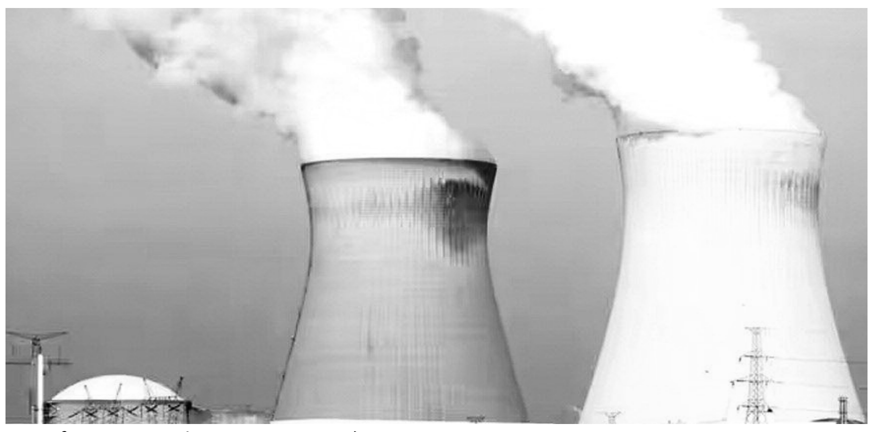

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार को पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में कई औद्योगिक समूहों के साथ 51,600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को लेकर समझौता ज्ञापन साइन किए गए। इन निवेशों से स्टील, न्यूक्लियर एनर्जी, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग और फार्मास्युटिकल सेक्टर को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव ग्लोबल रिन्यूएबल एडवांस्ड क्लीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आया है। कंपनी ने न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर में 22,500 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए एमओयू साइन किया है। सरकार का कहना है कि इस निवेश से बिहार में ऊर्जा ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा। इन उद्योगों से प्रदेश में करीब 27 हजार नौकरियां पैदा होंगी। मुख्यमंत्री ने आगामी बिहार बिजनेस कनेक्ट 2026 की तैयारियों की भी समीक्षा की।

स्टील सेक्टर में भी बड़े निवेश

स्टील सेक्टर में कुल 6 एमओयू साइन किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य इन निवेशों के जरिए बिहार को देश के प्रमुख स्टील हब के रूप में विकसित करना है। इनमें प्रमुख निवेश प्रस्ताव इस प्रकार हैं: 6,000 करोड़ रुपये श्री लंगटा बाबा मेटल्स एंड पावर लिमिटेड: 5,500 करोड़ रुपये श्याम स्टील: 500 करोड़ रुपये शाकंभरी इस्पात: 500 करोड़ रुपये

रोजगार और इंडस्ट्री पर फोकस

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य निवेश प्रस्तावों को जल्द से जल्द जमीन पर उतारकर औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल और अपैरल सेक्टर बिहार के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये क्षेत्र बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार दे सकते हैं। इसके अलावा फूड प्रोसेसिंग और फार्मास्युटिकल सेक्टर पर भी सरकार का विशेष ध्यान रहेगा।

लेने के देने पड़ गए...ट्रंप सरकार ने लौटाए टैरिफ के 9.5 लाख करोड़, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बड़ा रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने करीब 100 अरब डॉलर यानी लगभग 9.5 लाख करोड़ रुपये के टैरिफ का पैसा वापस कर दिया है। यह रकम उन आयातकों को लौटाई गई है, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए टैरिफ का भुगतान किया था। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह रिफंड किया गया है। ट्रंप ने अमेरिका के व्यापारिक साझेदार देशों से आने वाले सामान पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने के लिए इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का इस्तेमाल किया था। हालांकि, फरवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इस कानून के तहत राष्ट्रपति को अपनी मर्जी से इतने बड़े स्तर पर टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। इसके बाद प्रशासन को इस कानून के तहत वसूली गई रकम वापस करनी पड़ी। अमेरिकी कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में दाखिल दस्तावेज के अनुसार, 31 जुलाई तक करीब 166 अरब डॉलर के टैरिफ की वसूली हुई थी। इसमें से लगभग 60 फीसदी यानी करीब 100 अरब डॉलर वापस किए जा चुके हैं। इस रिफंड में ब्याज की रकम भी शामिल है। पैसा उन अमेरिकी आयातकों को लौटाया गया है, जिन्होंने शुरुआत में टैरिफ का भुगतान किया था। अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के एक अधिकारी के मुताबिक, 31 जुलाई तक करीब 128.68 अरब डॉलर के संभावित और प्रमाणित रिफंड को प्रोसेसिंग के लिए मंजूरी मिल चुकी थी। इनमें से करीब 100 अरब डॉलर का रिफंड पूरा हो चुका है और रकम अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को भुगतान के लिए भेजी जा चुकी है। यह रिफंड सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं को नहीं दिया जा रहा है। रकम उन अमेरिकी आयातकों को वापस मिल रही है, जिन्होंने टैरिफ का भुगतान किया था। आलोचकों का कहना है कि अमेरिकी कंपनियां इस पैसे का फायदा आम लोगों तक कम कीमतों के रूप में पहुंचाएंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

जहां 90 प्रतिशत बिजनेस हो जाते हैं बंद, वहां चाय बेचकर खड़ी कर दी करोड़ों की कंपनी

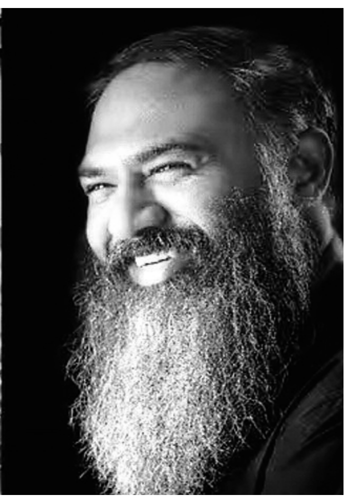

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में फूड एंड बेवरेज बिजनेस को काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि इस सेक्टर में करीब 90 प्रतिशत ब्रांड दो साल के भीतर बंद हो जाते हैं। लेकिन चेन्नई के जहाबर सादिक ने इस चुनौती के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। आईटी की नौकरी छोड़कर उन्होंने साल 2016 में चाय किंग्स की शुरुआत की और आज यह चाय चेन तेजी से आगे बढ़ रही है। कंपनी का लक्ष्य मौजूदा वित्तीय वर्ष में करीब 90 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करना है। चाय किंग्स के बिजनेस

आईटी जाब छोड़ शुरू किया चाय का बिजनेस

जहाबर सादिक ने नौकरी छोड़कर फूड और बेवरेज सेक्टर में कदम रखा। उन्होंने साल 2016 में इसकी शुरुआत अपने दोस्त बालाजी सदागोपन के साथ मिलकर की थी। जहाबर का कहना है कि चाय का बिजनेस बाहर से जितना आसान दिखता है, असल में उतना ही मुश्किल है। उनके मुताबिक बिजनेस में मार्जिन काफी कम होता है। सैलरी, दुकान का किराया, चीनी और दूध जैसी चीजों की बढ़ती कीमतें कारोबार की लागत बढ़ाती है।

मॉडल में सही कीमत तय करना बेहद अहम है। जहाबर के मुताबिक कीमत बहुत ज्यादा या बहुत कम रखने से ग्राहक की उम्मीद और कंपनी की कमाई, दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दुकान का डिजाइन और इंटीरियर भी प्रोडक्ट की कीमत के हिसाब से होना चाहिए। अगर कोई 30 रुपये की चाय बेच रहा है, तो स्टोर को लग्जरी शो रूम जैसा बनाने का कोई मतलब नहीं है। कंपनी का फोकस ऐसा माहौल बनाने पर है, जहां ग्राहक आराम से चाय पी सकें और करीब 15 से 20 मिनट में निकल जाएं।

कर्मचारियों को रोकना बड़ी चुनौती

जहाबर के अनुसार रिटेल इंडस्ट्री में कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखना बड़ी चुनौती है। कई बार कर्मचारी सिर्फ 1000 से 2000 रुपये ज्यादा सैलरी के लिए नौकरी बदल लेते हैं। इसके अलावा सप्लाई चेन में आने वाली दिक्कतें और मांग में बदलाव भी कारोबार को प्रभावित करते हैं। वहीं, कंपनियों के लिए बार-बार कीमत बढ़ाना भी आसान नहीं होता। आमतौर पर मेन्यू की कीमत साल में एक बार या कई बार दो साल में बदलनी पड़ती है। ग्राहकों की पसंद लगातार बदलती रहती है, लेकिन चाय के कुछ लोकप्रिय स्वादों की मांग स्थिर रहती है। जहाबर का मानना है कि कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए ग्राहकों की बदलती पसंद और हेल्थ ट्रेंड्स पर भी नजर रखना जरूरी है।

किस्त नहीं चुकाई तो लॉक हो जाएगा फोन, टैबलेट और लैपटॉप, आरबीआई ने नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। लोन पर स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप खरीदने वालों के लिए जरूरी खबर है। अगर उन्होंने लोन की किस्त नहीं चुकाई तो उनके डिवाइस पूरी तरह लॉक किए जा सकते हैं। आरबीआई ने लोन पर खरीदे गए डिवाइस को डिसेबल करने के अपने प्रस्तावित नियमों में ढील दी है। पहले 90 दिन तक की देरी तक डिवाइस लॉक नहीं किया जा

सकता था लेकिन अब इसे घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने साथ ही इंडस्ट्री से मिले फीडबैक के बाद रिकवरी एजेंट के लिए जानकारी देने की शर्तों को आसान बनाया है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने रेगुलेटेड संस्थाओं के कामकाज और रिकवरी एजेंट को काम पर रखने के बारे में अपने निर्देशों में संशोधित किया है। इसके मुताबिक आरबीआई ने लेंडर्स को श्रेष्ठ पर फाइनेंस किए गए मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप को धीरे-धीरे लॉक करने की इजाजत दे दी है। लोन पेमेंट में 30 से 60 दिन की देरी पर धीरे-धीरे डिवाइस पर पाबंदियां लगा सकता है। पुराने प्रस्ताव में लोन पेमेंट में 90 दिन की देरी होने तक ऐसी कार्रवाई पर रोक थी।

कैसे-कैसे लगेंगी पाबंदियां?

फाइनल नियमों के अनुसार, लेंडर्स तब तक कोई पाबंदी नहीं लगा सकते जब तक लोन की पेमेंट में कम से कम 30 दिन की देरी न हो जाए। साथ ही बैंकों को इस बारे में डिफॉल्टर को औपचारिक नोटिस भी भेजना होगा। पेमेंट में 30 से 60 दिन की देरी होने पर बैंक डिवाइस को लॉक करने की दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि इस दौरान आउटगोइंग कॉल ब्लॉक नहीं की जा सकतीं। कॉन्ट्रैक्ट के तहत पूरी पाबंदियां तभी लागू की जा सकती हैं जब लोन की पेमेंट में 60 दिन से ज्यादा की देरी हो जाए। साथ ही लोन लेने वालों के लिए भी सुरक्षा उपाय बनाए रखे हैं। इनकमिंग कॉल, और इमरजेंसी फीचर्स ब्लॉक नहीं किए जा सकते। आरबीआई का कहना है कि डिवाइस पर पाबंदियों के कारण डिफॉल्टर्स को काम या रोजगार से जुड़ी गतिविधियां करने से नहीं रोका जाना चाहिए।

बिना आईटीआर मिलेगा रिफंड दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आपकी इनकम पर कट जाता है, लेकिन आपकी कोई टैक्स देनदारी नहीं बनती, तो भविष्य में बिना आईटीआर दाखिल किए भी रिफंड मिल सकता है। इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें ऐसे लोगों के लिए ऑटोमेटिक टीडीएस रिफंड सिस्टम लागू करने की मांग की गई है। पीटीआई की खबर के मुताबिक याचिका में आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 433 को चुनौती दी गई है। इस धारा के तहत आईटीआर रिफंड पाने के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। याचिकाकर्ता का कहना है कि जिन लोगों की कोई टैक्स देनदारी नहीं बनती और जिन्हें आईटीआर भरने की बाध्यता भी नहीं है, उन्हें केवल रिफंड लेने के लिए रिटर्न दाखिल करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस

जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर 2026 को होगी।

याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि पात्र लोगों को बिना आईटीआर दाखिल किए टीडीएस रिफंड मिले। केंद्र सरकार और सीबीडीटी ऑटोमेटिक टीडीएस रिफंड सिस्टम लागू करें। जिन लोगों को आईटीआर भरने से छूट है, उनसे केवल रिफंड के लिए रिटर्न न मांगा जाए।याचिका में कहा गया है कि सरकार के पास पहले से ही पैन, आधार, फार्म और रिकॉर्ड मौजूद है।

किन लोगों को होगा फायदा?

याचिका के अनुसार मौजूदा व्यवस्था का सबसे ज्यादा असर सीनियर सिटिजन, कम आय वाले कर्मचारी, ब्लू-कॉलर वर्कर्स जैसे लोगों पर पड़ता है। ऐसे लोग जिनकी टैक्स देनदारी शून्य है लेकिन कट चुका है, उनपर भी बड़ा असर पड़ता है। इनमें से कई लोग केवल कुछ हजार रुपये का रिफंड लेने के लिए आईटीआर दाखिल नहीं कर पाते।

मौसम, मृत्यु, शेयर बाजार और महिलाओं के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज शेयर बाजार निवेशक और कारोबारी राकेश झुनझुनवाला को 'दलाल स्ट्रीट का बिग बुल' और ' भारत का वॉरेन बफे ' के नाम से जाना जाता था। उन्होंने अपनी समझ और लंबी अवधि के निवेश के दम पर शेयर बाजार में बड़ी संपत्ति बनाई। उनकी निवेश रणनीति में लंबी अवधि के लिए अच्छी कंपनियों के शेयर खरीदना और उनमें भरोसा बनाए रखना शामिल था। इसी वजह से उन्हें भारत के सबसे सफल निवेशकों में गिना गया। राकेश झुनझुनवाला का जन्म 5 जुलाई 1960 को हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही शेयर बाजार में निवेश शुरू कर दिया था। साल 1985 में उन्होंने महज 5000 रुपये से शेयर बाजार में कदम रखा। आगे चलकर यही छोटी रकम अरबों रुपये के पोर्टफोलियो में बदल गई। 14

अगस्त 2022 को 62 साल की उम्र में मुंबई में उनका निधन हो गया। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक होने के बावजूद झुनझुनवाला ने अपने जीवन के आखिरी दौर में एक बिल्कुल अलग क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने अकासा एयर की सह-स्थापना की। कम लागत वाली इस एयरलाइन ने अगस्त 2022 में अपनी पहली उड़ान शुरू की। फोर्ब्स के मुताबिक निधन के समय राकेश झुनझुनवाला की संपत्ति करीब 5.5 अरब डॉलर थी। वहीं, कुछ अनुमानों में उनकी नेटवर्थ करीब 5.8 अरब डॉलर बताई गई। उनका एक चर्चित विचार था कि भारत का भविष्य सूरज से भी ज्यादा चमकदार है। सफल निवेशक वही होते हैं जो सही मौके का फायदा उठाते हैं और हमेशा आशावादी रहते हैं। विकास अक्सर मुश्किल और अस्थिर परिस्थितियों से ही निकलता है। विकास के लिए जो चीजें चाहिए, जैसे कौशल, जनसांख्यिकी आबादी, प्राकृतिक संसाधन, लोकतंत्र और उद्यमिता, वे भारत के पास प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। कोशिश करके असफल होना, कोशिश ही न करने से बेहतर है। मौसम, मृत्यु, शेयर बाजार और महिलाओं के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता। जिस तरह किसी महिला को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता, उसी तरह शेयर बाजार को भी अपने नियंत्रण में नहीं रखा जा सकता। हमेशा भीड़ के उलट चलने की कोशिश करें। जब दूसरे लोग बेच रहे हों, तब खरीदें और जब दूसरे लोग खरीद रहे हों, तब बेचें। शेयर बाजार का सम्मान करें।

और खुले दिमाग से निवेश करें। यह समझें कि कितना पैसा लगाना है और कब नुकसान स्वीकार करके बाहर निकलना है। निवेश में जिम्मेदारी बेहद जरूरी है। मैंने कई गलतियां की हैं, लेकिन मेरी सफलताओं को मेरी असफलताओं की तुलना में कहीं ज्यादा प्रचार मिला। कभी भी जरूरत से ज्यादा महंगे मूल्यांकन पर निवेश न करें।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर किसे देना होगा चार्ज? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कर दिया साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट से बैंकों और फाइनेंशल टेक्नोलॉजी कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर में ज्यादा निवेश करने में मदद मिलेगी और इस निवेश के फायदे का उपयोग करने वाले सभी लोगों को मिलेंगे। उन्होंने संसद में पेश किए गए एक संशोधन विधेयक का जिक्र करते हुए यह बात कही, जिसको लेकर विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ऐसा अमेरिकी दबाव में किया गया।

लोकसभा ने गुरुवार को टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल 2026 पास किया, जिसमें पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट 2007 के सेक्शन 10 में बदलाव करने का प्रस्ताव है। यह बिल सरकार को यूपीआई और रूपे कार्ड से होने वाले ट्रांजैक्शंस पर जीरो-एमडीआर की व्यवस्था में बदलाव करने का कानूनी आधार देता है। अभी बैंक

और पेमेंट सर्विस देने वाली कंपनियां और रूपे डेबिट कार्ड के जरिए पेमेंट के लिए यूजर्स से कोई चार्ज नहीं ले सकती हैं। वहीं, राज्यसभा ने गुरुवार को विनियोग विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके तहत सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में व्यय हुए अतिरिक्त खर्च के लिए संसद से मंजूरी मांगी थी। लोकसभा में गुरुवार को टैक्सेशन एंड अदर लॉ (अमेंडमेंट) बिल, 2026 पास हो गया। इस बिल में एक बदलाव ऐसा है जो सीधे तौर पर बिजनेस ट्रस्ट से जुड़ा है। पहले का नियम यह था कि अगर किसी ट्रस्ट ने ओल्ड टैक्स रीजीम चुनी थी, तो उसके यूनिट-होल्डर्स (निवेशकों) को डिविडेंड पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता था।

लेकिन, अगर ट्रस्ट न्यू टैक्स रीजीम चुन लेता था, तो निवेशकों को मिलने वाली टैक्स की यह छूट खत्म हो जाती थी। अब न्यू टैक्स रीजीम में भी, ट्रस्ट के निवेशकों को मिलने वाला डिविडेंड टैक्स-फ्री होगा। वहीं, सेबी के गुरुवार को जारी प्रस्ताव के तहत और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट को अब निर्माणाधीन संपत्तियों में छोटी हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति मिल सकती है।

अभी नहीं हुआ है फैसला

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस पर कहा, यह विधेयक एमडीआर लगाने का रास्ता खोलता है, जिससे भविष्य में आसानी से सभी प्रकार के डिजिटल भुगतान पर लागू किया जा सकता है। इसका बोझ आम लोगों पर पड़ेगा। सीतारमण ने कांग्रेस नेता के बयान पर कहा, 'अफवाह फैलाने से पहले इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। एमडीआर केवल मर्चेंट्स पर लागू होता है, यूजर्स या कंस्यूमर्स पर नहीं। अभी एनपीसीआई की अगुवाई वाली यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमिटी ने फैसला भी नहीं किया है। संसद से संशोधन विधेयक पास होने के बाद ही इस बारे में कोई फैसला होगा।'

संक्षिप्त

अरुण वासु एशियाई सर्फिंग महासंघ के अध्यक्ष चुने गए

चेन्नई, एजेंसी। एशियाई सर्फिंग महासंघ (एएसएफ) ने शुक्रवार को भारतीय सर्फिंग महासंघ (एसएफआई) के अध्यक्ष अरुण वासु को अपना नया अध्यक्ष चुना। वासु का चुनाव अंतरराष्ट्रीय सर्फिंग संघ (आईएसए) की निगरानी में एएसएफ के सदस्य राष्ट्रीय महासंघों द्वारा किए गए मतदान के बाद हुआ। विंडसर्फर और सर्फर रह चुके वासु 2021 से एसएफआई के अध्यक्ष हैं। उनके कार्यकाल में भारतीय सर्फरों ने एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया और एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप में देश के लिए पहला पदक भी जीता। वासु ने जापान के अत्सुशी सकाई की जगह ली जो वर्ष 2011 से एएसएफ के अध्यक्ष पद पर कार्यरत थे।

अष्मिता चालिहा कोरिया मास्टर्स के फाइनल में

आसन (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। अष्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21 . 13, 16 . 21, 21 . 13 से हराकर पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही 26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी। रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था।

ईस्ट बंगाल एफसी ने साउथ यूनाइटेड एफसी को हराकर क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें बरकरार रखीं

कोलकाता, एजेंसी। ईस्ट बंगाल एफसी ने शुक्रवार को यहां डूरंड कप के अपने अंतिम ग्रुप ए मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए साउथ यूनाइटेड एफसी को 5-0 से शिकस्त दी और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। ईस्ट बंगाल एफसी के लिए डैनी रामिरेज ने छठे मिनट, मोहम्मद बासिम राशिद ने 24वें मिनट, हार्दिक भट्ट ने 73वें मिनट, बिपिन सिंह ने 81वें मिनट और डेविड लालहलनसांगा ने इंजरी टाइम (90+5वें मिनट) में गोल किया। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल एफसी ने ग्रुप ए के तीन मैच में छह अंक हासिल किए। उसका गोल अंतर प्लस 11 हो गया है जिससे वह टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम में शामिल होकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। वहीं साउथ यूनाइटेड एफसी का अभियान इस करारी हार के साथ समाप्त हो गया।

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: पूजा ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

यूजीन, एजेंसी। भारत की पूजा ने शुक्रवार को विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पूजा ने 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पदक दौर में प्रवेश किया। सीधे क्वालीफिकेशन के लिए 1.84 मीटर का मानक निर्धारित था, लेकिन कोई भी एथलीट इसे पार नहीं कर सकी।

ऐसे में 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाने वाली सभी 12 एथलीट फाइनल में पहुंचीं। पूजा ने इसी साल हरियाणा की इस युवा एथलीट ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.93 मीटर की छलांग लगाकर 14 साल पुराना सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। यह रिकॉर्ड पहले सहाना कुमारी के नाम था। पूजा ने उस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी जीता था।

पुरुष वनडे के 5000 मुकाबले पूरे

- **पहले 24 वर्षों में 1000 वनडे और अगले 31 वर्षों में 4000 वनडे**

नई दिल्ली, एजेंसी।

डुंडी में शुक्रवार को स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच मैच के साथ ही पुरुष वनडे के 5000 मुक़ाबले पूर्ण हो गए।

इस प्रारूप का जन्म जनवरी 1971 में हुआ था और इन 55 वर्षों में प्रारूप में लगातार बदलाव आया है। पांच हज़ार मुक़ाबलों को हज़ार-हज़ार के अलग समूह में बांटकर एक बेहतर तस्वीर पेश करने की कोशिश की गई है। पहले तीन वनडे विश्व कप में प्रति टीम 60 ओवर के मुक़ाबले खेले जाते थे जबकि इंग्लैंड में होने वाले दो देशों के बीच मुक़ाबले प्रति टीम 55 ओवर के मुक़ाबले होते थे।

ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान में शुरुआती मुक़ाबले प्रति टीम 40 और 35 ओवर के मुक़ाबले होते थे, जिसमें एक ओवर में आठ गेंदें होती थीं। एशिया में प्रति टीम 40 ओवर के मुक़ाबले होते थे जिसमें एक ओवर में छह गेंदें होती थीं। पिछला पुरुष वनडे मुक़ाबला जो कि 50 ओवर का मुक़ाबला नहीं था, वो 1995 में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज़ के बीच मुक़ाबला खेला गया था। 1995 में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज़ के बीच खेला गया यह मुक़ाबला 1002वां वनडे था और यह प्रति टीम 55 ओवर का मुक़ाबला था।

1000वां वनडे मैच 1995 में उसी इंग्लैंड-वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के दौरान नॉटिंघम में खेला गया था जो कि रिज़र्व डे तक गया था। पहले 1000वें मुक़ाबले तक पहुंचने के लिए 24 वर्षों का इंतज़ार करना पड़ा और अगले 31 वर्षों में चार हज़ार वनडे खेले गए।

अगले 1000 हज़ार वनडे आठ वर्षों के अंतराल पर खेले गए, जिसमें पहले 1000 वनडे के मुक़ाबले एक तिहाई कम समय लगा। टी 20 प्रारूप के आगमन के बावजूद वनडे खेले जाने की निरंतरता में सीधे तौर पर कमी नहीं आई।

2007 में कुल 191 वनडे खेले गए जिस साल पहली बार टी 20 विश्व कप खेला गया था, इस साल एक साल में सबसे ज़्यादा वनडे खेले गए थे और ऐसा करते हुए 2006 में खेले गए सर्वाधिक 160 वनडे का रिकॉर्ड पीछे छूट गया था। अगले 1000 वनडे 2630 दिनों के अंतराल पर खेले गए जो कि किसी भी ब्लॉक में लिए गए सबसे कम दिन थे।

2023 में खेले गए सबसे हालिया वनडे विश्व कप ने एक साल में सर्वाधिक मुक़ाबलों का रिकॉर्ड तोड़ दिया, इस साल 218 वनडे मुक़ाबले खेले गए। इसके पिछले साल भी 161 वनडे खेले गए थे। लेकिन 1000 वनडे के पांचवें ब्लॉक को पूर्ण करने में 3063 दिन लग गए। 2020 में आई महामारी, टी 20 लीगों का बढ़ना, द्विपक्षीय सीरीज़ कम खेला जाना और अन्य कारण वनडे की संख्या में आई कमी की वजह रहे हैं।

आशीष यादव ने विश्व अंडर 20 चैम्पियनशिप में भालाफेंक में रजत पदक जीता

यूजीन, एजेंसी।

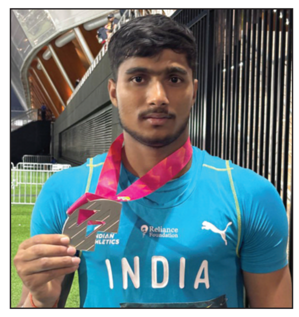

आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैम्पियनशिप में पुरूषों के भालाफेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला जबकि राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली।

यादव ने तीसरे दौर में 74 . 09 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। वहीं भारत के टी धरणीधरन 72 . 35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे।

यादव अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतिस्पर्धा में 74 . 49 मीटर का थ्रो फेंका था। 19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86 . 48 मीटर के विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80 . 50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता । वहीं डोमिनिका के एडिसन जेम्स को कांस्य पदक मिला जिन्होंने 73 . 89 मीटर का थ्रो फेंका था।

एक दिन पहले पुरूषों की 400 मीटर हीट के पहले दौर में अंडर 20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाले मोहम्मद अशफाक फाइनल में 46 . 20 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे। अमेरिका के जेडेन डेलोन ने 44 . 47 सेकंड के साथ स्वर्ण और उनके हमवतन किंसी विल्सन ने 44 . 62 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

भारतीय जूनियर वेटलिफ्टरों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।

उज़्बेकिस्तान के ताशकंद में चल रही एशियन यूथ एंड जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन भारतीय वेटलिफ्टरों ने शानदार शुरुआत की। परिष्मिता गोगोई और तितली माजी ने देश के लिए मेडल जीतने वाला प्रदर्शन किया।

महिलाओं की 45 किग्रा वेट कैटेगरी में हिस्सा लेते हुए, तितली माजी ने स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल मिलाकर – सभी इवेंट्स में 3 सिल्वर मेडल जीते। उन्होंने पूरी स्पर्धा के दौरान बेहतरीन निरंतरता दिखाई।

उन्होंने स्नैच में 65 किग्रा (सिल्वर),क्लीन एंड जर्क में 80 किग्रा (सिल्वर) और कुलः 145 किग्रा (सिल्वर) वजन उठाया।

इसी कैटेगरी में, परिष्मिता गोगोई ने 65 किग्रा के बेस्ट लिफ्ट के साथ स्नैच इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने कुल 141 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया; ज़बरदस्त प्रदर्शन के बावजूद वे बहुत कम अंतर से ओवरऑल पोडियम (मेडल की सूची) में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने स्नैच में 65 किग्रा (गोल्ड), क्लीन एंड जर्क में 76 किग्रा और कुलः 141 किग्रा वजन उठाया।

इंडियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के प्रेसिडेंट डॉ. सहदेव यादव ने तितली माजी और परिष्मिता गोगोई को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी कोच और सपोर्ट स्टाफ़ को भी उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी।

रोड्रिगुइन्हो के पांच गोल, एससी दिल्ली ने डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से हराया

रांची, एजेंसी। ब्राजीली फॉरवर्ड रोड्रिगुइन्हो के पांच गोल की बदौलत एससी दिल्ली ने शुक्रवार को यहां डूरंड कप के ग्रुप सी मैच में डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से शिकस्त दी। इस जीत से एससी दिल्ली के दो मैच में छह अंक हो गए और टीम ग्रुप सी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। डिफेंडर्स एफसी ने अपना ग्रुप चरण अभियान बिना अंक के समाप्त किया, यह उनकी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार थी। एससी दिल्ली के लिए रोड्रिगुइन्हो ने शुरूआती 13 मिनट में हैट्रिक लगाकर अपना स्वप्निल पदार्पण किया। इसके बाद उन्होंने दो और गोल दागे।

क्या 25 करोड़ की ट्रेड डील में केकेआर जाएंगे हार्दिक ? कप्तानी मिलने की भी चर्चा तेज !

मुंबई, एजेंसी।

हार्दिक पांड्या IPL 2027 में केकेआर का हिस्सा बनने की खबरें तेज हो गई है। मुंबई इंडियंस को छोड़, 25 करोड़ की ट्रेड डील के साथ उनकी KKR में कप्तानी को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।

आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या का भविष्य चर्चा का विषय बना हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगले सीजन में वो किस टीम के लिए खेलेंगे। मुंबई इंडियंस से उनके अलग होने की खबरों के बीच अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) भी उन्हें अपनी टीम में शामिल करने की दौड़ में उतर गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, केकेआर ने हार्दिक पांड्या को टीम में लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं, फ्रेंचाइजी उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंप सकती है। पिछले दो सीजन में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। ऐसे में टीम को एक ऐसे खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में योगदान दे सके।

करियर की अहम उपलब्धियां

खिताब जिताने वाले कप्तान: उन्होंने 2022 में अपने पहले ही सीजन में गुजरात टाइटंस को उनकी पहली आईपीएल ट्रॉफी जिताई।

मैच खत्म करने की काबिलियत: उनका करियर बैटिंग स्ट्राइक रेट 146.29 है, जो उन्हें डेथ-ओवर्स में सबसे खतरनाक हिटर्स में से एक बनाता है।

फाइव-विकेट क्लब: उनके करियर का सबसे अच्छा बॉलिंग प्रदर्शन 5/36 है, जो अकेले दम पर पार्टनरशिप तोड़ने की उनकी काबिलियत को दिखाता है।

नामीबिया की मेजबानी में दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्व खेलेंगे टी-20 त्रिकोणीय सीरीज

विंडहोक, एजेंसी।

नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे टी-20 त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा और उसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगा। सभी मैच विंडहोक के नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाएंगे। टी-20 त्रिकोणीय 28 अगस्त को शुरू होगी, जिसका फ़ाइनल छह सितंबर को होगा और वनडे सीरीज नौ सितंबर से शुरू होगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 2027 में होने वाले अफ्रीका कप की शुरुआत के लिए आधार तैयार करेगी। इस प्रतियोगिता का मक़सद ज़्यादा अफ्रीकी देशों को सबसे उच्च स्तर पर खेलने का मौका देना है।

त्रिकोणीय सीरीज से होने वाला सारा मुनाफ़ा अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन को दान किया जाएगा ताकि पूरे महाद्वीप में खेल को बढ़ावा दिया जा सके। क्रिकेट नामीबिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जोहान मुलर ने कहा, "हम इस सीरीज़ के लिए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका और ज़िम्बाब्वे क्रिकेट के कमिटमेंट के लिए बहुत आभारी हैं। यह अफ्रीकी महाद्वीप में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत पार्टनरशिप और साझा सोच को दिखाता है।" दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे 2027 में होने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप के संयुक्त मेजबान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेट्सी मोसेकी कहा, "हम इस व्हाइट-बॉल टूर का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं। यह न सिर्फ़ हमारे पड़ोसी देशों में खेल को मज़बूत करने के हमारे कमिटमेंट को दिखाता है, बल्कि अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप से पहले उत्साह भी बढ़ाता है, जिसकी मेजबानी ये तीनों देश मिलकर करेंगे।

स्नेहा ने जीता डब्ल्यूपीजीटी के 11वें चरण का खिताब

होसुर, एजेंसी। स्नेहा सिंह ने शुक्रवार को यहां छह शॉट की बढ़त गंवाने के बाद प्लेऑफ में वापसी करते हुए वाणी कपूर को हराकर हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 11वें चरण का खिताब अपने नाम किया। स्नेहा ने दूसरे दिन 10 अंडर का कार्ड खेला था और अंतिम दिन पांच ओवर 76 का कार्ड खेला। स्नेहा और वाणी का नियमित खेल के बाद स्कोर तीन अंडर 210 से बराबरी पर था। इसके बाद प्लेऑफ में स्नेहा जीत दर्ज करने में सफल रहीं। स्नेहा ने पहले प्लेऑफ होल में जीत हासिल कर 18 महीने का खिताबी सूखा समाप्त किया।

मेसी के संन्यास का फैसला सिर्फ उनका होगा: अर्जेंटीना फुटबॉल प्रमुख

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो "चिकी" तापिया ने कहा है कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी के संन्यास का फैसला पूरी तरह उन्हीं का होगा। 2026 विश्व कप में मेसी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए तापिया उन्हें संन्यास के लिए जल्दबाजी में विदा करने के पक्ष में नहीं हैं।

अर्जेंटीना टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तापिया ने कहा, "यह पूरी तरह और व्यक्तिगत रूप से उनका फैसला है। आपको उन्हें आराम से रहने देना होगा।

उन्होंने कहा, "2022 में हमें नहीं पता था कि वह 2026 में खेलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा था कि वह मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे। मुझे लगता है कि हमने विश्व कप में लियो का शानदार, अगर उनका सर्वश्रेष्ठ नहीं तो बेहतरीन रूप देखा है। आपको उन्हें फुटबॉल खेलने का आनंद लेते रहने देना चाहिए और उसके बाद वह वही फैसला करेंगे, जो उन्हें सही लगेगा।

24 जून को 39 वर्ष के हुए मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की कोई समयसीमा नहीं बताई है। उन्होंने यह भी संकेत नहीं दिया है कि वह इंटर मियामी के लिए और कितने समय तक खेलना जारी रखेंगे।

तापिया ने कहा, "लियो का विश्व कप शानदार रहा। हमने इसका बहुत आनंद लिया और हमें गर्व महसूस करना चाहिए।

2030 विश्व कप में 43 के होंगे मेसी

अगर मेसी 2030 विश्व कप में खेलते हैं तो स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान उनकी उम्र 43 वर्ष होगी। अर्जेंटीना, उरुग्वे और पराग्वे भी विश्व कप की शताब्दी के जश्न के तहत एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। फीफा के अनुसार, विश्व कप मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज गैर-गोलकीपर खिलाड़ी कैमरून के रोजर मिला हैं, जिन्होंने 42 वर्ष और 39 दिन की उम्र में विश्व कप मैच खेला था। पुर्तगाल के एक और महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी इस विश्व कप में 41 वर्ष की उम्र में हिस्सा लिया।

विश्व कप में मेसी ने फिर दिखाया दम

2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाने वाले मेसी के लिए 2026 विश्व कप में खेलना भी निश्चित नहीं माना जा रहा था। हालांकि, उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ गोल और चार असिस्ट किए। अर्जेंटीना को पिछले महीने अमेरिका में खेले गए विश्व कप फाइनल में अतिरिक्त समय में स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मेसी ने इस विश्व कप के दौरान मिरोस्लाव क्लोजे के 16 गोल के विश्व कप रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हालांकि फ्रांस के किलियन एमबापे ने टूर्नामेंट में कुल 22 गोल के साथ मेसी को पीछे छोड़ दिया।

वापसी | कोर्ट में केस लड़ने को भी तैयार; 2027 वर्ल्ड कप पर नजर

सुरक्षा की गारंटी मिले तो बांग्लादेश लौटेंगे शाकिब?

ढाका, एजेंसी।

शाकिब अल हसन ने कहा है कि अगर सुरक्षा मिले तो वो बांग्लादेश लौटकर कोर्ट में मामलों का सामना करने और 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए तैयार हैं।

बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर शाकिब अल हसन ने कहा है कि अगर सरकार उनकी सुरक्षा की गारंटी देती है, तो वो बांग्लादेश वापस लौटने, अपने खिलाफ चल रहे मामलों का सामना करने और कोर्ट में पेश होने के लिए तैयार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी माने जाने वाले शाकिब पिछले करीब दो साल से बांग्लादेश से बाहर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वो अभी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के लिए तैयार नहीं हैं और 2027 वनडे वर्ल्ड कप में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

शाकिब ने रॉयटर्स से फोन पर बातचीत में कहा कि अगर बांग्लादेश सरकार उन्हें सुरक्षा की गारंटी देती है, तो वो वापस जाने और कोर्ट में अपने खिलाफ चल रहे मामलों का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। शाकिब ने यह भी कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर अपनी आखिरी सीरीज खेलना और घरेलू मैदान पर क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं।

नहीं छोड़ेंगे हसीना का साथ

शाकिब ने शेख हसीना के साथ अपने राजनीतिक संबंधों से दूरी बनाने की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि वह हसीना या अवामी लीग से दूरी बनाने के बारे में नहीं सोचेंगे। उन्होंने कहा कि हसीना जो भी फैसला लेंगी, वह उसका पालन करेंगे। शाकिब ने ये भी कहा कि वो प्रधानमंत्री तारिक रहमान से अपने बांग्लादेश लौटने को लेकर बात करना चाहते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद घर पर हमला

बुधवार को शाकिब ने दिल्ली में शेख हसीना के साथ एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। इसके बाद बांग्लादेश में उनके घर पर हमला किया गया। शाकिब ने अपने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने केवल शांति और बांग्लादेश की तरक्की की बात की थी और उन्हें इसमें कोई पछतावा नहीं है। गुरुवार को भी उनके घर पर हमले की खबर सामने आई।

दो मामलों से जूझ रहें शाकिब

शाकिब ने बताया कि फिलहाल उनके खिलाफ दो मामले चल रहे हैं। इनमें से एक मामला 2024 के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी की कथित हत्या से जुड़ा है। दूसरा मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जिसकी जांच भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारियों द्वारा की जा रही है। शाकिब ने दावा किया कि हत्या का मामला उस दिन दर्ज किया गया था, जब वह टोरंटो में एक मैच खेल रहे थे। उन्होंने इस मामले को बेबुनियाद बताया और कहा कि उन्होंने अभी तक अपने बचाव के लिए वकील भी नियुक्त नहीं किया है।

2024 से नहीं लौटे बांग्लादेश

शाकिब 2024 में शेख हसीना की सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन और हिंसा के बाद अमेरिका चले गए थे। अगस्त 2024 में हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद हसीना की अवामी लीग से जुड़े कई नेताओं और उनके करीबियों पर आपराधिक मामले दर्ज किए गए। शाकिब भी इन मामलों में फंस गए और तब से अमेरिका में रह रहे हैं। 39 साल के शाकिब ने अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास नहीं लिया है।

हसीना के साथ लौटने की उम्मीद

शाकिब ने कहा कि वह जल्द से जल्द बांग्लादेश लौटना चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं हो पाता है तो वह दिसंबर में शेख हसीना के साथ वापस लौटने की कोशिश करेंगे। हसीना ने भी रॉयटर्स से कहा है कि वह और अवामी लीग के दूसरे नेता दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की योजना बना रहे हैं। हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं और उन्हें बांग्लादेश में 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के मामले में उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, उस हिंसा में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई थी।

मॉन्ट्रियल मास्टर्स: बेन शेल्टन चौथे दौर में पहुंचे

मॉन्ट्रियल, एजेंसी।

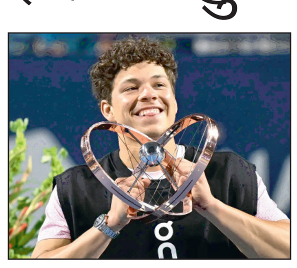

अमेरिका के पांचवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के जिजो बर्ग्स को सीधे सेटों में हराकर मॉन्ट्रियल मास्टर्स 2026 के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। शेल्टन ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में बर्ग्स को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में आठ ऐस लगाए और दूसरे सेट में तीन बार बिना कोई अंक गंवाए गेम जीते। उन्होंने महज 65 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन अब बचे हुए खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। शेल्टन ने कहा, "मेरे लिए यह अच्छा दिन था। मैंने मैच को अच्छी तरह संभाला। उन्होंने शुरुआत में बेहद अच्छी सर्विस की, इसलिए मुझे कुछ बदलाव करने पड़े। मैंने उनकी सर्विस तोड़ने का तरीका ढूंढ लिया और बढ़त मिलने के बाद दबाव बनाए रखा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए शेल्टन का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा। फोंसेका ने नौवीं वरीयता प्राप्त नॉर्वे के कैस्पर रूड को 7-6 (8/6), 6-3 से हराया।

ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को किया बाहर

इस बीच, नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपूर ने इटली के माटेओ अरनाल्डी को तीन सेटों के संघर्ष में 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। ग्रिक्सपूर ने इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त और फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अरनाल्डी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया, लेकिन ग्रिक्सपूर ने स्वीडिश कोच थॉमस हॉगस्टेड की सलाह के बाद मुकाबले में वापसी की।

घी और हल्दी का कॉम्बिनेशन कर सकता है कब्ज की छुट्टी

घी और हल्दी दो बेहद खास सुपरफूड्स है, इन दोनो की अपनी गुणवत्ताएं हैं। इन सुपरफूड्स में कई खास पोषक तत्व और प्रॉपर्टीज पाई जाती है, जो आपकी सेहत के लिए बेहद खास होती हैं। वहीं घी और हल्दी का कॉम्बिनेशन किसी वरदान से कम नहीं है।आयुर्वेद के अनुसार हल्दी और घी के कॉम्बिनेशन को समग्र सेहत के लिए बेहद खास माना जाता है। यह एक प्रमुख कारण है कि आयुर्वेदिक चिकित्सा में घी और हल्दी के संयोजन का उपयोग हमेशा से होता चला आ रहा है।

जो लोग पेट की समस्या से परेशान रहते हैं, तो उन्हें घी और हल्दी के जादुई कॉम्बिनेशन से सबसे अधिक फायदा हो सकता है। यह पाचन में सहायता करने से लेकर इम्यूनिटी को बूस्ट करने में आपकी मदद करता है। वहीं ये कॉम्बिनेशन कब्ज की स्थिति में मल को मुलायम बना इसे आसानी से बाहर निकालने में आपकी मदद करता है। इसका सेवन मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है और वेट लॉस को प्रमोट करता है।

भोजन और व्यंजनों में इन्हे शामिल करने के बजाय, आप हल्दी के साथ कच्चे घी का भी सेवन कर सकती हैं। स्मॉल इंटेस्टाइन में अवशोषण शक्ति को बढ़ाने के अलावा, घी मानव शरीर के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक के एसिडिक पीएच को कम करने में मदद करता है। यह पाचन में मदद करता है और एसिडिटी को कम करता है।

जानें कैसे करना है हल्दी और घी का सेवन

1. एक चम्मच घी में 1/4 चम्मच हल्दी मिलाएं, और इसे डायरेक्ट कंज्यूम करें। आप चाहें तो इसमें 2 चुटकी काली मिर्च पाउडर भी मिला सकती हैं।
2. एक कप गुनगुने दूध में 1/4 चम्मच हल्दी और 1 चम्मच घी डालें। इसे एक साथ अच्छी तरह मिला लें, और इसे एंजॉय करें। ये पेट को शांत करता है, और मल को ल्यूब्रिकेट कर देता है जिससे की मल को बाहर निकालना बेहद आसान हो जाता है।
3. गुनगुने पानी में घी और हल्दी डाल दें, इसे अच्छे से मिला लें, रोज सुबह उठकर इसे खाली पेट लें। ये कांस्टीपेशन की स्थिति में फायदेमंद होता है और इसे त्वचा संबंधी समस्याओं में भी कारगर माना जाता है।

जानें घी और हल्दी के अन्य फायदे

1. जॉइंट पेन को कम करे

दूध में कैल्शियम की मात्रा पाई जाती है, जो स्वाभाविक रूप से हड्डियों को मजबूत करने में सहायता करता है। घी जॉइंट्स को ल्यूब्रिकेट करता है। वहीं घी में विटामिन च2 भी होता है, जो एक प्रमुख कंपाउंड है, ये शरीर को कैल्शियम के बेहतर अवशोषण में मदद करता है।

2. त्वचा स्वास्थ्य को बढ़ावा दे

घी और दूध का मिश्रण त्वचा को प्राकृतिक और गहरी नमी प्रदान करता है। ये कॉम्बिनेशन उन लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है, जिनकी त्वचा ड्राई हो जाती है, खासकर सर्दियों के दौरान। घी और हल्दी के नियमित सेवन से न केवल आपकी त्वचा अंदर से चमकती है, बल्कि दाग-धब्बे भी साफ हो सकते हैं।

3. कोल्ड और कफ में कारगर है

गर्मी से सर्दी तक मौसम में बदलाव अपने साथ सामान्य सर्दी और खांसी लेकर आता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म घी-हल्दी वाला दूध पीने से सर्दी-खांसी से तुरंत राहत मिल सकती है। यह गले की खराश को शांत करेगा और यहां तक कि खांसी की तीव्रता को भी काफी कम कर देगा।

प्याज का इंस्टेंट अचार बदलेगा खाने का ज़ायका और सेहत को देगा फायदे

शरीर के तापमान को संतुलित रखने के लिए जहां लोग कच्चा प्याज खाना खूब पसंद करते हैं, तो वहीं प्याज का इस्टैंट अचार भी खाने के ज़ायके को बढ़ा देता है। शरीर को कई बीमारियों के खतरे से बचाने वाले प्याज से तैयार होने वाला अचार आप घर पर भी आसानी से और चुटकियों में तैयार कर सकते हैं।

प्याज की गिनती हाइली एरोमेटिक वेजिटेबल्स में की जाती है। इसी के चलते खाने में स्वाद को जोड़ने के लिए अक्सर प्याज का इस्तेमाल भरपूर मात्रा में किया जाता है। शरीर के तापमान को संतुलित रखने के लिए जहां लोग कच्चा प्याज खाना खूब पसंद करते हैं, तो वहीं प्याज का इस्टैंट अचार भी खाने के ज़ायके को बढ़ा देता है। शरीर को कई बीमारियों के खतरे से बचाने वाले प्याज से तैयार होने वाला अचार आप घर पर भी आसानी से और चुटकियों में तैयार कर सकते हैं। जानते हैं प्याज के इंस्टैंट अचार की एक आसान रेसिपी और इसके कुछ फायदे भी। प्याज का सेवन करने से शरीर में हीट स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है। देर तक धूप में रहने से शरीर निर्जलीकरण का शिकार नहीं होता है। इसमें प्रोटीन, सोडियम और पोटेशियम उच्च मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा प्याज में क्वेरसेटिन पाया जाता है, जो एंटीऑक्सीडेंट है। इससे शरीर का ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता और हार्ट संबंधी समस्याओं का खतरा कम हो जाता है।

जानते हैं प्याज के फायदे

1. इम्यून सिस्टम को बनाए मज़बूत

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार प्याज में एंटीऑक्सीडेंटस उच्च मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें 17 प्रकार के फ्लेवनॉयड्स पाए जाते हैं, जो शरीर को डायबिटीज़, कैंसर और हृदय रोगों से बचाते हैं। इसमें मौजूद विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और कैल्शियम जैसे न्यूट्रिएंट की मात्रा शरीर को गर्मी से भी बचाती है।

2. ब्लड शुगर को करे रेगुलेट

प्याज के नियमित सेवन से शरीर में ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित बना रहता है। एनआईएच की साल 2010 की एक स्टडी की मानें, तो टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज़ से पीडित 84 लोगों के समूह ने 100 ग्राम कच्चे प्याज का सेवन करने के 4 घंटे बाद उनके शरीर में फास्टिंग शुगर लेवल नियंत्रित पाया गया।

3. हड्डियों को बनाए मज़बूत

शरीर में बढ़ रहे ऑक्सीडेटिव तनाव को दूर करने के लिए प्याज का सेवन बेहद कारगर साबित होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस की मदद से बोन डेंसिटी मज़बूत बनी रहती है। इसके अलावा ओस्टियोपिरोसिस का खतरा भी कम हो जाता है। एक रिसर्च के मुताबिक 24 मिडल एज महिलाओं ने 100 मिलीलीटर प्याज का रस 8 सप्ताह तक पिया। इससे उन पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं की बोन डेंसिटी में सुधार पाया गया।

4. वेटलॉस में मददगार

वे लोग जो वेटगेन की समस्या से ग्रस्त है, प्याज के सेवन से उनकी ये समस्या हल हो सकती है। दरअसल, प्याज में पाए जाने वाले एक्टिव कंपाउड शरीर में अतिरिक्त कैलोरीज़ को जमा होने से रोकती है। रोज़ाना प्याज का सेवन करने से अतिरिक्त फैट गेन की समस्या से बचा जा सकता है।

प्याज के अचार की रेसिपी

इसे बनाने के लिए हमें चाहिए- छोटे प्याज 8 से 10, सरसों का तेल 2 चम्मच राई 1 छोटा चम्मच हल्दी 1/2 चम्मच
लाल मिर्च 1/2 चम्मच जीरा पाउडर 1 चम्मच काली मिर्च 1 छोटा चम्मच नमक स्वादानुसार

प्याज का अचार बनाने के लिए फॉलो करे ये स्टेप्स

सबसे पहले छोटे साइज़ के प्याज लें और उन्हें छीलकर 2 से 3 बार खुले पानी में धो लें।

अब उन सभी प्याज को सुखाकर एक बड़े बर्तन में डालें और उनके बीचों बीच दो कट के निशान लगा दें।

इसके बाद 4 से 5 लंबी कटी हुई हरी मिर्च को प्याज में डाल दें और साथ में नमक, मिर्च, हल्दी और जीरा पाउडर डालें।

मसालों से भरपूर प्याज को रखना चाहें, तो 30 मिनट से 1 घण्टे के लिए ढ़ककर रख दें।

एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई व काली मिर्च डालें। मसाला पकने के बाद गैस बंद कर दें।

तैयार हो चुके तेल को प्याज के उपर डाल दें और तेल को अच्छी तरह से प्याज के साथ मिक्स कर लें।

किडनी और गॉलब्लैडर की पथरी का उपचार है पत्थरचट्टा

साइंस भी मान रहा है इसके फायदे

हमारे यहां कई तरह की अलग-अलग जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं। ये पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं और कई रोगों से बचाव करती हैं। ऐसी ही एक हर्ब है पत्थरचट्टा। गांवों में आज भी महिलाएं यूरीन इन्फेक्शन को दूर करने के लिए इनकी पत्तियों को अपने भोजन में शामिल करती हैं। अब पथरचट्टा के प्रयोग से शहरों में रहने वाले लोग भी अंजान नहीं हैं। इसका पौधा आसानी से गमले में भी उग सकता है। इसलिए लोग पथरचट्टा को पॉट में भी उगा लेते हैं और इनकी पत्तियों की चटनी भी खाते हैं। पत्थरचट्टा की चटनी की रेसिपी बहुत आसान है। यह ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद है। सबसे पहले जानते हैं पथरचट्टा के फायदे।

क्या है पत्थरचट्टा

इंडियन मेडिकल गजेट के अनुसार, पत्थरचट्टा, जिसे कलानचो के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत में व्यापक रूप से उगाया जाने वाला रस से भरपूर बारहमासी पौधा है। इसे आमतौर पर एयर प्लांट के रूप में जाना जाता है। इसमें लंबे खोखले तने होते हैं। कलानचो में गहरे मांसल हरे पत्ते होते हैं। पत्थरचट्टा एशिया, वेस्ट इंडीज, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि में भी उगाया जाता है।

किडनी और गॉलब्लैडर की पथरी का उपचार हैपौधे का वैज्ञानिक नाम ब्रायोफिलम पिन्नाटम है । पथरचट्टा एक औषधीय पौधा है जो चिकित्सीय पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है।आयुर्वेद में पथरचट्टा का दूसरा नाम है ङ्क पाषाणभेद, जिसका अर्थ है 'पत्थर को घोलना।' पारंपरिक औषधीय प्रथाओं में पत्थरचट्टा की पत्तियों को यूरीन इंकॉन्टीनेंस के साथ-साथ किडनी और गॉलब्लैडर की पथरी को खत्म करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

जानिए साइंस क्या कहता है

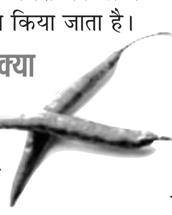

इंडियन मेडिकल गजेट के अनुसार, पथरचट्टा एल्कलॉइड्स, फ्लेवोनोइड्स, ग्लाइकोसाइड्स, ट्राइटरपेन्स, कार्डिएनोलाइड्स, लिपिड और स्टेरॉयड जैसे बायोएक्टिव यौगिकों से समृद्ध हो सकता है। इसके अलावा फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, आयरन, कॉपर, जिंक, पोटेशियम, निकेल, कैल्शियम, सोडियम, लेड, कैडमियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं ।

आपकी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है सेवन

हार्वर्ड हेल्थ पब्लिकेशन में प्रकाशित शोध बताते हैं कि पत्थरचट्टा कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं के कारण होने वाले मुटेशन को कम कर सकता है। यह ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है। फंगस के विकास को रोक कर यह पैथोजेंस के विकास को रोक देता है ।

सूजन, पेट में अल्सर बनने नहीं देता है पत्थरचट्टा। लीवर स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा प्रणाली, किडनी हेल्थ को यह मजबूती दे सकता है।

कैसे करें पत्थरचट्टा का इस्तेमाल

पत्थरचट्टा को कई तरीके से लिया जा सकता है। इसकी कुछ पत्तियां लें, उन्हें गर्म पानी में भिगो दें और इसे

खाली पेट लें।
यह हर्बल पाउडर के रूप में भी लिया जा सकता है। इसे जूस और सिरप के रूप में लिया जा सकता है। पत्थरचट्टा को सप्लीमेंट के रूप में भी लिया जा सकता है।

कैसे बनाएं पत्थरचट्टा की चटनी

पत्थरचट्टा की 2 कप पत्तियों को पानी में अच्छी तरह धो लें। इन्हें मोटा-मोटा काट लें।

इसमें 2 कटी हुई हरी मिर्च , ङ्ग इंच कटा हुआ अदरक, ङ्ग चम्मच जीरा पाउडर, ङ्ग चम्मच चाट मसाला पाउडर, ङ्ग चम्मच नींबू का रस डाल दें।सभी सामग्रियों को ग्राइंडर या ब्लेंडर जार में डाल दें। पीस लें। पीसने के बाद नमक आवश्यकतानुसार मिला दें। चटपटी चटनी तैयार है। इसे किसी भी भोजन के साथ खाएं। यह भोजन का स्वाद कई गुना बढ़ा देगा और स्वास्थ्य को फायदे भी पहुंचाएगा।

ध्यान रहे

पत्थरचट्टा से थकान हो सकती है। इससे गला सूख सकता है। इससे उत्तेजना हो सकती है। इससे पाचन में दिक्कत हो सकती है। इसलिए हमेशा विशेषज्ञ की सलाह पर उचित मात्रा में ही इसका सेवन करें।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए करें करी पत्ता का प्रयोग

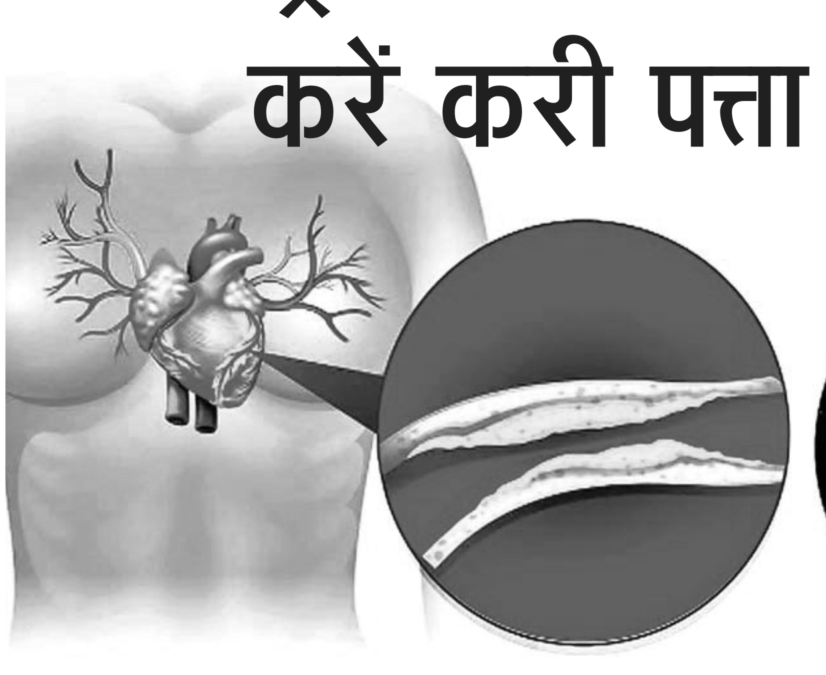

रक्त में कोलेस्ट्रॉल का अधिक स्तर कई गंभीर रोगों के जोखिम को बढ़ाता है। खासर हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों के लिए तो प्रमुख जोखिम कारकों में से एक है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखना बहुत जरूरी है। कोलेस्ट्रॉल को कम करने और कंट्रोल रखने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं, फिर भी कुछ खास फायदा देखने को नहीं मिलता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर आप करी पत्ता को अपनी डाइट में शामिल करें, तो इससे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में बहुत मदद मिल सकती है? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! अब आप सोच रहे होंगे कि करी पत्ता कोलेस्ट्रॉल कम करने में कैसे मदद कर सकता है? साथ ही कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल के लिए इसे डाइट में कैसे शामिल करें? आपके इन सवालों का जवाब जानने के लिए हमने क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट और डायटीशियन गरिमा गोयल से बात की। इस लेख में हम आपको कोलेस्ट्रॉल के लिए करी पत्ता के फायदे, साथ ही सेवन का तरीका बता रहे हैं।

डायटीशियन गरिमा की मानें तो करी पत्ता का उपयोग कई उद्देश्यों के लिए किया जाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, साथ ही फाइटोन्यूट्रिएंट्स का एक बेहतरीन स्रोत हैं। कई शोध में यह पाया गया है कि करी पत्ता के हाइपोकोलेस्टेरोलेमिया में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। जिन चूहों ने करी पत्ते के अर्क का कुछ दिन लगातार सेवन किया, उनमें कोलेस्ट्रॉल के स्तर और ब्लड शुगर लेवल में गिरावट देखने को मिली। जब कोलेस्ट्रॉल का ऑक्सीकरण तो इससे घनत्व वाले लिपोप्रोटीन या लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन का विकास होता है, जिसे आम भाषा में हम खराब कोलेस्ट्रॉल कहते हैं। करी पत्ते में मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को रोकने में मदद करते हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाते हैं। इसके नियमित सेवन से हाई बीपी और एथेरोस्क्लेरोसिस जैसे हृदय रोगों से निपटने में मदद मिल सकती है।

1. सुबह खाली पेट चबाएं

यह करी पत्त के प्रयोग का सबसे आसान और बेहद प्रभावी तरीका है। जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी भी होता है। रोजाना सुबह खाली पेट 5-8 करी पत्ता चबाने से कोलेस्ट्रॉल कम करने में बहुत मदद मिलेगी।

2. पकवानों में शामिल करें

आप अपने पकवानों में तड़के तौर पर करी पत्ता का प्रयोग कर सकते हैं। इसे अपनी सब्जी, दाल, करी आदि में शामिल कर सकते हैं। इससे आपके भोजन का स्वाद भी कई गुना बढ़ जाएगा।

3. करी पत्ता की चाय पिएं

आप सुबह नॉर्मल चाय के बजाए करी पत्ता की चाय से दिन की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक कप पानी में 8-10 करी पत्ता को उबालना है, इसे छानकर शहद मिलाकर पिएं।

4. करी पत्ते की चटनी खा सकते हैं

यह भी करी पत्ता को डाइट में शामिल करने का एक बेहतरीन तरीका है, इसे बनाना भी बहुत आसान है। आपको बस एक पैन में 2 चम्मच तेल गर्म करना है, उसमें 1/4 चम्मच हींग, 1/2 राई, 2 चम्मच उड़द दाल और 1 सूखी लाल मिर्च डालें। इन्हें रोस्ट करें। इसे ठंडा कर लें, फिर एक कप में निकाल हैं। आप इसे या तो पीस सकते हैं या फिर ग्राइंड कर सकते हैं। इसमें स्वादानुसार नमक डालें और इंजॉय करें।

पेट में कीड़े होने पर क्या नहीं खाना चाहिए

पेट में कीड़े होना एक आम समस्या है। पहले पेट में कीड़ों की समस्या ज्यादातर बढ़ती उम्र के बच्चों में देखी जाती थी, लेकिन इन दिनों वयस्कों में भी यह परेशानी नजर आती है। पेट में कीड़ों की समस्या तब होती है जब आंत में परजीवी कीड़े (जैसे कि राउंडवर्म, टेपवर्म, पिनवर्म आदि) पनपने लगते हैं। पेट में होने वाले यह कीड़े खाने के पोषक तत्वों को सोख लेते हैं और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। पेट के कीड़े पाचन तंत्रिका पर प्रभाव डाल डालते हैं। इसकी वजह से पेट में दर्द, गैस और अपच की समस्या होती है।

कुछ गंभीर मामलों में पेट के कीड़ों के कारण अत्यधिक शारीरिक थकान की परेशानी भी नजर आती है। पेट में कीड़े होने की स्थिति में कुछ खास प्रकार के फूड्स का सेवन करने की मनाही होती है। आइए जानते हैं वे फूड्स कौन से हैं और पेट में कीड़े होने पर इन्हें क्यों नहीं खाना चाहिए।

1. चीनी युक्त खाद्य पदार्थ

जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल की डाइटिशियन प्रांजल कुमत का कहना है कि बच्चों और वयस्कों को पेट में कीड़ों की समस्या होने पर अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थ और चीनी युक्त पेय पदार्थों का सेवन करने से बचना चाहिए। पेट के कीड़े मीठे पदार्थों में मौजूद खाद्य पदार्थों से ग्लूकोज प्राप्त करके अपनी एनर्जी और संख्या को बढ़ा सकते हैं। इसलिए पेट के कीड़े होने पर पैकेज्ड वाले जूस, कोल्ड ड्रिंक, केक और मिठाई का सेवन करने से बचें।

2. डेयरी प्रोडट-

पेट के कीड़ों की समस्या में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। ऐसे में डेयरी प्रोडक्ट जैसे दूध, दही, पनीर जैसी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। डाइटिशियन का कहना है कि दूध और अन्य डेयरी प्रोडक्ट में लैक्टोज पाया जाता है, जो कीड़े की ग्रोथ में मदद कर सकता है।

3. कच्ची सजियां-

कच्ची सब्जियों में परजीवी अंडे या कीटाणु की संख्या ज्यादा होती है। पेट के कीड़े होने पर कच्ची सब्जियों का सेवन किया जाए, तो ये कीड़ों की संख्या को असीमित तरीकों से बढ़ा सकता है।

4. प्रोसेस्ड और जंक फूड-

प्रोसेस्ड और जंक फूड में तेल, मसाले व कई प्रकार के आर्टिफिशियल कलर्स का इस्तेमाल किया जाता है। प्रोसेस्ड और जंक फूड का सेवन करने के बाद शरीर को इसे पचाने के लिए अतिरिक्त एनर्जी की जरूरत होती है। पेट में कीड़े होने पर पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। इसलिए प्रोसेस्ड और जंक फूड का सेवन करने से बचना चाहिए।

5. कैफीन-

चाय और कॉफी में पर्याप्त मात्रा में कैफीन पाई जाती है। कैफीन पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं और पेट में कीड़ों की समस्या को और गंभीर बना सकते हैं। पेट में कीड़े होने पर कैफीन युक्त पेय और खाद्य पदार्थों का सेवन करने से इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है और पेट के कीड़े भी तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए जहां तक संभव हो इसका सेवन करने से बचें।

अगर आप पेट में कीड़ों की समस्या से परेशान हैं, तो ऊपर बताए गए खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें। पेट में कीड़ों की समस्या होने पर नीम, लहसुन और हल्दी जैसे चीजों का सेवन करें। इनमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो पेट के कीड़ों को खत्म करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि अगर पेट में कीड़ों की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इस विषय पर डॉक्टर से बात करें।

आदित्य चोपड़ा के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।' करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने मास मीडिया की पढ़ाई भी चुनी, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। उन्हें लगता था कि पढ़ाई पूरी करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन, मृणाल ने अपने परिवार को समझाया और आखिरकार अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया। टीवी पर सफलता मिलने के बाद मृणाल ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। सबसे पहले उन्होंने मराठी फिल्मों 'हैलो नंदन', 'विट्टी दांडू' और 'सुराज्य' में काम किया। इसके बाद साल 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन मृणाल के अभिनय की काफी तारीफ हुई। साल 2019 मृणाल के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसी साल वह ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' में नजर आईं। दोनों फिल्मों ने उन्हें बड़े पर्दे पर मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'तूफान', 'धमाका', 'जर्सी', 'गुमराह', 'पिप्पा' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया।

मृणाल ठाकुर के करियर को सबसे बड़ी उड़ान तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद 'हाय नन्ना' में भी उन्होंने शानदार काम किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। मृणाल ने अपनी निजी जिंदगी के संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर की शुरुआत में वह भविष्य को लेकर काफी परेशान रहती थीं। पढ़ाई, परिवार की उम्मीदें और करियर की अनिश्चितता के बीच कई बार वह खुद से सवाल करती थी। बाद में उन्होंने इन मुश्किलों का सामना किया और अपने काम पर पूरा ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में छोड़े कई फिल्मों के ऑफर

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर इसलिए छोड़ दिए क्योंकि उनमें इंटीमेट सीन थे और वह उस समय ऐसे सीन्स को लेकर सहज नहीं थीं। बाद में उन्होंने अपने परिवार से खुलकर बातचीत की और अपने पेशे की जरूरतों को समझाया। अपने अभिनय के दम पर मृणाल ठाकुर ने कई सम्मान भी हासिल किए हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स और इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज़ गिल

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

विक्की जैन ने शुरू किया प्रोडक्शन हाउस टाइगर श्रॉफ के साथ बनाएंगे एक्शन फिल्म

विक्की जैन ने प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। उनके VJ Frames नाम से प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। इस एक्शन फ्रैंचाइजी के निर्देशन की जिम्मेदारी रेमो डिसूजा संभालेंगे।

एल्विश यादव और अभिषेक बनर्जी भी आएंगे नजर

विक्की जैन चर्चित टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति हैं। विक्की अब फिल्म निर्माता की कुर्सी पर बैठेंगे। अपने बैनर की पहली एक्शन फिल्म में उन्होंने टाइगर श्रॉफ को साइन किया है। उनके अलावा अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

शुरू हुई शूटिंग, टाइटल तय नहीं

अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले विक्की जैन पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। आज शनिवार से इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेत्री और विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसी के साथ प्रोडक्शन हाउस शुरू करने पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

टाइगर श्रॉफ वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में देखा गया था। फिल्म बीते साल सितंबर में रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं, रेमो डिसूजा की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म अभिषेक बच्चन अभिनीत 'बी हैप्पी' थी।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

टीवी से फिल्मों तक का सफर आसान नहीं था, मुझे 15 साल लग गए

सीरीज में में महिमा मकवाना और विक्रांत मैसी पहली बार साथ नजर आए हैं। दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। महिमा मानती हैं कि आज इंडस्ट्री का नजरिया बदल रहा है और यह प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की एक मिसाल है। 'मेरे लिए विक्रांत मैसी, सुशांत सिंह राजपूत, मृणाल ठाकुर और शाहरुख खान हमेशा प्रेरणा रहे हैं। आप टीवी से आए हों, थिएटर से या कहीं और से... अगर आपके पास मेहनत, धैर्य और साफ विजन है, तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मुझे यहां तक पहुंचने में 15 साल लगे हैं। कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़े। लेकिन अब वह दौर चला गया है, जब टीवी एक्टर्स को कमतर समझा जाता था। हमारा प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की मिसाल है।'

अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009